@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 18 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 69 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जम्मू-कश्मीर सरकार न्याय के नाम पर कर रही छल: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, 17 जनवरी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर सरकार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के एक अधिकारी के तबादले को लेकर कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार और शक्तिशाली लोगों के बीच गठजोड़ का प्रमाण बताया और सवाल उठाया कि क्या जम्मू-कश्मीर सरकार न्याय और जवाबदेही के प्रति गंभीर है। सरकार ने एसीबी के एसएसपी अब्दुल वहिद, जिन्हें हाल ही में एसीबी के असिस्टेंट इंस्पेक्टर जनरल (एआईजी) के रूप में नियुक्त किया गया था। जिसका तबादला होम डिपार्टमेंट में किया है। वह श्रीनगर स्मार्ट सिटी परियोजना में भ्रष्टाचार की जांच कर रहे थे और हाल ही में उन्होंने इसके दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ असंतुलित संपत्ति के मामले दर्ज किए थे। महबूबा मुफ्ती ने एक्स प्लेटफार्म पर एक पोस्ट में कहा अब्दुल वहिद और उनके सहयोगियों को एसीबी से हटाना उन अधिकारियों के लिए जोखिम को उजागर करता है जो भ्रष्टाचार का सामना करते हैं। यह भ्रष्ट और शक्तिशाली लोगों के बीच गठजोड़ को उजागर करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की यह कार्रवाई भ्रष्टाचार की जांच के बहाने कश्मीरियों की संपत्तियों पर छापेमारी करने के असली इरादों को दिखती है। महबूबा ने इस कदम को सार्वजनिक रूप से घोटाले का खुलासा करने वाले को दंडित करने के रूप में बताते हुए सरकार की न्याय और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मनु भाकर-गुकेश सहित चार को दिए खेल रत्न

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 जनवरी। पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर और विश्व शतरंज चैंपियनशिप के विजेता भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में खेल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अन्य केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे। खेल मंत्रालय द्वारा जनवरी के शुरुआती सप्ताह में खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की गई थी और राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। मनु और गुकेश के अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपियन प्रवीण कुमार को भी खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। 22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे।

पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं। खेल रत्न के अलावा 34 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया जिसमें से एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवॉर्ड लाइफटाइम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बेहतर कोचिंग देने के लिए पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला, जिसमें बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन और फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलाको को लाइफटाइम वर्ग में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया ऑटो एक्सपो का उद्घाटन

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वाहनों की वैश्विक प्रदर्शनी के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर के साथ नई गाड़ियों, कलपुर्जों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 100 से अधिक नई पेशकश किए जाने की उम्मीद है। वाहनों की यह प्रदर्शनी 22 जनवरी तक चलेगी। इसमें एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार के वाहनों के साथ-साथ गाड़ियों से जुड़ी हर चीज देखने को मिलेगी। यानी इसमें वाहन विनिर्माताओं के साथ-साथ कलपुर्जा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, टायर और ऊर्जा भंडारण बनाने वालों से लेकर वाहन सॉफ्टवेयर कंपनियों के उत्पाद देखने को मिलेंगे। दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम, द्वारका में यशोभूमि और ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में ऑटो एक्सपो सज

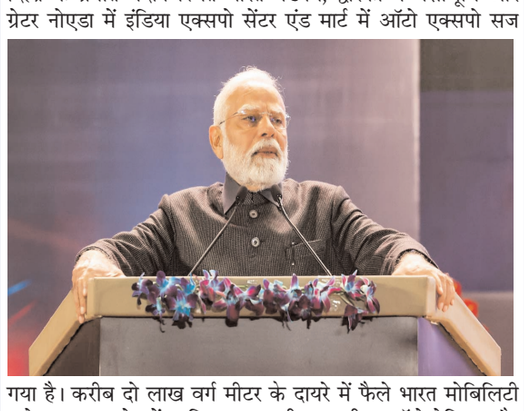

गया है। करीब दो लाख वर्ग मीटर के दायरे में फैले भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में दुनिया भर की नामचीन ऑटोमोटिव और मोबिलिटी कंपनियां शिरकत कर रही हैं। पहले दिन मीडिया के लिए रखा गया है, जबकि दूसरा दिन कारोबारियों के लिए होगा। रविवार से आम लोग जा सकेंगे। आयोजकों का दावा है कि 22 जनवरी तक चलने वाले आयोजन में मोबिलिटी के भविष्य के लिए एक मंच भी तैयार किया जाएगा। इसमें पांच लाख से ज्यादा लोग शिरकत करेंगे। इस एक्सपो का विषय बियोंड द बाउंड्रीज (सीमाओं से परे) रखा गया है। इस दृष्टिकोण का मकसद ऑटोमोटिव और मोबिलिटी क्षेत्र में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देना है।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामलों में सावधानी बरतें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 17 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 306 के तहत केवल इस वजह से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए कि मृतक के परिजन भावनात्मक रूप से टूटे हुए हैं। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में पुलिस को बहुत अधिक सतर्क और संवेदनशील होने की जरूरत है, ताकि किसी निर्दोष के खिलाफ कोई गलत मुकदमा न चलाया जा सके। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि जांच एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति को बेबुनियाद आरोप के तहत परेशान न किया जाए। बेंच ने कहा, आईपीसी की धारा 306 का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। पुलिस इस धारा का इस्तेमाल बहुत जल्दी कर देती है।

प्रदेश अध्यक्ष का पद नेतृत्व क्षमता से मिलता है: उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

बंगलूरू, 17 जनवरी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का पद कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे तरसने से हासिल किया जा सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राज्य के हर घटनाक्रम की जानकारी है। उन्हें अपडेट करने की जरूरत नहीं है। शिवकुमार ने बताया कि उनकी पार्टी में क्षमताओं के आधार पर पद दिए जाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने दूसरी पार्टियों को लेकर टिप्पणी करने से भी इनकार कर दिया। पत्रकारों से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा, मैं पदों की तलाश में नहीं गया था। ये ऐसी भूमिकाएं हैं जो नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमताओं के माध्यम से प्राप्त की जाती हैं। हमारी पार्टी में इन्हीं गुणों के आधार पर पद दिए जाते हैं। दूसरी पार्टियों के बारे में मैं कुछ नहीं कहूंगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी चर्चाएं मीडिया में नहीं होनी चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक के रहने वाले मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस का नेतृत्व कर रहे हैं और ब्लॉक स्तर के अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय स्तर के पद तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, उनकी आखें और कान हर जगह है। वे हर विकास को लेकर जागरूक रहते हैं। मुझे उनसे इस बारे में चर्चा करने की जरूरत नहीं है। जब शिवकुमार से यह पूछा गया कि क्या उन्होंने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को बदलने के बारे में पार्टी में जारी चर्चा का मुद्दा उठाया? शिवकुमार ने जवाब देते हुए कहा, इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके पास पहले से ही जानकारी है। उनकी यह प्रतिक्रिया राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के बयान आई, जिसमें उन्होंने कहा कि मंत्री पार्टी और संगठनात्मक कार्यों के लिए समय देने में असमर्थ हैं। बता दें कि जारकीहोली की प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक के बाद हुई थी।

धर्मनिरपेक्षता विरोधी ताकतों के खिलाफ राजनीतिक और वैचारिक लड़ाई की जरूरत: प्रकाश करात

सौरभ शर्मा

कोलकाता, 17 जनवरी। माकपा नेता प्रकाश करात ने शुक्रवार को कहा कि भारत के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताने-बाने को कमजोर करने की कोशिश कर रहे ताकतों के खिलाफ एक राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष की जरूरत है। कोलकाता में ज्योति बसु सेंटर फॉर सोशल स्टडीज एंड रिसर्च के पहले चरण का उद्घाटन करते हुए करात ने इन ताकतों पर आरोप लगाया कि वे हिंदुत्व को राज्य का आधिकारिक सिद्धांत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की ताकतों के खिलाफ संघर्ष सिर्फ चुनावी नहीं, बल्कि यह एक विचारधारात्मक और राजनीतिक संघर्ष है। उन्होंने छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में विवादित ढांचे को गिराने के बाद पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने इन ताकतों को बर्बर कहा था। करात ने कहा कि आज ये ताकतें सत्ता पर काबिज हो गई हैं और हिंदुत्व

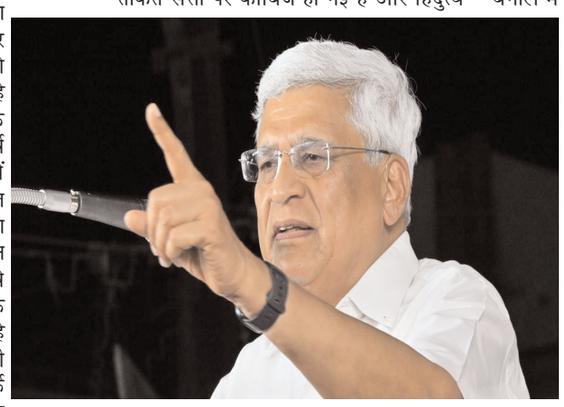

को राज्य की आधिकारिक विचारधारा बनाने की कोशिश कर रही हैं। अगर आज ज्योति बसु जीवित होते, तो वह धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताकतों के साथ इन अंधकारमय ताकतों के खिलाफ लड़ाई में आगे होते। उन्होंने बसु की नेतृत्व क्षमता और उनके योगदान को भी सराहा, खासकर पश्चिम बंगाल में वामपंथी और लोकतांत्रिक आंदोलन को आगे बढ़ाने में उनके योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जहां तक पश्चिम बंगाल का सवाल है, बसु इस बात के उदाहरण थे कि कैसे कम्युनिस्टों को कामकाजी लोगों के हितों को आगे बढ़ाने और वाम और लोकतांत्रिक आंदोलन का निर्माण करने के लिए विधानसभाओं और राज्य सरकारों में काम करना चाहिए। बसु हमारे देश में कम्युनिस्ट और वामपंथी आंदोलन द्वारा की गई प्रगति के प्रतीक थे। माकपा नेता ने ज्योति बसु सेंटर की स्थापना में पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य और माकपा के पूर्व महासचिव सीताराम येचुरी के योगदान को भी स्वीकार किया। इस मौके पर बिमान बोस, माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम और गायिका रिजवाना चौधरी बन्या भी उपस्थित थे।

बांग्लादेश, कनाडा में राजनीतिक उठापटक पर हमारी नजर

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 जनवरी। बांग्लादेश की स्थिति पर, विदेश मंत्रालय ने कहा, हमारे विदेश सचिव ने दौरा किया था, जिसमें हमने कहा था कि हम सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं...हम चाहते हैं कि भारत-बांग्लादेश संबंध बांग्लादेश और भारत के लोगों के लिए अच्छे हों। बांग्लादेश के साथ मौजूदा सीमा स्थिति पर, विदेश मंत्रालय ने कहा कि, हमने अपनी स्थिति बहुत स्पष्ट कर दी है। हमने कार्यवाहक, उप-कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब किया था और सीमा बाड़ लगाने पर अपनी स्थिति बहुत स्पष्ट कर दी थी। हम सीमा पार आपराधिक गतिविधियों, तस्करी और मानव तस्करी, कांटेदार तार की बाड़ लगाने, सीमा पर प्रकाश व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और मवेशी बाड़ लगाने जैसे उपायों को प्रभावी ढंग से संबोधित करके बांग्लादेश के साथ अपराध मुक्त सीमा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिनका उद्देश्य सीमा को सुरक्षित करना है...इस संबंध में सभी पहले की समझ बांग्लादेश की तरफ से ऐसे अपराधों से निपटने की दिशा में एक सहयोगी दृष्टिकोण में लागू की जाएगी। वहीं, कनाडा में राजनीतिक घटनाक्रम पर, विदेश मंत्रालय ने कहा, कनाडा में बहुत सारे राजनीतिक घटनाक्रम चल रहे हैं। हम उन पर कड़ी नजर रख रहे हैं। भारत और कनाडा के बीच बहुत गहरे संबंध हैं... हमें उम्मीद है कि ये संबंध मजबूत बने रहेंगे और भारत इस दिशा में कोई भी कदम उठाने के लिए तैयार रहेगा। सीमा पार आतंकवाद पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम इस बात पर दृढ़ हैं कि आतंकवाद चाहे किसी भी रूप में मौजूद हो, उससे पूरी ताकत से लड़ने की जरूरत है और हमने सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को भी चिन्हित किया है। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस कॉनफ्रेंस में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर कहा कि, इस वर्ष हमें भारत में वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करनी है...हर वर्ष हम रूस के साथ वार्षिक शिखर सम्मेलन करते हैं...इसकी तारीखें राजनयिक चैनलों के माध्यम से तय की जाएंगी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को कहा कि रूस ने भारत को सूचित किया है कि रूसी सेना में कार्यरत 16 भारतीय लापता हैं। एमईए ने कहा कि रूसी सेना में कार्यरत 12 भारतीयों की अब तक मौत हो चुकी है। एमईए के प्रवक्ता ने कहा, रूसी

सेना में कार्यरत भारतीय नागरिकों के 126 मामले सामने आए हैं। इन 126 मामलों में से 96 लोग भारत लौट आए हैं और उन्हें रूसी सशस्त्र बलों से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा, रूसी सेना में 18 भारतीय नागरिक अभी भी हैं और उनमें से 16 व्यक्तियों का पता नहीं चल पाया है। इसमें रूसी पक्ष ने उन्हें लापता की श्रेणी में रखा है... हम बचे हुए लोगों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश वापसी की मांग कर रहे हैं। वहीं उन्होंने कहा, बिनिल बाबू की मृत्यु अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हमने उनके परिवार को अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। हमारा दूतावास रूसी अधिकारियों के संपर्क में है, ताकि उनका पार्थिव शरीर जल्द से जल्द भारत वापस आ सके। एक अन्य व्यक्ति जो घायल हुआ था, उसका मॉस्को में इलाज चल रहा है...उम्मीद है कि वह भी अपना इलाज पूरा होने के बाद जल्द ही भारत लौट आएगा। विदेश सचिव विक्रम मिस्री की दुबई में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ बैठक पर, विदेश मंत्रालय ने कहा, हमारा काबुल में एक तकनीकी मिशन है। हमने पहले भी संयुक्त सचिव स्तर पर बातचीत की है, यह हमारी सबसे उच्च स्तरीय बातचीत थी, और हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए और अधिक काम करना चाहते हैं और साथ ही विकास सहयोग पर अफगानिस्तान के लोगों की सरकार के साथ बातचीत करना चाहते हैं। वहीं क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक पर, रणधीर जायसवाल ने कहा, क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ समारोह के लिए वाशिंगटन, डीसी में होने की उम्मीद है।

हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद करने का मतलब आरोप पर क्लीन चिट नहीं: जयराम रमेश

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भारत के दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी के व्यवसाय समूह और शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी के खिलाफ अपनी रिपोर्ट से हलचल मचाने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च कंपनी को बंद कर दिया गया है। कंपनी के संस्थापक नाथन एंडरसन ने एक दिन पहले इसकी घोषणा की। जिसके बाद से राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेद हो गई गई है। भाजपा ने जहां हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत के खिलाफ सुपारी करार दिया, वहीं, कांग्रेस ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कंपनी के बंद होने का यह मतलब नहीं है कि पूर्व में आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों पर अदाणी समूह को क्लीनचिट मिल गई। उन्होंने कहा कि वे अभी भी जेपीसी की मांग पर अड़े हुए हैं। उन्होनें अपने बयान में कहा कि जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में बेहद गंभीर आरोप लगाए गए थे। इनका असर यह था कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय को अदाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि अदाणी समूह का मुख्य संरक्षक कोई और नहीं बल्कि भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री हैं। रमेश ने आरोप लगाया कि मामला बहुत गहरा है। इसमें राष्ट्रीय हित की कीमत पर पीएम के करीबी दोस्तों को अमीर बनाने के लिए भारतीय विदेश नीति का दुरुपयोग करना भी शामिल है। इसमें भारतीय व्यापारियों को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की संपत्तियों को बेचने के लिए मजबूर करने और अदाणी को हवाई अड्डों, बंदरगाहों, रक्षा और सीमेंट के क्षेत्र में एकाधिकार बनाने में मदद करने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करना भी शामिल है। जयराम रमेश ने इस दौरान उन्होंने सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह को जिन संस्थाओं का दुरुपयोग करके अदाणी समूह को फायदा दिया गया उसमें सेबी जैसे संस्थान भी शामिल हैं, जिसकी बदनाम चेयरपर्सन हितों के टकराव और अदाणी के साथ वित्तीय संबंधों के स्पष्ट सबूत के बावजूद अपने पद पर बनी हुई है। रमेश ने कहा कि यह भी देखना चाहिए कि सेबी की जांच, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए दो महीने का समय दिया था, को लगभग दो साल तक खिंच दिया गया है। ऐसे में यहां भले ही अदाणी और मोदी ने भारत के

संस्थानों पर कब्जा कर लिया हो, लेकिन देश के बाहर उजागर हुई आपराधिकता को इस तरह से कवर नहीं किया जा सकता है। अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी पर आकर्षक सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि अमेरिका की शॉर्ट सेलर यानी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट एक संगठित, प्रायोजित और आर्थिक आतंकवाद का हिस्सा थी। उन्होंने इसे भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत के खिलाफ सुपारी थी। यह एक आर्थिक अराजकता और आतंकवाद का प्रायोजित और साजिशपूर्ण कृत्य था। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साध कहा, राहुल गांधी आपके अंतरराष्ट्रीय सहयोगी हिंडनबर्ग ने अपनी दुकान बंद कर दी, अब आप कब देश के खिलाफ अपना प्रचार-प्रसार बंद करेंगे? आपका हिंडनबर्ग से क्या संबंध है? क्या यह जॉर्ज सोरोस द्वारा प्रायोजित रिपोर्ट थी? आज कांग्रेस को स्पष्टीकरण देना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस और उसका इको-सिस्टम राष्ट्रविरोधी है। अमेरिकी इंवेस्टमेंट रिसर्च फर्म और शॉर्ट सेलिंग ग्रुप हिंडनबर्ग रिसर्च कंपनी बंद होने जा रही है। कंपनी के फाउंडर नाथन एंडरसन ने इसका एलान किया है। हिंडनबर्ग रिसर्च का ये एलान ऐसे वक्त में आया है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन का चार वर्षों का कार्यकाल पूरा होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं। डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने ही वाले हैं।आपको बता दें कि हाल ही में हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी के एक सदस्य और रिपब्लिकन सांसद ने न्याय विभाग से हिंडनबर्ग को लेकर जांच की मांग की थी। हिंडनबर्ग रिसर्च की स्थापना 2017 में एंडरसन ने की थी। इस फर्म का मुख्य काम कंपनियों में अकाउंटिंग की गड़बड़ी या धोखाधड़ी की पहचान करना और उस पर रिपोर्ट जारी करना था। इसके बाद शॉर्ट सेलर्स इन कंपनियों के खिलाफ दांव लगाते हैं, जिनमें गिरावट की संभावना होती है। शॉर्ट सेलिंग में स्टॉक्स उधार लेकर बेचे जाते हैं, और बाद में उनके दाम गिरने पर यह स्टॉक्स फिर से खरीदे जाते हैं। हिंडनबर्ग ने भारत के अदानी समूह और अमेरिका में निकोला जैसी कंपनियों के खिलाफ अपनी रिपोर्ट्स जारी की थीं। 2023 में अदानी समूह के खिलाफ उनकी रिपोर्ट ने कंपनियों की वैल्यू में करीब 100 अरब डॉलर की गिरावट ला दी थी। इसी तरह, 2020 में निकोला पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने निवेशकों को अपनी तकनीक के बारे में गलत जानकारी दी थी। इसके बाद निकोला के संस्थापक ट्रेवर मिल्टन को धोखाधड़ी का दोषी ठहराया गया था।

युद्धविराम की घोषणा के बाद से इजराइली हमलों में 72 लोग मारे गए: गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय

एजेंसी

तेल अवीव। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से इजराइली हमलों में कम से कम 72 लोग मारे गए हैं। पिछले संघर्षों में, ताकत दिखाने के तरीके के रूप में संघर्ष विराम लागू होने से पहले दोनों पक्षों ने अंतिम घंटों में सैन्य अभियान तेज कर दिया था। मंत्रालय ने कहा कि हमलों में मरने वालों में केवल गाजा शहर के दो अस्पतालों में लाए गए शव शामिल हैं, और वास्तविक टोल अधिक होने की संभावना है। मंत्रालय के पंजीकरण विभाग के प्रमुख ज़हेर अल-वाहेदी ने कहा, कल एक खूनी दिन था और आज का दिन और भी खूनी है। इससे पहले, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि हमास के साथ आखिरी मिनट का संकट लंबे समय से प्रतीक्षित युद्धविराम की इजराइल की मंजूरी को रोक रहा था, जो गाजा पट्टी में लड़ाई को रोक देगा और दर्जनों बंधकों को रिहा कर देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रमुख मध्यस्थ कतर द्वारा समझौते के पूरा होने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद नेतन्याहू ने संकेत देना शुरू कर दिया कि सौदे में कुछ मुद्दे हैं। बतादें कि बुधवार को युद्धविराम समझौते की घोषणा की गई थी।

नेपाल के रास्ते भारत और चीन को जोड़ने वाले राजमार्ग के लिए सरकार ने 100 करोड़ का बजट आवंटित किया

काठमांडू। उत्तराखंड से जुड़े नेपाली सीमा से लेकर चीन की सीमा तक राजमार्ग बनाने के लिए नेपाल सरकार ने 100 करोड़ रुपए का आवंटन किया है। नेपाल के रास्ते भारत और चीन को जोड़ने वाला यह सबसे कम दूरी का राजमार्ग है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के निर्देश पर यह बजट आवंटित किया गया है। उत्तराखंड से जुड़े नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश के धनगढ़ी से चीन-नेपाल की सीमा तप्लाकोट तक के सड़क निर्माण के लिए यह बजट आवंटित किया गया है।

वित्त मंत्री विष्णु पौडेल ने बताया कि वहां के स्थानीयवासियों की मांग थी कि सरकार इस राजमार्ग को जल्द से जल्द बनाए। सड़क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक धनगढ़ी से तप्लाकोट तक की दूरी 112 किमी है। यह भारत और चीन की सीमा को जोड़ने वाला सबसे कम दूरी का राजमार्ग होने के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। खुटिया-दिपायल-चैनपुर-उरैभञ्ज्याङ होते हुए ताक्लाकोट तक के सड़क निर्माण के लिए यह रकम खर्च की जाएगी।

बंगलादेश में एचएमपीवी संक्रमित महिला की मौत

ढाका। बंगलादेश में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण से मरने वाला पहला मामला सामने आया है। इस वायरस से संक्रमित महिला कई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से जूझ रही थी जिसकी मौत हो गई है। मृतका संजीदा अख्तर की स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब 6:00 बजे राजधानी ढाका के संक्रामक रोग अस्पताल में मौत हो गई। जहां उसका इलाज चल रहा था। अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार अरिफुल बशर ने घोषणा की कि महिला को मोटापा, किडनी की समस्या और फेफड़ों की परेशानी सहित कई अन्य तरह से परेशानी थी। यह मौत बंगलादेश में इस सीज़न में एचएमपीवी संक्रमण का पहला मामला सामने आने के कुछ दिनों बाद हुई है। जिसमें महिला को इस वायरस से संक्रमित पाया गया, उसकी टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आयी थी। इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी डिजीज कंट्रोल एंड रिसर्च (आईईडीसीआर) में वायरोलॉजी के प्रमुख अहमद नौशेर आलम ने कहा कि महिला का निमोनिया के एक अन्य प्रकार क्लेबसिएला न्यूमोनिया परीक्षण किया गया था, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी थी। उन्होंने बताया कि मरीज का विदेश यात्रा का कोई इतिहास नहीं था। आईईडीसीआर की निदेशक तहमीना शिरीन ने पहले कहा था कि बंगलादेश में एचएमपीवी का पहली बार 2017 में पता चला था। तब से लगभग हर साल सर्दियों में इस वायरस की कथित तौर पर पहचान की गई है।

द्र कैलिफोर्निया में हवाओं ने की दावानल तेज, अग्निशमनकर्मी कर रहे मशक्कत

लॉस एंजिलिस। दक्षिणी कैलिफोर्निया में सांता एना हवाओं के चलने के कारण जंगल में लगी आग ने और विकराल रूप ले लिया है जबकि अग्निशामक दल भी जंगल की आग बुझाने के लिये प्रयासरत रहे। यूएस नेशनल वेदर सर्विस ने कहा कि बुधवार को तटीय दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया में गंभीर आग की स्थिति जारी रहेगी, लेकिन सप्ताह के अंत तक सुधार की उम्मीद है, और बुधवार स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजे तक एक भी चेतावनी जारी की। लॉस एंजिल्स क्षेत्र में भीषण जंगल की आग में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 12,300 से अधिक इमारतें नष्ट हो गईं। स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि जंगल में लगी आग के कारण कम से कम 26 लोग अभी भी लापता हैं। उनमें से 20 ईटन फायर क्षेत्र से और छह पलिसैड्स फायर क्षेत्र से हैं। कैलिफोर्निया के वानिकी और अग्नि सुरक्षा विभाग (कैल फायर) के अनुसार, ईटन और पैलिसेड्स में लगी भीषण जंगल में सुबह तक क्रमशः केवल 45 प्रतिशत और 19 प्रतिशत ही काबू पाया गया था।

पश्चिमी अफ्रीका से नाव से स्पेन जा रहे पाकिस्तान के 40 से अधिक लोग डूबे

एजेंसी

इस्लामाबाद। पश्चिमी अफ्रीका से नाव के जरिए स्पेन पहुंचने का प्रयास कर रहे पाकिस्तान के कम से कम 40 से अधिक नागरिकों के समुद्र में डूबने की आशंका है। पाकिस्तान के समाचार पत्र इंटरनेशनल द न्यूज और जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, प्रवासी अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने यह जानकारी दी। मैड्रिड और नवारा स्थित अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने कहा कि मोरक्को के अधिकारियों ने बुधवार को एक नाव से 36 लोगों को बचाया। यह नाव दो जनवरी को मॉरिटानिया से रवाना हुई थी। इसमें पाकिस्तान के 66 लोगों सहित 86 प्रवासी थे। समूह का कहना है कि उसने छह दिन पहले लापता नाव के बारे में संबंधित देशों के अधिकारियों को सूचित कर दिया था।वॉकिंग बॉर्डर्स की सीईओ हेलेना मालेनो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि डूबने वालों में से 44 लोग पाकिस्तान से थे। उन्होंने

क्रॉसिंग पर पीड़ा के 13 दिन बिताए और कोई भी उन्हें बचाने के लिए नहीं आया। वॉकिंग बॉर्डर्स के अनुसार, 2024 में स्पेन पहुंचने की कोशिश में रिकॉर्ड 10,457 प्रवासियों मौत हो गई। इनमें से अधिकांश मॉरिटानिया और सेनेगल जैसे पश्चिम अफ्रीकी देशों से कैनरी द्वीपों तक अटलांटिक मार्ग को पार करने का प्रयास करते समय मारे गए।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 80 यात्रियों को ले जा रही नाव दखला के मोरक्को बंदरगाह के पास पलट गई। पाकिस्तान ने नागरिकों की सुविधा और आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए रबात दूतावास से एक टीम दखला भेजी है। मंत्रालय में संकट प्रबंधन इकाई को सक्रिय कर दिया गया है। उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने संबंधित सरकारी एजेंसियों को प्रभावित पाकिस्तानियों को हर संभव सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नाव दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। शहबाज ने मानव तस्करी जैसे घृणित कृत्य में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राष्ट्रपति ने भी मानव तस्करी रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया है। डूबे हुए पाकिस्तान के लोगों के रिश्तेदारों ने कहा कि नाव दो जनवरी को स्पेन के लिए रवाना हुई। मानव तस्करों ने नाव को समुद्र में खड़ा कर दिया और उनसे और पैसे की मांग की। समुद्र में खोए प्रवासियों के लिए आपातकालीन फोन लाइन प्रदाता गैर सरकारी संगठन अलार्म फोन ने कहा कि उसने 12 जनवरी को स्पेन की समुद्री बचाव सेवा को सतर्क कर दिया था। स्पेन की समुद्री बचाव सेवा ने कहा कि उसके पास नाव के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

द्र कोरिया की अदालत राष्ट्रपति यून की गिरफ्तारी की करेगी समीक्षा

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया में अदालत राष्ट्रपति यून सुक-योल की गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी कानूनी टीम की ओर से दाखिल की गई याचिका की समीक्षा प्रक्रिया शुरू करेगी। यह याचिका राष्ट्रपति की गिरफ्तारी के एक दिन बाद बुधवार को दायर की गई थी।

याचिका में एक संदिग्ध, अनुचित गिरफ्तारी का दावा करते हुए अदालत से उनकी रिहाई का आदेश देने का अनुरोध करता है। स्थानीय टीवी चैनल वाईटीएन के अनुसार सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की ओर से स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजे प्रक्रिया शुरू करने की उम्मीद है।

श्री यून की टीम नेआवेदन दायर किया, जिसमें तर्क दिया गया कि उच्च रैंकिंग अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) के पास विद्रोह के आरोपों की जांच करने का अधिकार नहीं है और गिरफ्तारी वारंट सोल पश्चिमी जिला न्यायालय के बजाय सोल सेंट्रल जिला न्यायालय की ओर जारी किया जाना चाहिए था। प्रासंगिक कानूनों के अनुसार, अदालत को आवेदन प्राप्त होने के 48 घंटों के भीतर मामले की प्रक्रिया करनी होती है और प्रक्रिया समाप्त होने के 24 घंटे के भीतर यह तय करना होता है कि संदिग्ध को रिहा किया जाए या नहीं। दक्षिण कोरियाई जांचकर्ताओं ने घोषणा की कि श्री यून के लिए गिरफ्तारी वारंट निष्पादित किया गया था और महाभियोग राष्ट्रपति को बाद में पूछताछ के लिए सीआईओ को स्थानांतरित कर दिया गया था। गौरतलब है कि राष्ट्रपति यून सुक-योल को विद्रोह और मार्शल लॉ लागू करने जैसे गंभीर आरोपों के तहत 15 जनवरी 2025 को उनके सोल स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने तीन दिसंबर 2024 को अल्पकालिक 'मार्शल लॉ' घोषित किया था।

बांग्लादेश में शेख हसीना और करीबियों पर कसा शिकंजा, 11 जांच टीमों का गठन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर शिकंजा कस दिया है। देश छोड़ चुकीं हसीना और उनके करीबियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी जांच के लिए टीमों का गठन किया गया है।

बांग्लादेश के अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के परिवार के सदस्यों के अलावा एस. आलम, बेक्सिमको, बशुंधरा और समिट ग्रुप सहित 10 अन्य समूहों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए 11 जांच टीमों का गठन किया है। यह टीमें भ्रष्टाचार निरोधक आयोग की देखरेख में काम करेंगी। बांग्लादेश की वित्तीय खुफिया इकाई जांच टीमों को सहयोग करेंगी। अटॉर्नी जनरल कार्यालय इन टीमों को कानूनी सहायता प्रदान करेगा।

आयोग के जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद अख्तरुल इस्लाम के मुताबिक पुलिस आपराधिक जांच विभाग और राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड के अधिकारी भी इन जांच टीमों का हिस्सा होंगे।

आयोग ने संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात सहित विभिन्न देशों को पत्र भेजकर इन सबकी संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी है। आयोग बशुंधरा समूह के अध्यक्ष अहमद अकबर शोभन और उनके परिवार के आठ सदस्यों की विदेश में अचल और चल संपत्तियों को जब्त करने और फ्रीज करने का आदेश दे चुका है।

आयोग ने एक अदालत को इस समूह के आठ सदस्यों के लगभग 143 करोड़ रुपये के निवेश, संपत्ति खरीदने और बैंक लेनदेन के बारे में जानकारी दी है। इसके अलावा एस. आलम ग्रुप के चेयरमैन सैफुल आलम और उनके परिवार के 68 बैंक खाते फ्रीज करने का आदेश दिया गया है। इस बीच अदालत ने पूर्व भूमि मंत्री सैफुज्जमां चौधरी और उनके परिवार और अरामित समूह के देश-विदेश में 580 घरों, अपार्टमेंट, जमीन और अन्य अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया है। जांच अधिकारियों के मुताबिक, इन संपत्तियों में से 343 यूके , 228 यूएई और 9 अमेरिका में हैं।

सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर जताया असंतोष

एजेंसी

काठमांडू। सत्तारूढ़ घटक दल नेपाली कांग्रेस की तरफ से सरकार में शामिल मंत्रियों ने ही प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर असंतोष जताया है।पार्टी बैठक के दौरान इन मंत्रियों ने सरकार में काम करने में हो रही कठिनाइयों को लेकर खुल कर नाराजगी व्यक्त की है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति लगातार बढ़ रहे असंतोष के बीच नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा ने सरकार में शामिल 10 कैबिनेट और दो राज्य मंत्रियों की बैठक बुलाई थी। बैठक के दौरान पार्टी की तरफ से सरकार में शामिल मंत्रियों ने एक-एक कर कामकाज में हो रही कठिनाइयों के बारे में पार्टी अध्यक्ष को अवगत कराया। बैठक के बाद खेलकूद मंत्री तेजुलाल चौधरी ने बताया कि कांग्रेस के मंत्रियों को नीतिगत निर्णय लेने में काफी कठिनाई हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की तरफ से जिस तरह से उनकी अपनी पार्टी के

मंत्रियों को सहयोग किया जाता है उस तरह कांग्रेसी मंत्रियों के साथ व्यवहार ठीक नहीं है। इसी तरह से कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी ने बताया कि कांग्रेसी मंत्रियों के मंत्रालय के बजट में भी कटौती की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि देश में खाद की किल्लत दूर करने के लिए 600 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी पर प्रधानमंत्री के निर्देशन पर बजट में कटौती कर सिर्फ 270 करोड़ रुपये ही आवंटित किए गए। सरकार की तरफ से हाल ही में लाए गए अध्यादेश को लेकर भी कांग्रेसी मंत्रियों ने अपनी असहमति जाहिर की। इन मंत्रियों का कहना था कि कैबिनेट की बैठक में इन अध्यादेशों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्हें मीडिया से मालूम चला कि कौन-कौन सा अध्यादेश जारी किया गया है।

गाजा युद्धविराम समझौते पर बेन-गविर ने सरकार छोड़ने की धमकी दी

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के कट्टर दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गविर ने घोषणा की कि अगर नव घोषित गाजा युद्धविराम समझौते को मंजूरी मिल जाती है तो उनकी पार्टी सरकार छोड़ देगी।

श्री बेन-गविर ने अपनी पार्टी के छह मंत्रियों और सांसदों के साथ टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में क़तर द्वारा बुधवार को घोषित समझौते को हमास के सामने 'आत्मसमर्पण' बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी गाजा में लड़ाई समाप्त करने और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई का विरोध करती है और हमास के 'पराजित' होने तक सैन्य कार्रवाई जारी रखने का आह्वान करती है।

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार में एक प्रमुख साझेदार श्री बेन-गविर की धमकी ने श्री नेतन्याहू पर समझौते को अस्वीकार करने का दबाव बढ़ा दिया है। एक अन्य दक्षिणपंथी नेता बेजेलेल स्मोट्रिच ने पहले दिन में गारंटी की मांग की थी। समझौते का पहला चरण लागू होने के बाद इजराइल गाजा पर अपना हमला फिर से शुरू करेगा।

उल्लेखनीय है कि कतर के प्रानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी ने बुधवार को कहा कि कतर, मिस्र और अमेरिका की गहन मध्यस्थता के बाद इजरायल और हमास बंधकों के लिए गाजा युद्धविराम समझौते पर सहमत हुए हैं।

समझौते में प्रारंभिक 42-दिवसीय चरण शामिल है जिसके दौरान गाजा में 15 महीने से अधिक की लड़ाई रुक जाएगी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में गाजा में रखे गए 33 बंधकों को रिहा किया जाएगा।

महाकुम्भ में सन्यास ग्रहण कर इंग्लैण्ड के जैकब बन चुके हैं जय किशन सरस्वती

एजेंसी

लंदन/महाकुम्भनगर। प्रयागराज के महाकुम्भ में संगम तट पर सनातन संस्कृति की अनुपम छठा बिखरी हुई है। एक ओर साधु, संन्यासी, संत,कथावाचक ज्ञान और वैराग्य की गंगा बहा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर पीढ़ियों से सनातन पंरपरा के वाहक करोंड़ों श्रद्धालु मोक्ष की कामना से संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के कोने-कोने से आये साधु,संत और श्रद्धालु भारती की सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ सनातन आस्था की आध्यात्मिक ऊर्जा से विश्व भर का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रहे हैं, तो सानतन संस्कृति की इसी आध्यात्मिक शक्ति से अभिभूत हुए इंग्लैण्ड के रहने वाले जैकब, संन्यास ग्रहण कर अब जय किशन सरस्वती बन चुके हैं। महाकुम्भ में भारत और सनातन संस्कृति से प्रभावित होकर

फ्रांस, इंग्लैण्ड, बेल्जियम, कनाडा, इक्वाडोर और ब्रजील जाने किस-किस देश से पर्यटक प्रयागराज में संगम तट की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। उन्हीं में से एक इंग्लैण्ड के मैनचेस्टर के रहने वाले जैकब, सनातन संस्कृति और उसकी आध्यात्मिक शक्ति से इतने प्रभावित हुए कि वे पूरी तरह से उसके रंग में रंग कर संन्यास तक ग्रहण कर चुके हैं। जैकब ने बताया कि वो लगभग 10 वर्षों से भारत में ही रह रहे हैं। उन्होंने भारत में काशी, हरिद्वार,ऋषिकेष,मथुरा, वृंदावन, उज्जैन समेत पुरी जैसी धार्मिक नगरियों की यात्रा की है। प्रयागराज और यहां के महाकुम्भ में वो पहली बार आये हैं। जैकब ने बताया कि उन्होंने हरिद्वार के महाकुम्भ में जूना अखाड़े के महामण्डलेश्वर उमाकान्तानंद से दीक्षा लेकर संन्यास ग्रहण किया था। तब से वो जय किशन सरस्वती बन गये हैं। जय किशन सरस्वती ने बातचीत में बताया कि उन्होंने इंग्लैण्ड के मैनचेस्टर से बैचलर ऑफ आर्ट्स की पढ़ाई की है। उसके बाद वो इंग्लैण्ड की क्रियेटिव एजेंसी में काम करते थे। शुरू से ही वो भारत की संस्कृति और यहां की आध्यात्मिकता से प्रभावित थे। उन्होंने भागवत गीता का अध्ययन किया और हिंदी तथा संस्कृत भाषा भी सीखी। 2013 में वो काशी देखने भारत आये थे तब से कुछ साल भारत में ही जगह-जगह भ्रमण करते रहे। एक समय उनका सनातन संस्कृति के प्रति झुकाव इतना बढ़ गया कि उन्होंने स्वामी उमाकान्तानंद से दीक्षा ग्रहण कर संन्यास अपना लिया। तब से वो स्वामी उमाकान्तानंद के साथ ही प्रवास और भ्रमण करते हैं। प्रयागराज के महाकुम्भ में पहली बार उन्होंने जूना अखाड़े के साथ संगम में अमृत स्नान किया।

श्रीलंका में चीन करेगा बड़ा निवेश, रिफाइनरी निर्माण के लिए देगा 3.7 बिलियन डॉलर

एजेंसी

बीजिंग। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को चीन की चार दिवसीय राजकीय यात्रा में बड़ी कामयाबी मिली है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद श्रीलंका और चीन ने द्वपक्षीय समझातों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के अनुसार श्रीलंका चीन की 3.7 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता से हंबनटोटा क्षेत्र में 200,000 बैरल की क्षमता वाली तेल रिफाइनरी का निर्माण करेगा। दिसानायके की यात्रा का आज तीसरा दिन है। श्रीलंका के समाचार पत्र डेली मिरर और डेली न्यूज की खबर के अनुसार, चीन और श्रीलंका के ऊर्जा मंत्रालय व सिनोपेक ने इस आशय के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रिफाइनरी के उत्पादन का बड़ा हिस्सा निर्यात किया जाएगा। इससे श्रीलंका की विदेशी मुद्रा आय में

वृद्धि होगी। साथ ही इसके निर्माण से हंबनटोटा क्षेत्र में कम आय वाले समुदायों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। श्रीलंका के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश होगा। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को अपने श्रीलंकाई समकक्ष से मुलाकात के बाद कहा कि चीन श्रीलंका की आर्थिक मोर्चे पर मदद करेगा। दोनों देशों को संयुक्त रूप से उच्च गुणवत्ता वाले बेल्ट और रोड सहयोग के साथ-साथ आधुनिक कृषि, डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों को रणनीतिक दृष्टिकोण से द्विपक्षीय संबंधों पर गहरी पकड़ रखनी चाहिए और संयुक्त रूप से साझा भविष्य वाले चीन-श्रीलंका समुदाय का निर्माण करना चाहिए। शी ने कहा चीन अपनी पड़ोसी कूटनीति में श्रीलंका को प्राथमिकता के रूप में लेता है। चीन श्रीलंका की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा कि चीन हमेशा से श्रीलंका का विश्वसनीय मित्र और भागीदार है। दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका बेल्ट एंड रोड सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाइडेन ने कहा–अलविदा, मेरी बात याद रखना

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने विदाई भाषण में देशवासियों को कुलीनतंत्र के विस्तार से सावधान रहने का आह्वान किया। उन्होंने अलविदा करते हुए इस मौके पर अपने पांच दशक के राजनीतिक जीवन की उपलब्धियों को भी गिनाया। राष्ट्रपति बाइडेन ने ओवल कार्यालय से देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अति धनवानों का एक कुलीनतंत्र उभर रहा है। यह कब अनियंत्रित हो जाएं कुछ पता नहीं। यह सत्ता के भूखे लोग हैं। वह इसके लिए खतरनाक स्थिति तक जा सकते हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से लोकतांत्रिक आदर्शों और संस्थानों के संरक्षण की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि आज अमेरिका को सबसे अधिक खतरा धन, शक्ति और प्रभाव के त्रिकोणीय कुलीनतंत्र से है। यह सचमुच पूरे लोकतंत्र, बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खतरा है। बाइडेन ने कुलीनतंत्र की चर्चा में ट्रंप का नाम नहीं लिया। मगर उनकी टिप्पणी सीधे उनके भावी प्रशासन और एलन मस्क जैसे अरबपति पर थी। बाइडेन ने कहा कि अमेरिकियों को सत्ता के दुरुपयोग को बढ़ावा देने वाली गलत सूचना और दुष्प्रचार के ढेर के नीचे दफनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा उन्होंने अपने कार्यकाल में लोकतंत्र को सर्वोपरि रखा। जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में काम किया। उन्होंने कहा, इन सबके केंद्र में 50 साल रहने के बाद मैं जानता हूं कि अमेरिका के विचार में विश्वास करने का मतलब उन संस्थानों का सम्मान करना है जो एक स्वतंत्र समाज को संचालित करते हैं। बाइडेन ने सर्वोच्च न्यायालय के लिए कार्यकाल सीमा और नैतिकता में सुधार और कांग्रेस के सदस्यों को स्टॉक ट्रेडिंग से प्रतिबंधित करने का आह्वान किया। बुधवार रात अपने संबोधन से कुछ घंटे पहले बाइडेन ने यह घोषणा करके जश्न मनाया कि यह उनकी विदेश नीति की एक बड़ी उपलब्धि होगी कि इजराइल और हमास ने गाजा में संघर्ष विराम के उनके प्रस्तावित समझौते को स्वीकार कर लिया है। इस मौके पर बाइडेन ने स्वीकार किया कि उनकी कई नीतियां अमेरिकियों के साथ तालमेल बिठाने में विफल रही हैं। मगर हमने मिलकर जो कुछ किया है उसका पूरा प्रभाव महसूस करने में समय लगेगा।

दक्षिण अफ्रीका में अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए सरकार की हुई तीखी आलोचना

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की सरकार को अवैध खनन पर शिकंजा कसने पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अवैध खनन पर शिकंजा कसने के कारण सैंकड़ों भूमिगत खनिकों को भोजन और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। इस सप्ताह की शुरूआत में सोमवार से शुरू हुए बचाव अभियान के दौरान 78 शवों को अवैध खदान से निकाला जा चुका है।

जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन ने लॉन्च किया नया रॉकेट न्यू ग्लेन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की अंतरिक्ष कंपनी 'ब्लू ओरिजिन' ने फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से अपने नए रॉकेट न्यू ग्लेन को लॉन्च किया। न्यू ग्लेन ने सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर उपग्रह स्थापित किया। इस सफलता पर 'ब्लू ओरिजिन' के कर्मचारियों ने तालियां बजाईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, 'ब्लू ओरिजिन' की इस उपलब्धि के समय संयुक्त राज्य अमेरिका में अधिकांश लोग सो रहे थे। न्यू ग्लेन की सफल उड़ान निजी अंतरिक्ष कंपनियों और सरकारी एजेंसियों के लिए एक नया विकल्प बनाती है। यह संभावित रूप से एलन मस्क के स्पेसएक्स को चुनौती देगी। हालांकि रॉकेट का बूस्टर अटलांटिक महासागर में कंपनी के तैरते लॉन्चिंग पैड पर नहीं उतर सका। 'ब्लू ओरिजिन' ने इस पर कहा कि हमारा पहला उद्देश्य परीक्षण उपग्रह को कक्षा में पहुंचाना था।अमेजन के संस्थापक

जेफ बेजोस ने बड़ी धनराशि और वर्षों की मेहनत के बाद न्यू ग्लेन रॉकेट को तैयार किया है। इस रॉकेट का नाम पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले प्रथम अमेरिकी न्यू ग्लेन के नाम पर रखा गया है। दूसरे चरण में इसे बाहर की कक्षा में रहने के लिए सुरक्षित स्थिति में रखा गया। ब्लू ओरिजिन के लॉन्च कमेंटेटर एरियन कॉर्नेल ने कहा कि शानदार दिन। पहले इसका प्रक्षेपण सोमवार को किया जाना था। कुछ तकनीकी समस्या के के कारण आखिरी समय में इसे टालना पड़ गया था। इस रॉकेट का निर्माण अंतरिक्ष यान और अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा और चंद्रमा तक ले जाने के लिए किया गया है। जेफ बेजोस ने 25 साल पहले ब्लू ओरिजिन कंपनी की स्थापना की थी। यह कंपनी 2021 से अंतरिक्ष के किनारे तक यात्रियों को भेज रही है। जेफ बेजोस का नया रॉकेट न्यू ग्लेन ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड रॉकेट की तुलना में पांच गुना लंबा है। ब्लू ओरिजिन ने न्यू ग्लेन के लॉन्च साइट में एक बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। यह लॉन्चिंग पैड कंपनी के नियंत्रण केंद्रों और रॉकेट फैक्टरी से 9 मील (14 किलोमीटर) दूर नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के गेट के बाहर है। लॉन्चिंग कार्यक्रम में बेजोस ने कहा कि वह ब्लू ओरिजिन को एलन मस्क के स्पेसएक्स के साथ प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं देखते हैं। ब्लू ओरिजिन ने इस वर्ष छह से आठ न्यू ग्लेन उड़ानें शुरू करने की योजना बनाई है। कंपनी ने कहा कि अगली उड़ान इसी वसंत में शुरू होगी। बेजोस ने कहा कि यह अंतरिक्ष युग के नए चरण की शुरुआत है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पूर्वांचल के लोगों को बंगलादेशी-रोहिंग्या कह कर अपमानित कर रही भाजपाः आप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता पूर्वांचल के लोगों को कभी बंगलादेशी तो कभी रोहिंग्या कहकर अपमानित कर रहे हैं। आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक राष्ट्रीय चैनल पर पूर्वांचल के नेता को गाली दी। पूरे देश और दुनिया ने इसे सुना। भाजपा के नेता पूर्वांचल के लोगों को कभी बंगलादेशी तो कभी रोहिंग्या कहते हैं। उन्हें टीवी पर गाली देते हैं। दिल्ली के लोगों को उस गाली का बदला अपनी वोट की ताकत से लेना है।

कर्तव्य पथ पर नहीं सुनाई देगी ध्रुव हेलिकॉप्टर और तेजस विमान की गर्जना

नयी दिल्ली। इस वर्ष 76 वें गणतंत्र दिवस की परेड के अवसर पर स्वदेशी उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर ध्रुव और लड़ाकू विमान तेजस की गर्जना नहीं सुनाई देगी क्योंकि ये दोनों ही प्लेटफार्म इस बार के फ्लाई पास्ट में शामिल नहीं हो रहे हैं।वायु सेना की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर किये जाने वाले फ्लाई पास्ट के बारे में जानकारी दी गयी। इसमें कहा गया है कि देश में ही बना उन्नत हल्का हेलिकॉप्टर ध्रुव और स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस फ्लाई पास्ट में हिस्सा नहीं लेंगे।

आप सरकार के झूठे वादों से ऊब चुकी है दिल्ली की जनताः पांडा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सांसद बैजयंत जय पांडा ने आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि प्रदेश सरकार के निकम्मेपन और झूठे वादों से जनता ऊब चुकी है तथा भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। श्री पांडा ने कहा, प्रदेश सरकार ने दिल्ली में पिछले 10 सालों से विकास का कोई कार्य नहीं किया है। यहां जितने विकास कार्य हुए हैं, सभी केन्द्र की मोदी सरकार ने किया है चाहे वह, प्रगति मैदान सुरंग हो, प्रधानमंत्री संग्रहालय, कर्तव्य पथ हो या फिर ईस्टर्न वेस्टर्न पेरिफेरल हो।

भारत ने इज़रायल व हमास के बीच संघर्ष विराम के फैसले का किया स्वागत

नयी दिल्ली। भारत ने गाजा पट्टी में इज़रायल और हमास के बीच संघर्ष विराम के फैसले का स्वागत किया है और बंधकों की रिहाई एवं बातचीत शुरू होने की आशा व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा, हम गाजा में बंधकों की रिहाई और संघर्ष विराम के लिए समझौते की घोषणा का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की सुरक्षित और निरंतर आपूर्ति होगी।बयान में कहा गया,हमने लगातार सभी बंधकों को रिहा करने, संघर्ष विराम और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है।

नौकर नहीं, मालिक बनो, स्टार्टअप करोः डॉ बीरबल झा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में आज भी सैकड़ों वर्षों की गुलामी का असर व्याप्त है। कभी विश्व व्यापार में 30 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाला देश केवल नौकरी की मानसिकता के कारण ही 3 फीसदी पर सिमट गई है। स्टार्टअप दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा प्राप्त कम्युनिकेशन स्किल्स संस्थान ब्रिटिश लिंगुआ के संस्थापक डॉ. बीरबल झा ने उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही।

डॉ. बीरबल झा ने आज स्टार्टअप दिवस पर हाऊ टू स्क्रैच द इच टू लांच ए स्टार्टअप विषय पर आयोजित सेमिनार में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में अपने संबोधित करते हुए यह बात की। डॉ. झा ने कहा कि हम एक अदद नौकरी पाने के लिए सारे विश्व की खाख छानते फिरते हैं, लेकिन खुद रोजगार सृजन करने के बारे में कभी नहीं सोचते। उन्होंने उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इन्हीं कारणों से वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज के दिन स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत की थी। इस योजना

के तहत नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वालों के देश में भारत को बदलने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। झा ने कहा कि इस योजना के माध्यम से नए विचारों के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित करना है जिसके माध्यम से न केवल बेरोज़गारी की समस्या को दूर किया जा सके बल्कि देश का भी आर्थिक विकास हो सके।डॉ. बीरबल झा ने कहा कि सरकार के प्रयास के बावजूद विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला हमारा देश स्टार्टअप के मामले में विश्व में 19वें नंबर पर है। उन्होंने कहा कि यदि हम भारत के भीतर स्टार्टअप के विकास की बात करें तो इस मामले में भारत में बेंगलुरु पहले नंबर पर आता है। इसके विकास को विकेंद्रित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि बिहार जैसे आर्थिक रुप से पिछड़े राज्य को इसकी सर्वाधिक जरूरत है। उन्होंने विस्तार से इसके लिए आवश्यक तत्वों और संसाधनों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि भारत के आर्थिक विकास के लिए वह दिन सुनहरा होगा, जब सारे विश्व से लोग शिक्षा, नौकरी, स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने वैसे ही पुनः भारत आना शुरू करेंगे। उन?होंने कहा कि जैसे एक समय सारे दुनिया के छात्र शिक्षा प्राप्त करने हमारे नालंदा, विक्रमशिला और तक्षशिला के विश्वविद्यालयों में आया करते थे। वह दिन भारत के लिए स्वर्ण युग होगा जब पुनः दुनियां भर के लोग भारत में नौकरी और व्यापार करने को लालायित होंगे और विश्व व्यापार पर भारतीय उद्योगपतियों का कब्जा होगा।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति होंगे गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति नयी दिल्ली, इंडोनेशिया राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, होंगे, गणतंत्र दिवस, समारोह, मुख्य ,अतिथि, 25-26 जनवरी को भारत की यात्रा पर आएंगे और राजधानी के कर्त्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

विदेश मंत्रालय ने यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो 25-26 जनवरी के दौरान भारत की राजकीय यात्रा करेंगे। राष्ट्रपति प्रबोवो भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि भी होंगे।

राष्ट्रपति प्रबोवो के अक्टूबर 2024 में पदभार संभालने के बाद राष्ट्रपति के रूप में उनकी भारत की पहली यात्रा होगी।

भारत और इंडोनेशिया के बीच सहस्राब्दी के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। एक व्यापक रणनीतिक भागीदार के रूप में, इंडोनेशिया भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हमारे भारत-प्रशांत के

दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। राष्ट्रपति प्रबोवो की इस यात्रा से दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करने के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

मुर्मु व षण्मुगरत्नम ने संयुक्त प्रतीक चिह्न किया जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की 60 वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षण्मुगरत्नम ने यहां संयुक्त प्रतीक चिह्न जारी किया। विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा कि वर्ष 2025 भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60 वीं वर्षगांठ का वर्ष है। इस विशेष अवसर पर श्रीमती मुर्मू और सिंगापुर के राष्ट्रपति श्री षण्मुगरत्नम ने आज यहां संयुक्त प्रतीक चिह्न का अनावरण किया। संयुक्त प्रतीक चिह्न में भारतीय और सिंगापुर के राष्ट्रीय झंडे, कमल (भारत का राष्ट्रीय फूल) और आर्किड (सिंगापुर का राष्ट्रीय फूल) और 60 वीं वर्षगांठ के महत्वपूर्ण मील के पत्थर को उजागर करने वाले 60 नंबर शामिल हैं।कुल मिलाकर, यह प्रतीक चिह्न 'भारत

सिंगापुर राजनयिक संबंधों के 60 साल' प्रदर्शित करता है। यह चिह्न दोनों देशों के बीच स्थायी दोस्ती, आपसी विश्वास और साझा मूल्यों का प्रतीक है भारत-सिंगापुर सहयोग वर्षों से गहरा और विविध हुआ है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों की विशेषता राजनीतिक, रक्षा, आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करता है। हम घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध साझा करते हैं, जिन्होंने उन्नत विनिर्माण, कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा, स्थिरता और शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में हमारे विस्तृत सहयोग का एक मजबूत आधार प्रदान किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार सिंगापुर भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत के हमारे दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ है। हमारे राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के लिए कई स्मारक कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है जो भारत और सिंगापुर के द्विपक्षीय साझेदारी से जुड़े महत्व को दर्शाते हैं।

अनेकान्तवाद का प्राचीन सिद्धांत मौजूदा जटिल विश्व में वैश्विक कूटनीति के लिये एक रूपरेखाः धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारतीय दर्शन परंपरा का 'अनेकान्तवाद' का प्राचीन सिद्धांत मौजूदा जटिल विश्व में वैश्विक कूटनीति के लिये एक रूपरेखा प्रदान करता है। श्री धनखड़ ने कर्नाटक के धारवाड़ में 'सुमेरु पर्वत संरचना' का उद्घाटन करते हुये कहा कि 'भारत' एक ऐसी भूमि है जहां शाश्वत ज्ञान प्रकाशित होता है और यहीं मानवता को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि हीरे की तरह सत्य के कई पहलू हैं। अनेकांतवाद, बहु दृष्टिकोणों का भारत का प्राचीन सिद्धांत, आज की जटिल दुनिया में वैश्विक कूटनीति के लिए एक रूपरेखा देता है। अनेकान्तवाद में अभिव्यक्ति और संवाद की भावना समाहित है। मानवता की अधिकांश समस्यायें इसलिये उत्पन्न होती हैं क्योंकि अभिव्यक्ति से समझौता किया जाता

है और संवाद नकारात्मक होता है। उन्होंने कहा कि तीन रत्न, 'अहिंसा', 'अपरिग्रह' और 'अनेकान्तवाद', केवल शब्द नहीं हैं। ये जीवन के तरीके को परिभाषित करते हैं। ये ग्रह पर अस्तित्व के लिये आधार और आधार हैं। ये तीनों एक साथ वैश्विक चुनौतियों, हिंसा, अत्यधिक उपभोग और वैचारिक ध्रुवीकरण के लिये गहन समाधान प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे मठ और मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं हैं। वे सामाजिक परिवर्तन की जीवंत संस्थाएँ हैं, जो समकालीन चुनौतियों का समाधान करने के लिये प्राचीन ज्ञान को अपनाती हैं। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति के अधिकार को तभी सार्थक बना सकते हैं, जब संवाद में विश्वास किया जाये। संवाद दूसरा दृष्टिकोण प्रदान करता है। केवल अपने ही दृष्टिकोण को सही मानने का अहंकार नहीं करना चाहिये। संवाद में शामिल होकर अपने आस-पास के बुद्धिमान लोगों की सलाह पर ध्यान देना चाहिए और यही अनेकान्तवाद में कहा गया है।

दिल्ली विधानसभा चुनावः भाजपा के 22 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए आज दिल्ली भाजपा के 22 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन किया। भाजपा ने कहा कि दिल्ली की जनता वर्तमान आप-दा सरकार को पूरी तरह से नाकार रही है।

आज करावल नगर से भाजपा प्रत्याशी कपिल मिश्रा ने सांसद मनोज तिवारी की उपस्थिति में, उत्तम नगर से पवन शर्मा ने सांसद रवि किशन की उपस्थिति में, गांधीनगर से सरदार अरविंदर सिंह लवली ने दिल्ली भाजपा प्रभारी बैजयंत जय पांडा की उपस्थिति में, मॉडल टाउन से भाजपा प्रत्याशी अशोक गोयल ने राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह की उपस्थिति में, कृष्णा नगर से डॉ अनिल गोयल ने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन की उपस्थिति में, मोती नगर से हरीश खुराना एवं आरके पुरम से अनिल शर्मा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर एवं सांसद बाँसुरी स्वराज की उपस्थिति में नामांकन किया। मुस्तफाबाद से मोहन

सिंह बिष्ट ने राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी की उपस्थिति में, जनकपुरी से आशीष सूद ने सांसद रवि किशन एवं कमलजीत सहरावत की उपस्थिति में, राजौरी गार्डन से सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने और तिलक नगर से श्वेता सैनी ने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं कमलजीत सहरावत की उपस्थिति में, बादली से दीपक चौधरी और मुंडका से गजेन्द्र दराल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बाल्यान की उपस्थिति में, त्रिनगर से तिलक राम गुप्ता ने वरिष्ठ नेता सुधा गर्ग एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल की उपस्थिति में, मटियाला से संदीप सहरावत एवं पालम से कुलदीप सोलंकी ने भागीरथ चौधरी की उपस्थिति में नामांकन किया। कस्तूरबा नगर से नीरज बसोया ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र सिंह नागर की उपस्थिति में, सीमापुरी से कुमारी रिंकू ने प्रेमचंद बैरवा की उपस्थिति में, बल्लीमारान से कमल बागड़ी ने अतुल गर्ग की उपस्थिति में, पटेल नगर से राजकुमार आनंद ने और राजेन्द्र नगर से उमंग बजाज ने अर्जुन राम मेघवाल की उपस्थिति में नामांकन किया। भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन का ब्योरा देते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आज उनके सफल नामांकन एवं विजय के लिए

इसरो के लिए तीसरे उपग्रह लांच पैड को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आन्ध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधन संगठन (इसरो) के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र में 3985 करोड़ रूपये की लागत से तीसरे लॉन्च पैड की स्थापना को मंजूरी दे दी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद एक संवाददता सम्मेलन में यह जानकारी दी। तीसरी लॉन्च पैड परियोजना में इसरो के अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यानों के लिए श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश में प्रक्षेपण संबंधी बुनियादी ढ़ांचे की स्थापना और श्रीहरिकोटा में दूसरे लॉन्च पैड के लिए स्टैंडबाय लॉन्च पैड के रूप में सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की गयी है। इससे भविष्य के भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों के लिए प्रक्षेपण क्षमता में भी वृद्धि होगी। इस लांच पैड को यथासंभव सार्वभौमिक और अनुकूल विन्यास के लिए डिज़ाइन किया गया है जो न केवल एनजीएलवी बल्कि सेमीक्रायोजेनिक चरण के साथ एलवीएम3 वाहनों के साथ-साथ एनजीएलवी के बढ़े हुए विन्यास के भी अनुरूप होगा। इसे अधिकतम उद्योग भागीदारी के साथ साकार किया जाएगा। इसमें पहले के लॉन्च पैड स्थापित करने में इसरो के अनुभव का पूरा उपयोग किया जाएगा और मौजूदा लॉन्च कॉम्प्लेक्स सुविधाओं को अधिकतम साझा किया जाएगा।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAJPAL Singh Pawar S/O: Balwant Singh, R/O 489, Nimri colony Ashok Vihar Phase 4, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi-110052, declare that name of mine has been wrongly written Raj Pal Singh in my driving Licence no DL01 19840177801.The actual name of mine is RAJPAL Singh Pawar. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JYOTI KAILAS MOREY Wife of No-14651223N Rank-HAV Name-MOREY KAILAS DAMODHAR R/o VILL-DIVTHANA, PO-PETH, TEH-CHIKHLI, DIST-BULDANA, MAHARASHTRA-443201 have changed my name from JYOTI KAILAS MOREY to MOREY JYOTI KAILAS for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-16023174P Rank-NK Name-RAJESH KUMAR residing at VILL-LHAURRA, PO-KIRATPUR NIMANA, TEH-KOL, DIST-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202140, have change my father's name from KALICHARAN to KALICHARAN SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-16021792F Rank-L/HAV Name-KARMPAL residing at NANGAL-BAWLA, RANOTH, ALWAR, RAJASTHAN-301404, have change my mother's name from BIRMA DEVI to BRAHMA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SEEMA DEVI Wife of No-16021792F Rank-L/HAV Name-KARMPAL residing at NANGAL-BAWLA, RANOTH, ALWAR, RAJASTHAN-301404, have change my name from SEEMA DEVI to SEEMA for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-16023174P Rank-NK Name-RAJESH KUMAR residing at VILL-LHAURRA, PO-KIRATPUR NIMANA, TEH-KOL, DIST-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202140, have change my mother's name from VIMLESH DEVI to VIMLA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Singh S/o Veer Pal Singh R/o Quarter No 13 Type 3, Govt Press Colony, Maya Puri, South West Delhi, Delhi-110064 declare that name of my mother has been wrongly written as Pramod Kumari Singh in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my mother is Pramod Kumari.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sana D/o Nasim Ahmad R/o H.No-1037, Street No-33, Jafrabad, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 declare that name of my father has been wrongly written as Naseem Ahmed in my 10th, 12th and Diploma Educational Documents. The actual name of my father is Nasim Ahmad.

NAME CHANGE
I, SAVANT PRIYANKA RAMRAO Wife of No-13628848A Rank-NK Name-PATIL KADAM ABHIJEET KRISHNAT Residing at VILL-DANEWADI, PO-WADIRATNAGRI, TEH–PANHALA, DIST- KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416229 have changed my name from SAVANT PRIYANKA RAMRAO to PATIL KADAM PRIYANKA ABHIJEET for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-6498038W Rank-NK Name-KHARGA DHIMAL residing at VILL-TURTURI KHANDA, PO-HATIPOTHA, PS-SAMUKTALA, TEHSIL & DIST-ALIPURDUAR, WEST BENGAL-736201 have change my wife's name from PINKI DHIMAL to PINKI BHOWMICK for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-6498038W Rank-NK Name-KHARGA DHIMAL residing at VILL-TURTURI KHANDA, PO-HATIPOTHA, PS-SAMUKTALA, TEHSIL & DIST-ALIPURDUAR, WEST BENGAL-736201 have change my mother's name from BISHNUMAYA DHIMAL to BISHNUMAYA CHHETRI for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, NO-6498038W Rank-NK Name-KHARGA DHIMAL residing at VILL-TURTURI KHANDA, PO-HATIPOTHA, PS-SAMUKTALA, TEHSIL & DIST-ALIPURDUAR, WEST BENGAL-736201 have change my father's name from DIL BAHADUR DHIMAL to DILBAHADUR CHETRI for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, Kishor Badhabhai Vegada S/O Vegada Badhabhai Nagabhai, R/O P52, Second Floor, Silver Crest Villa, Sector-48, Sohna Road, Gurgaon Haryana-122001 Have Changed my name to Kishor Vegada for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Mohd Zubair S/o Nasim Ahmed R/o H.No.1037, Street No.33, Jafrabad, Seelampur, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 declare that name of my father has been wrongly written as Naseem Ahmed in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Nasim Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Rahul Singh S/o Ganga Sagar Singh R/o 230/9-F Railway Colony, Mandawali Shakar Pur, Baramad Shakarpur Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi-110092 have changed my name and shall hereafter be known as Antim Singh.

NAME CHANGE
I, Komal Rani W/o Satish kumar chaudhary R/o E1-123,2nd floor, Rohini sector -16 new delhi-110085 have changed my name from Komal Rani to Komal Chaudhary for all future purposes.

NAME CHANGE
hitherto known as Nikita D/o Ramesh Kalsan R/o AG-1/77D, Vikas puri, West Delhi, Delhi-110018 have changed my name and shall hereafter be known as Nikita Kalsan.

NAME CHANGE
I, No. 15439701M, Rank-NK Name-GOPAL SINGH R/o 331, THOK PACHHAYA, SIHORA, SIHORA, MATHURA, UTTAR PRADESH-281305, have changed my father's name from KAILASHI SINGH to KAILASHI for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEERAJ KUMAR S/O ASHOK KUMAR residence of H NO- 444/23 F BLOCK MOLARBAND EXTIN LAST 60 FEET ROAD BADARPUR DELHI-110044 have changed my name to NEERAJ SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SUNITA MAHARANA spouse of No.JC-353891N Rank-SUBEDAR Name- PURNA CHANDRA MAHARANA R/o BHANDARISAHI, PARALAKHEMUNDI, PARLAKHEMUNDI, GAJAPATI, ODISHA-761200, I have changed my name from SUNITA MAHARANA to SUNITA MOHARANA for all future purposes. Vide affidavit dated 14.01.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, No.GS-192112M Rank-ELECT Name- VIJAY KUMAR GUPTA R/o VILLAGE-POST-GAURA, GAURA, SARAN, BIHAR-841443 have changed my minor son name from AYUSH KUMAR to AAYUSH KUMAR for all future purposes. Vide affidavit dated 17.01.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMED NASEEM SON OF ABDUL MUGNI RESIDENT OF K-1723, GALI NO.9. ROAD, NO.19, SANGAM VIHAR, NEW DELHI-110080 have changed my name from MD NASEEM to MOHAMMED NASEEM for all purposes in future.

NAME CHANGE
I, No-13628848A Rank-NK Name-PATIL KADAM ABHIJEET KRISHNAT Residing at VILL-DANEWADI, PO-WADIRATNAGRI, TEH–PANHALA, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416229, have change my minor son's name from AADITYA ABHIJEET KADAM to PATIL KADAM AADITYA ABHIJEET for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Savliya alias Sawalia Ram S/O Sh Inder Singh R/O Near Ram Talabwala Mandir Sikandarpur Palwal Haryana-121102. have changed my name and shall hereafter be known as Sanwalia Ram Dager.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Mamta D/O Devender, R/O House No-D-465, Near Bahin Wali Choupal, Thok Katheria, Durgapur (76) Palwal - Haryana-121102. have changed my name and shall hereafter be known as Mamta Sansanwal.

NAME CHANGE
I, PALAK D/o ASHOK KUMAR PANDEY R/o House No-382, Sector-05, Near CGHS Hospital, Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To PALAK PANDEY For All future Purpose.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री संजीव कुमार फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या सी-85 और सी-86-ए के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 50+100 है, जिसका कुल क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है, जो खसरा संख्या 10/11, 15/1, 15/2, 16/1, 2, 3, 25, 11, 12, 19, 20, 21 और 22 से उत्पन्न होता है, जो मटियाला गांव, दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है, कॉलोनी जिसे मनसा राम पार्क के नाम से जाना जाता है, ब्लॉक-सी उत्तम नगर, नई दिल्ली, 09.01.2025 की बिक्री विलेख के आधार पर जो कि उप रजिस्ट्रार-II-बी जनकपुरी के कार्यालय में दस्तावेज संख्या 2025/25/I/884 के अनुसार, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 13606 में, पृष्ठ संख्या 111-128 पर, दिनांक 09.01.2025 को पंजीकृत है। नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में स्वर्गीय श्री वीरेंद्र कुमार का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी उपलब्ध नहीं है। हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- द्वारका, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as Komal alias Anita W/O: Sukhvir, R/O N 86/52 JHUGGI RLY LINE LAWRENCE ROAD, IND AREA, Onkar Nagar, North West Delhi, Delhi-110035, Have changed my name and shall hereafter be known as Anita.

NAME CHANGE
I, INDRA JEET SINGH S/O RAM SINGH GAUTAM R/O CRYSTAL APARTMENT, 302, SECTOR-48, FARIDABAD, HARYANA-121001 HAVE CHANGED MY NAME TO INDERJEET SINGH GAUTAM FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Chhaju Ram Sharma S/O Rati Ram R/O 5, Gali-A5, Palam Vihar Road, Ashok Vihar Phase-3, Gurgaon Haryana-122001 Have Changed my name to Chhaju Ram for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No-16021792F Rank-L/HAV Name-KARMPAL residing at NANGAL-BAWLA, RANOTH, ALWAR, RAJASTHAN-301404, have change my mother's name from BIRMA DEVI to BRAHMA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-16023174P Rank-NK Name-RAJESH KUMAR residing at VILL-LHAURRA, PO-KIRATPUR NIMANA, TEH-KOL, DIST-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202140, have change my mother's name from VIMLESH DEVI to VIMLA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sana D/o Nasim Ahmad R/o H.No-1037, Street No-33, Jafrabad, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 declare that name of my father has been wrongly written as Naseem Ahmed in my 10th, 12th and Diploma Educational Documents. The actual name of my father is Nasim Ahmad.

NAME CHANGE
I, GAYATRI SINGH THAKUR wife of Sh. M. V. Singh Thakur and Sh. M. V. Singh Thakur son of Sh. Vikram Singh both Resident of of House No. B-214 B Block DDA Flats Sector 19 Village Amberhai Dwarka New Delhi-110075 do hereby solemnly affirm and declare as under, that we do hereby declare that my son Kshitij Singh Thakur and his wife and children have disconnected and severed all their connections and disowned and debarred their son & daughter-in-law from their moveable and immoveable properties due to their bad conduct any body dealing with them shall do so at their own risk and consequences

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री धीरेंद्र सिंह, एक आवासीय प्लॉट नंबर 3, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा नंबर 336/1, ग्राम हैबतपुर, तहसील और जिला दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है को श्री बीरबल से खरीदने का इरादा रखते हैं। सम्पत्ति को मूल रूप से श्री बीरबल पुत्र श्री नानकचंद भूमिधर के रूप में खातौनी से मालिक है । यह सम्पत्ति KIFS हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित की जा रही है, जिसका शाखा नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that **Mr. Anil Kumar** is claiming to be the owner of Residential Flat No. 305 on Third Floor, Back side, built on Plot No. 4 & 5, area measuring 481.06 sq. mtrs., out of Khasra No. 15/10, situated in Unauthorized Colony, Suraj Vihar and Bajaj Enclave Extn. N.G. Road, Uttam Nagar New Delhi, vide a Conveyance Deed under PM Uday Scheme dated 04.11.2023, executed by POI through DDA, duly registered as Document No. 2023/16/1/13510. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to sell the said property to a person who intends to obtain loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said floor, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi - 15
legal@knalegal.com
PH: 011-41112527-28

सरकारी खर्च पर महाकुंभ जाएंगे हरियाणा के वरिष्ठ नागरिक

नायब सैनी ने किया 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना' का विस्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार अब मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत गरीब परिवार के बुजुर्गों को सरकारी खर्चे पर प्रयागराज स्थित महाकुंभ तीर्थ के दर्शन करवाएंगी। योजना के तहत सरकार प्रत्येक जिले से पात्र वरिष्ठ नागरिकों को महाकुम्भ तीर्थ दर्शन के लिए भेजेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्तमान सरकार के 100 दिन की उपलब्धियों को लेकर एक बैठक चंडीगढ़ में बुलाई। इसमें प्रशासनिक सचिवों की अध्यक्षता करते हुए यह घोषणा की। सरकार ने 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत' 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के पात्र बुजुर्गों को अयोध्या में रामलला के दर्शन करवाए गए हैं। इस योजना में श्री माता वैष्णो देवी और शिरडी साई तीर्थ को भी शामिल किया गया है। अब योजना का दायरा बढ़ाते हुए बुजुर्गों को अयोध्या, माता वैष्णो देवी तथा शिरडी के अतिरिक्त प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ तीर्थ के भी दर्शन भी करवाए जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने विभागों में 'सिटिजन चार्टर' पर विशेष फोकस करते हुए इसे

गंभीरता से लागू करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम अनाउंसमेंट पोर्टल को निरंतर अपडेट करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जन संवाद के माध्यम से आये सभी काम या आवेदन को अधिकारी गंभीरता से लेकर उनका समाधान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी प्रशासनिक सचिव अपने-अपने अधीन विभागों में औचक निरीक्षण करें, ताकि जनहित के कार्यों में किसी प्रकार का कोई विलम्ब न हो। उन्होंने कहा कि विभागों में पर्सनल हियरिंग से सम्बंधित सभी लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटान करना सुनिश्चित करें। साथ ही, अधिकारी अपने-अपने विभाग की 5 साल की लघु, मध्यम और दीर्घकालीन योजनाओं का टाइमलाइन तय करते हुए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करें। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश सरकार ने आढ़तिया कमीशन 46 रुपये प्रति क्विंटल को बढ़ाकर 55 रुपये प्रति क्विंटल किया गया था। जिसके तहत अब तक 309 करोड़ से अधिक की राशि आढ़तियों को जारी की जा चुकी है। इसके अलावा, बैठक में अन्य विभागों की जनकल्याणकारी निर्णयों और योजनाओं की भी जानकारी दी गई। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सभी अधिकारी संकल्प पत्र अनुसार अपने सम्बंधित विभाग में जनहित की योजनाओं की रचना करते हुए जल्द से जल्द इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

समाधान शिविरों में अधिकारी खुद करवा रहे सरकारी योजनाओं के लाभ पात्रों के कागजात पूरे

एजेंसी

नारनौल। मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में आज अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। जिला के नागरिकों ने आज कुल 14 शिकायत व समस्याएं इस शिविर में रखी। इन समाधान शिविरों के माध्यम से न केवल नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है बल्कि उन्हें सरकार की योजनाओं से भी लाभान्वित किया जा रहा है। इस प्रकार समाधान शिविर नागरिकों के लिए अपनी समस्याएं रखने का सशक्त माध्यम बने हुए हैं। एडीसी ने बताया कि जहां भी नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानियां आती हैं, वहां अधिकारी उनके कागजात पूरे करवाकर पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलवा रहे हैं। इस प्रकार समाधान शिविर आम नागरिकों की समस्याओं का तुरंत समाधान करने का एक बेहतरीन जरिया बन गए हैं। इस बैठक में नगराधीश मनजीत कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अधिकारी समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से करें निदानः एसडीएम

महेंद्रगढ़। एसडीएम संजीव कुमार ने समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी तथा अधिकारियों को इन शिकायतों के निपटारे के सख्त निर्देश दिए। एसडीएम संजीव कुमार स्थानीय लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में अधिकारियों के साथ समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन का हर संभव प्रयास रहता है कि समाधान शिविर में प्राप्त हो रही प्रत्येक शिकायत का समाधान किया जाए। सभी विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए गए है कि वे समाधान शिविर में उपस्थित रहकर शिकायतों का मौके पर निपटारा करें। एसडीएम संजीव कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार की नई पहल के तहत नागरिकों की प्रत्येक शिकायत के निदान के लिए प्रति कार्य दिवस सुबह 10 से 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। समाधान शिविर में एक छत के नीचे सभी विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई कर संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर निपटान किया जाता है। समाधान शिविर के बाद एसडीएम ने जरूरतमंद लोगों को कंबल ओढ़ाकर सभी नागरिकों से अपील की कि वे सर्दी से बचने के उपायों का पालन करें।

डाक विभाग ने चलाई विशेष योजना, 1.55 रुपये प्रतिदिन निवेश करके मिलेगा 10 लाख रुपये के बीमा का लाभ : मीणा

नूंह। भारतीय डाक विभाग की ओर से सालाना 565 रुपये में 10 लाख रुपये और 345 रुपए में 5 लाख की दुर्घटना बीमा योजना चलाई है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि भारतीय डाकघर ने अपने ग्राहकों के लिए 10 लाख रुपये की दुर्घटना बीमा की विशेष योजना निकाली है, जिसके तहत 565 रुपये प्रति वर्ष अदा कर इस योजना का लाभ उठा सकते है। इस बीमा योजना का लाभ लेने के लिए 18 से 65 वर्ष की आयु होनी चाहिए, जिसकी राशि 10 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत किसी भी प्रकार की दुर्घटना में मृत्यु होने पर 10 लाख रुपये की बीमा राशि मिलती है। इसके अलावा दुर्घटना में गंभीर घायल होने पर एक लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त में करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस बीमा योजना के तहत स्थायी विकलांगता में 10 लाख रूपये और स्थायी आंशिक विकलांगता पर प्रतिशत आधार पर, आईपीडी के तहत एक लाख रुपये, 15 दिनों तक अस्पताल के 500 रुपये प्रतिदिन तक का खर्चा, हड्डी टूटने पर एक लाख रुपये, बाल शिक्षा के तहत बीमित सदस्य की आकस्मिक मृत्यु होने पर अधिकतम दो बच्चों के लिए 50 हजार से एक लाख रुपये तक के लाभ मिलते हैं। अन्य बीमा योजना के तहत सिर्फ मौत होने पर ही बीमित व्यक्ति के परिजनों को लाभ मिलता है, लेकिन डाक विभाग की इस योजना के तहत बीमित व्यक्ति की मौत होने के अलावा गंभीर घायल होने पर भी इस योजना का लाभ मिलता है।

निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने किया मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा पुराना रेलवे रोड पर सदर बाजार के पास बनाई जा रही मल्टीलेवल पार्किंग लगभग तैयार हो चुकी है। निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने इस पार्किंग का निरीक्षण किया।

यह अत्याधुनिक पार्किंग सुविधा तीन बेसमेंट और पांच मंजिलों में बनाई गई है, जिसमें 56 दुकानें, 230 कारों और 100 से अधिक दुपहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था होगी। इस पार्किंग में तीन लिफ्ट, सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग और बेसमेंट में स्टैग पार्किंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं। निगमायुक्त ने इसे जल्द से जल्द जनता के उपयोग के लिए तैयार करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने डाकघर चौक और कमान सराय में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग स्थलों का दौरा किया। अधिकारियों को इन स्थलों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सदर बाजार का भी पैदल निरीक्षण किया।

हरियाणा में ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड का गठन

पुलिस महानिदेशक सहित 10 विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव शामिल

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों के बाद राज्य सरकार ने पहली बार ट्रांसजेंडर लोगों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार ने बोर्ड का गठन कर दिया है। प्रदेश के मुख्य सचिव ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड के अध्यक्ष होंगे, जबकि पुलिस महानिदेशक सहित 10 विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव और प्रधान सचिव स्तर के अधिकारी इसमें शामिल किए गए हैं।

सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति कल्याण एवं पिछड़ा वर्ग और अंत्योदय (सेवा) विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. जी अनुपमा ने ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। ट्रांसजेंडर लोगों के हितों के अधिकारों की रक्षा, सरकारी योजनाओं में समुचित भागीदारी, स्वास्थ्य, आवास, शिक्षा, कौशल विकास सहित कानूनी और सभी आवश्यक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना बोर्ड की जिम्मेदारी होगी। साथ ही यह बोर्ड घर, कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थानों पर ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के साथ भेदभाव न करना सुनिश्चित करेगा।

जिला प्राधिकारियों को ट्रांसजेंडर प्रमाणपत्र जारी करने की निगरानी करने के साथ ही बोर्ड सुनिश्चित करेगा कि जिला मजिस्ट्रेट ने जारी ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाणपत्र को वैध दस्तावेज के रूप में लिया जाए। सभी जिलों में अपीलीय प्राधिकारी नामित करते हुए ट्रांसजेंडर की सुरक्षा, पुनर्वास, कल्याण एवं मुख्यधारा में लाने के लिए राज्य स्तरीय नीति का निर्माण, ट्रांसजेंडर के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं की निगरानी भी बोर्ड की जिम्मेदारी होगी।

ट्रांसजेंडर लोगों से जुड़े विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव या प्रधान सचिव या फिर सचिव इस बोर्ड में सदस्य सचिव होंगे। इसके अलावा गृह, वित्त, योजना, सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, श्रम, महिला एवं बाल विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव या प्रधान सचिव स्तर के अधिकारी बोर्ड में सदस्य की भूमिका में होंगे। राज्य मानवाधिकार आयोग के सचिव को भी बोर्ड में सदस्य बनाया गया है। अध्यक्ष के अनुमोदन से सरकारी या जनप्रतिनिधि को आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश में ट्रांसजेंडर लोगों के खिलाफ अपराध के मामलों की अब त्वरित जांच होगी। इसके लिए प्रदेश सरकार ने पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल गठित करने के साथ ही सभी जिलों में जिलाधीश की अगुवाई में प्रकोष्ठ बनाने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी चुनाव की तैयारियां पूरी

एजेंसी

जींद। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव 19 जनवरी को आयोजित किए जाएंगे। इस चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपायुक्त ने चुनाव से संबंधित तैयारियों की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ एक बैठक की। उपायुक्त ने बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी विभाग अपनी-अपनी जिम्मेदारियां पूरी तत्परता और ईमानदारी से निभाएं।

प्रशासन का प्राथमिक उद्देश्य निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना है। इसके लिए मतदान केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता, पोलिंग पार्टियों की सही व्यवस्था और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जायें। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में शामिल विभिन्न विभागों को उनके कर्तव्यों के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। निर्वाचन अधिकारी एवं जिला नगर आयुक्त गुलजार मलिक और सहायक

निर्वाचन अधिकारी एवं नरवाना के उपमंडल अधिकारी को मतदान केंद्रों पर ईवीएम और अन्य चुनाव सामग्री की व्यवस्था करने, पोलिंग पार्टियों के प्रशिक्षण और पहचान पत्र जारी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दिन मतदान केंद्रों पर पार्टी की तैनाती, मतदान के बाद ईवीएम को खजाना कार्यालय के डबल लॉक में सुरक्षित जमा करनाए और बिना उपयोग की गई मशीनों को वापस लाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि चुनाव वाले दिन स्कूल खुले रहें और वहां का प्रभारी उपस्थित रहें। पंचायत विभाग को पोलिंग पार्टियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था के लिए कहा गया है। बिजली विभाग को मतदान वाले क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि मतदान केंद्रों पर सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

झज्जर जिला में दूसरा फुटवियर पार्क विकसित किया जाएगा: प्रदीप दहिया

एजेंसी

झज्जर। प्रदेश सरकार द्वारा जिले में एक और फुटवियर पार्क स्थापित करने की मांग पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए जिला प्रशासन द्वारा जमीन तलाशी जा रही है। फुटवियर पार्क बनने से रोजगार के नए अवसर खुलेंगे व क्षेत्र के विकास को नए आयाम मिलेंगे। जिला में पहले से भी एक फुटवियर पार्क चल रहा है जिसमें 350 से अधिक फुटवियर उद्योग हैं। इन उद्योगों में 2 लाख से अधिक लोग काम करते हैं। यह जानकारी उपायुक्त प्रदीप दहिया ने प्रेस वार्ता में दी।

डीसी ने कहा कि प्रदेश सरकार समाधान शिविर, जन संवाद पोर्टल व सीएम विंडो की शिकायतों को लेकर बेहद गंभीर है। जिला प्रशासन द्वारा इन पोर्टल पर आने वाले शिकायतों का तय समय में निपटारा किया जा रहा है। इसके अलावा जिले में नियमित रूप से प्रत्येक कार्य दिवस समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है व लोगों की

समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

जिला के ग्रामीण व शहरी विकास से जुड़ी योजनाओं पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा प्राथमिकता के साथ कार्य किया जा रहा है। सीएम-अनाउंसमेंट के कार्यों की फिजिबिलिटी को चेक करवाते हुए अविलंब रिपोर्ट संबंधित विभागों द्वारा भेजी जा रही है ताकि जिन कार्यों में फिजिबिलिटी है वहां यथाशीघ्र कार्य शुरु करवाया जा सके। उन्होंने बताया कि सीएम- अनाउंसमेंट के कार्यों की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सतीश कुमार व सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मनप्रीत सिंह भी उपस्थित रहे। डीसी ने कहा कि मेरी फसल, मेरा ब्यौरा पोर्टल किसानों के लिए शुरू किया गया है। इसका किसानों को काफी लाभ है। उन्होंने किसानों से इस पोर्टल पर अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मेरी फसल, मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के बाद ही किसान अनाज मंडी में अपनी फसल को बेच सकता है। डीसी ने बताया कि नए वर्ष के दौरान जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में (पीएमजेवाईःजी) के तहत 3171 मकानों का टारगेट प्राप्त हुआ है जिसका जल्द सर्वे पूरा कर दिया जाएगा और पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार तीन किस्तों में राशि आवंटित की जाएगी। एडीसी सलोनी शर्मा, डीसीपी लोगेश कुमार पी, सीटीएम परवेश कादयान, एसडीएम रविंद्र यादव, डीआरओ प्रमोद चहल व डीडीपीओ निशा तंवर भी मौजूद रही।

राज्यपाल दत्तात्रेय ने डीसीआरयूएसटी के कैलेंडर का विमोचन किया

सोनीपत। हरियाणा के राज्यपाल एवं दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने हरियाणा राजभवन, चंडीगढ़ में विश्वविद्यालय का वर्ष 2025 का कैलेंडर जारी किया। राज्यपाल दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को वर्ष 2025 के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कुलपति ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही शैक्षणिक योजनाओं एवं विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा कि डीसीआरयूएसटी राज्य का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है और सरकार इस विश्वविद्यालय के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कुलपति को विश्वविद्यालय के विकास के लिए हर संभव मार्ग दर्शन देने का आश्वासन दिया।कुलपति प्रो.सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के हरियाणा के कैलेंडर में भारतीय व अंग्रेजी माह दोनों देखने को मिलेंगे। इसके अतिरिक्त भारतीय तिथियां भी दी गई हैं। कैलेंडर में अवकाश सूची, वैकल्पिक अवकाश व विशिष्ट अवकाश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा

कि इसके अतिरिक्त कैलेंडर में विश्वविद्यालय की गतिविधियों के कुछ चित्रों का समावेश भी किया गया है। कैलेंडर के डिजाइन में विश्वविद्यालय में छात्रों के हो रहे सर्वांगीण विकास-अकादमिक, खेल कूद व सांस्कृतिक क्षेत्रों के चित्रों का समावेश किया गया।

हिट एंड रन मोटर दुर्घटना मुआवजा योजना के तहत पीड़ितों को मिलेगा आर्थिक सहयोगः उपायुक्त मीणा

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हिट एंड रन मोटर दुर्घटना मुआवजा योजना-2022 के तहत भारत सरकार की ओर से दुर्घटना का शिकार हुए व्यक्ति अथवा उसके पीड़ित परिवार को समयबद्ध आर्थिक सहयोग दिए जाने का प्रावधान किया गया है। भारत सरकार की ओर से इस प्रक्रिया के लिए पूरी सहयोग स्वरूप व्यवस्था की गई है ताकि पीड़ित परिवार को निर्धारित समयावधि में ही राहत मिल सके। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा वीरवार को सरकार की ओर से दिए जाने वाले मुआवजे को लेकर आरटीए सचिव व संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उपायुक्त ने सरकार की इस कल्याणकारी सहयोग स्वरूप योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि हिट एंड रन मोटर एक्सिडेंट केस में यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो उसके परिजनों को दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है तथा यदि इस केस में गंभीर चोट लगी है तो उस पीड़ित व्यक्ति को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहयोग राशि प्रदान की जाती है। इन दोनों ही केस में निश्चित समयावधि के साथ आर्थिक सहयोग राशि आवेदक तक पहुंच जाती है।

पीड़ित व्यक्ति या परिवार को यह आर्थिक सहयोग राशि प्राप्त करने के लिए आवेदक के रूप में जिस क्षेत्र में दुर्घटना घटी है, उस क्षेत्र के उपमंडल अधिकारी (ना.) या तहसीलदार के पास आवेदन करना होगा और उसके बाद एक माह के अंदर ही संबंधित अधिकारी द्वारा जांच रिपोर्ट उपायुक्त के समक्ष पेश करनी होगी और 15 दिन के अंतराल में उपायुक्त की ओर से सेंक्शन आर्डर मोटर व्हीकल एक्सीडेंट फंड ट्रस्ट के तहत जनरल इंश्योरेंस काउंसिल को जारी कर दिए जाएंगे, जिसके बाद 15 दिन में ही आवेदक के खाते में नियमानुसार आर्थिक सहयोग राशि पहुंच जाएगी।

उपायुक्त ने सरकार की ओर से प्रदत्त मुआवजा राशि को जरूरतमंद तक पहुंचाने में संबंधित अधिकारियों को पूरी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी रूप से पीड़ित परिवार को परेशानी न हो। इसके लिए वेबसाइट http://www.gicouncil.in/insurance-education/hit-and-run-motor-accidents के माध्यम से भी आवेदन प्रक्रिया अमल में लाई जा सकती है। उन्होंने आरटीए सचिव सहित सभी एसडीएम को सरकार की सहयोग रूवरूप पीड़ित लोगों को दी जाने वाली आर्थिक राशि के लिए प्रभावी रूप से नैतिकता के आधार पर सहयोग करने को कहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय प्रताप सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक, एसीयूटी अनिरूद्ध यादव, एसडीएम फिरोजपुर झिरका डा. चिनार चहल, एसडीएम नूंह प्रदीप अहलावत, एसडीएम पुन्हाना संजय कुमार, एसडीएम तावडू संजीव कुमार, सीटीएम अशोक कुमार व आरटीए सचिव मुनीष सहगल सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

कैथल में महिला एएसआई की महिला आयोग से गुहार,पति छोड़कर विदेश भागा, डीएसपी ने नहीं की सुनवाई

एजेंसी

कैथल। महिलाओं पर हो रहे अत्याचार सहने में महिला पुलिसकर्मी भी पीछे नहीं रहे। जिला परिषद भवन में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा पुलिस की एक महिला एएसआई भी राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया के सामने पहुंची और अपना दर्द बयान किया। शिकायतों की सुनवाई करने के दौरान रेनू भाटिया के आगे पहुंची? हरियाणा पुलिस की महिला एएसआई ने अपने अधिकारों की रक्षा करने की गुहार लगाई और कहा कि वह अपने हाथों की रक्षा करने के लिए यहां तक पहुंची है। महिला पुलिसकर्मी ने कहा कि वह अपनी आठ साल की बेटी के साथ दर-दर भटकने को मजबूर है। उसका पति दूसरी महिला से शादी कर विदेश चला गया है और वह अपनी छोटी सी बेटी के साथ अकेली रह गई है। पति की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों और पारिवारिक विवादों के चलते वह बेहद मुश्किल हालातों का सामना कर रही है।महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने अपनी समस्याएं विभाग में उठानी चाही, तो डीएसपी ने उसे धमकी दी। महिला का कहना है कि डीएसपी ने कहा कि अगर ज्यादा बोली, तो तेरी नौकरी खा जाऊंगा। थक-हारकर उसने राज्य महिला आयोग का रुख किया है। रेनू भाटिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला के पति को विदेश से डिपोर्ट करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि महिला और उसकी बेटी को न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता है।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बनचारी गांव से शुरू किया रात्रि ठहराव कार्यक्रम

एजेंसी

पलवल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने बुधवार से बनचारी गांव से रात्रि ठहराव कार्यक्रमों की शुरुआत की, जिसमें पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन ने भी प्रमुखता से हिस्सा लिया। इस दौरान करीब 90 शिकायतें प्रस्तुत की गई, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत शिकायतों का मौके पर ही निवारण किया गया।

उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह बेहतरीन व्यवस्था की है, जिसके तहत पुलिस व प्रशासन के साथ विभागीय अधिकारी-कर्मचारी स्वयं ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए आये हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार लोगों के घर द्वार पर जाकर ही उनकी समस्याओं की सुनवाई कर समाधान करवाया जा रहा है। ग्रामीणों को इसका पूर्ण लाभ उठाना चाहिए। रात्रि ठहराव से जमीनी स्तर पर समस्याओं की जानकारी व वास्तविक स्थिति का पता चलता है। इससे ग्रामीणों व अधिकारियों के बीच की दूरी खत्म होगी। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के साथ उन्हें सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। ग्रामीणों को विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाना चाहिए।

गैरहाजिर अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए निर्देशरात्रि ठहराव कार्यक्रम में नदारद रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कड़ा संज्ञान लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये जायें। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में सभी अधिकारी हिस्सा लेकर प्रमुखता से ग्रामीणों की समस्याओं का निपटारा करें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए समाधान के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सरपंच सीताराम ने अधिकारियों के साथ गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला परिषद के सीईओ जितेंद्र कुमार, एसडीएम रणवीर सिंह, नगराधीश अप्रतिम सिंह, शुगर मिल के एमडी विकास यादव, डीएसपी कुलदीप सिंह, डीडीपीओ उपमा अरोड़ा आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

बेरोजगारों को स्वरोजगार का अधिक से अधिक प्रशिक्षण दें रूडसेटः हितेश कुमार मीणा

गुरुग्राम । ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (रूडसेट) की जिला स्तरीय रूडसेटी परामर्श समिति की 139वीं बैठक एडीसी हितेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। एडीसी ने विकास सदन में आयोजित उपरोक्त बैठक की अध्यक्षता करते हुए युवाओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में प्रशिक्षित करने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने संस्थान प्रबंधन को निर्देश दिए कि वह पात्र युवाओं को समय पर सभी प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी उपलब्ध कराए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को इसका लाभ मिल सके। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि रूडसेट स्वरोजगार के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ने के लिए एक अग्रणी और प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। संस्थान द्वारा विभिन्न ट्रेडों में निशुल्क रोजगार संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसका लाभ युवा वर्ग को उठाना चाहिए। एडीसी ने बैठक में उपस्थित एलडीएम को निर्देश दिए कि वे प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण प्रदान करने में उदारता और सरलता बरतें। इसके साथ ही, उन्होंने विभागीय अधिकारियों से भी सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत आमजन को मार्किट की डिमांड के अनुरूप प्रशिक्षण कोर्सिज करवाए जाते हैं, ऐसे में जरूरी है कि लोगों तक ना केवल इन कोर्सिज के बारे में जानकारी पहुंचाई जाए, बल्कि जो लोग ये कोर्स करके इन क्षेत्रों में सफल उद्यमी बनकर उभरे हैं उनकी सफलता की कहानी भी लोगों से सांझा की जाए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी जल्द ही ऐसे सफल उद्यमियों के यहां विजिट कर उनके अनुभवों की जानकारी प्राप्त करेंगे। बैठक में रूडसेट संस्थान गुरुग्राम के निदेशक निर्मल यादव ने बताया कि मौजूदा वित्त वर्ष में अभी तक कुल 27 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 778 लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही में 74 उद्यमी जागरुकता व छह सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस अवधि में 10 कार्यक्रम के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को प्रशिक्षित कर 562 का स्वरोजगार स्थापित करवाया गया है।

महाकुंभ में कार्डबोर्ड पैकेजिंग बॉक्स के पोर्टेबल बिस्तर

एजेंसी

बेंगलुरु। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन इंडिया महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही पुलिसकर्मियों और अस्पताल को भी उपलब्ध कराये जायेंगे। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि महाकुंभ के दौरान आरामदायक विश्राम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, अमेजन इंडिया ने एक अनोखी पहल शुरू की है, जिसके तहत वे अपनी सिग्नेचर कार्डबोर्ड पैकेजिंग बॉक्स को पोर्टेबल बिस्तरों में बदलेंगे, जिसका उद्देश्य उपस्थितों को आरामदायक नींद प्रदान करना है। ये बिस्तर उपस्थितों को मुफ्त में उपलब्ध होंगे। अमेजन ने महाकुंभ प्राधिकरण के साथ मिलकर इस मेले के मैदानों में उन प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है, जहां ये अमेजन के बिस्तर अत्यंत आवश्यक आराम प्रदान करेंगे। इन बिस्तरों का एक बड़ा हिस्सा लॉस्ट एंड फाउंड केंद्र को आवंटित किया जाएगा, जहां ये संकट में फंसे लोगों की सहायता करेंगे, जबकि कुछ बिस्तर सामान्य जनता के लिए उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, कुछ बिस्तर कुंभ पुलिस कर्मचारियों और कुंभ अस्पताल को भी प्रदान किए जाएंगे। इसका उद्देश्य है कि ये बिस्तर विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करें और मेले में उपस्थित अधिकतम लोगों के लिए उपलब्ध हों।

दुनिया का पहला कोल्ड-सेंसिटिव कलर-चेंजिंग स्मार्टफोन लॉंच

नयी दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी रियलमी ने भारतीय बाजार में दुनिया का पहला कोल्ड-सेंसिटिव कलर-चेंजिंग फोन रियलमी 14 प्रो सीरीज 5 जी लॉंच करने की घोषणा की जिसकी शुरूआती कीमत 22999 रुपये है। कंपनी ने यहां कहा कि इसके साथ ही रियलमी बड्स वायरलेस 5 एएनसी भी लॉंच किया गया है जिसकी कीमत 1599 रुपये है। रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी को डेनिश डिजाइन स्टूडियो वैल्यूर डिजाइनर्स के साथ मिलकर बनाया गया है। कंपनी ने कहा कि दोनों मॉडल 16 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान के संपर्क में आने पर रंग बदलते हैं, सफेद से जीवंत नीले रंग में परिवर्तित हो जाते हैं। यह अनूठी विशेषता पर्यावरण के तापमान के फिर से बढ़ने पर वापस आ जाती है। ब्रांड अपने सेगमेंट में पहला वेगान लेदर भी पेश करता है, जो त्वचा के अनुकूल स्पर्श और एक ठोस लेकिन आरामदायक बनावट प्रदान करता है। रियलमी 14 प्रो सीरीज 5 जी स्नैपड्रैगन 7 एस जेन थ्री 3 द्वारा संचालित है। कंपनी ने कहा कि रियलमी 14 प्रो प्लस 5 जी के तीन मॉडल 8 जीबी रैम और 128 रॉम की कीमत 27999 रुपये, आठ जी बी रैम और 256 जीबी रॉम की कीमत 29999 रुपये और 12 जीबी रैम और 256 जीबी रॉम की कीमत 30999 रुपये है। रियलमी 14 प्रो 5जी के दो मॉडल है। इसमें आठ जीबी रैम और 128 जीबी रॉम की कीमत 22999 रुपये तथा 8 जीबी रैम और 256 जीबी रॉम की कीमत 24999 रुपये है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ रहने के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.01 प्रतिशत बढ़कर 80.05 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82.00 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली । विदेशी बाजारों में आई गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव जबकि दालों का रुझान मिश्रित रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में फरवरी का पाम ऑयल वायदा 40 रिंगिट गिरकर 4472 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह फरवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.22 सेंट फिसलकर 46.05 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल, और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। मसूर दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल महंगी जबकि अरहर दाल 500 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, चना, दाल चना, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

गोयल ने स्टार्टअप इंडिया के 9वें स्थापना दिवस पर प्रभाव फैक्टबुक, भारत स्टार्टअप चैलेंज लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल?ली में स्टार्टअप इंडिया के 9वें स्थापना दिवस पर प्रभाव फैक्टबुक, भारत स्टार्टअप चैलेंज लॉन्च किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया मिशन की सफलता का श्रेय भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा संचालित और भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित स्टार्टअप के लिए फंड ऑफ फंड्स (एफएफएस) जैसे वित्तपोषण साधनों को दिया जाना चाहिए। पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में स्टार्टअप इंडिया के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना विशेष रूप से टियर-II और टियर-III शहरों में स्टार्टअप

को समर्थन देने के लिए निजी पूंजी जुटाने के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण की तरह काम करती है, जिससे स्टार्टअप को अपने परिचालन को बढ़ाने और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने में सशक्त बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और अधिक निजी फंडिंग के साथ स्टार्टअप आंदोलन को गति मिलेगी। वाणिज्य मंत्री ने स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में उद्यमियों के लिए भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज स्टार्टअप और इनोवेटर्स को 20 बड़ी कंपनियों के साथ मिलकर अक्षय ऊर्जा, एग्रीटेक, हेल्थकेयर, रोबोटिक्स, क्लीनटेक, ब्लॉकचेन, सेमीकंडक्टर, सोशल कॉमर्स आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों का समाधान करने का अवसर देगा।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी के बढ़े भाव

एजेंसी

नई दिल्ली। एक दिन की मामूली गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये से लेकर 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये से लेकर 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10

गोदरेज कैपिटल ने राजस्थान में 70 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हासिल की

एजेंसी

जयपुर। गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह की वित्तीय सेवा इकाई गोदरेज कैपिटल ने राजस्थान में 70 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है। इसके साथ ही राज्य में कंपनी के कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का मूल्य 270 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। जयपुर ने इसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो कुल एयूएम का 80 प्रतिशत है।

कंपनी ने जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और अलवर में अपने कार्यालय स्थापित किए हैं और अब राजस्थान में 17 स्थानों पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। वर्तमान में कंपनी राज्य में लगभग 1,000 ग्राहकों को सेवाएं दे रही है और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) ऋण में अग्रणी फाइनेंस कंपनी के रूप में उभरी है।

गोदरेज कैपिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ मनीष शाह ने गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जयपुर हमारे राजस्थान पोर्टफोलियो का एक अहम हिस्सा है। हम टैक्सटाइल्स, मैन्यूफैक्चरिंग, सिरेमिक और एग्रो प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में एमएसएमई के विकास को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी इनोवेटिव ऋण योजनाएं

व्यवसायों को कुशलता से नकदी प्रवाह प्रबंधित करने में मदद कर रही हैं। गोदरेज कैपिटल ने पिछले साल राजस्थान में 150 से अधिक चैनल पार्टनर्स के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत किया है। हाल ही में लॉन्च किए गए फ्लेक्सी फंड और ओवरड्राफ्ट जैसी सुविधाओं ने व्यवसायों को वित्तीय स्थिरता प्रदान की है। जयपुर में कंपनी के ग्राहकों की संख्या बढ़कर 700 हो गई है, जो एमएसएमई समुदाय में गोदरेज कैपिटल की विश्वसनीयता को दर्शाती है। गोदरेज कैपिटल जल्द ही सप्लाई चेन फाइनेंस शुरू करने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और एमएसएमई को सशक्त बनाना है। 2026 तक कंपनी की 30 हजार करोड़ रुपये की बैलेंस शीट हासिल करने की योजना है, जिसमें राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कैंपेन सोच करो बुलंद अपने ब्राण्ड को दी नई पहचान

एजेंसी

जयपुर। जेके लक्ष्मी सीमेंट ने अपने नए कैंपेन 'सोच करो बुलंद' के साथ ब्राण्ड की नई पहचान का अनावरण किया है। यह कैंपेन अपने घर के सपने से जुड़े सांस्कृतिक एवं भावनात्मक महत्व तथा साहसिक महत्वाकांक्षाओं को प्रेरित करने के जेके सीमेंट के दृष्टिकोण पर रोशनी डालता है। इस नई पहचान के साथ कंपनी अपने उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तत्पर है। यह कदम ऐसे स्थानों के निर्माण में भरोसेमंद पार्टनर बनने की कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है जहां सपने वास्तविकता में बदल जाते हैं।

विनिता सिंघानिया, चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कहा, ''कई पीढ़ियों से जेके लक्ष्मी सीमेंट निर्माण सामग्री के दायरे से बढ़कर उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं प्रदान करता रहा है; यह लोगों के घर बनाने, उनके सपने संजोने और विरासत को आगे बढ़ाने में पार्टनर की भूमिका निभाता रहा है। ऐसे में यह रीपॉज़िशनिंग न सिर्फ हमारी छवि में बदलाव लाएगी बल्कि हमारे उपभोक्ताओं एवं हितधारकों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने की

हमारी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करती है। अरूण शुक्ला, प्रेज़ीडेन्ट एवं डायरेक्टर, जेके सीमेंट ने कहा, ''हमारा कैंपेन 'सोच करो बुलंद' महत्वाकांक्षाओं और भरोसे के निर्माण के हमारे दृष्टिकोण का प्रतीक है। इस रीपॉज़िशनिंग के साथ हमने उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने, इनोवेशन् एवं सस्टेनेबिलिटी के संयोजन के द्वारा उपभोक्ता उन्मुख समाधान उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। आने वाले समय में हम न सिर्फ इमारतों बल्कि स्थायी विरासत के निर्माण में भी योगदान देते रहेंगे।' जेके लक्ष्मी सीमेंट की नई पहचान स्थायी विकास और उपभोक्ताओं के संतोष पर कंपनी के फोकस की पुष्टि करती है, जिसने 2030 तक 30 मिलियन मीट्रिक टन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। यह रीपॉज़िशनिंग सस्टेनेबिलिटी के लिए प्रतिबद्धता के साथ इस बात पर रोशनी डालती है कि कंपनी पर्यावरण एवं भावी पीढ़ियों के लिए ज़िम्मेदारी के साथ काम कर रही है।

डॉलर के मुकाबले 19 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स की कमजोरी के बावजूद अमेरिकी 10 ईयर ट्रेजरी यील्ड में आए उछाल और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी की वजह से रुपया आज 19 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके पहले बुधवार को रुपये ने डॉलर की तुलना में 86.36 के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। आज भारतीय मुद्रा 19 पैसे टूट कर 86.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई। मार्केट एक्सपर्ट सर्वेश्वर दयाल सिन्हा के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और इंपॉर्टर्स द्वारा डॉलर की मांग बढ़ा दिए जाने के कारण आज रुपये पर दबाव बन गया। राहत की बात यह रही कि डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी और वैश्विक स्तर पर इक्विटी मार्केट में बने पॉजिटिव माहौल के कारण रुपये की गिरावट सीमित दायरे में बनी रही। आपको बता दें कि अमेरिकी कोर कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के उम्मीद से कम हो जाने की वजह से डॉलर इंडेक्स कमजोर हुआ है। हालांकि सर्वेश्वर दयाल सिन्हा का कहना है कि आने वाले दिनों में

कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी रहने की उम्मीद है, जिसकी वजह से डॉलर की मांग बढ़ सकती है। अगर ऐसा हुआ तो रुपये की कीमत में और गिरावट आ सकती है। इसके साथ ही अगले सप्ताह डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद डॉलर इंडेक्स में और तेजी आने की संभावना भी जताई जा रही है, जिसका सीधा असर दुनिया की दूसरी मुद्राओं पर पड़ेगा। इस तरह डॉलर की तुलना में रुपये की कमजोरी भी बढ़ सकती है।

मप्र को शहडोल कॉन्क्लेव में मिले 32,520 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 30 हजार से अधिक को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

भोपाल। शहडोल में प्रदेश की सातवीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई, जिसमें 32 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे 30 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। कॉन्क्लेव में 18 हजार करोड़ लागत और 1600 मेगावॉट क्षमता के थर्मल प्लांट के लिए अनुबंध हुआ। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने यहां 15 उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा की। उन्होंने बताया कि यहां 102 इकाइयों को 402 हेक्टेयर जमीन दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उद्यमशीलता के माध्यम से हम भारत को एक बार फिर सोने की चिड़िया बनाएंगे। वर्ष 2014 में जब मोदी की सरकार बनी थी, भारत की अर्थव्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौतियां थीं। भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। हमने अपनी आंतरिक शक्तियों, अनंत

संभावनाओं को पहचाना और आज हम आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मध्य प्रदेश में भी तेज गति से विकास हो रहा है। हमारा मध्य प्रदेश नौ करोड़ का परिवार है और आने वाले पांच वर्षों में हम अपनी जीडीपी को दोगुना करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगपति हमारी सर्वे भवंतु सुखिनः की सनातन संस्कृति को चरितार्थ करते हैं। एक योद्धा जिस प्रकार युद्ध में देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर देता है उसी प्रकार एक उद्यमी कई परिवारों का भला करता है। यदि हम सभी अपनी-अपनी भूमिका को ठीक ढंग से निभाएं तो सभी का कल्याण होगा और देश तरक्की करेगा। अपने लिए जिए तो क्या जिए, हमें सभी के कल्याण के लिए जीना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरलता, सुगमता के साथ व्यापार, व्यवसाय हमारी औद्योगिक नीति है। राज्य में उद्योगों के अनुकूल वातावरण है। हम उद्योगों को सहकार, सहयोग और सम्मान देते हैं। राज्य में औद्योगिक श्रमिकों की कोई परेशानी नहीं है। पर्यटन, आईटी सेक्टर और रेडीमेड गारमेंट्स आदि क्षेत्रों में उद्योगों को विशेष इंसेन्टिव दिए जाते हैं। रेडीमेड गारमेंट्स में 200 प्रतिशत तक मदद दी जाती है और 10 वर्ष तक 5 हजार रुपये प्रति मजदूर इंसेन्टिव भी दिया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक युवा को उसकी योग्यता और दक्षता के अनुरूप रोजगार मिलेगा। मध्यप्रदेश में पिछले कुछ समय में छह रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव आयोजित किये गए हैं, जिनमें 04 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है और इनसे तीन लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

फिक्की ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.4 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। इससे पहले उद्योग मंडल ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सात फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया था।

फिक्की की ओर से जारी आर्थिक परिदृश्य सर्वेक्षण के ताजा अनुमान के अनुसार संशोधित अनुमान व्यापक अपेक्षाओं के अनुरूप है। फिक्की के आर्थिक परिदृश्य सर्वेक्षण के नवीनतम दौर में चालू वित?त वर्ष 2024-25 के लिए 6.4 फीसदी की वार्षिक औसत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वर्तमान सर्वेक्षण में पूर्वानुमान पिछले वर्ष सितंबर के महीने में आयोजित पिछले दौर में 2024-25 के लिए लगाए गए 7.0 फीसदी अनुमान से कम है। उद्योग मंडल ने कृषि क्षेत्र,

संबद्ध गतिविधियों सहित वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जारी अनुमान में 3.6 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है। दूसरी ओर उद्योग और सेवा क्षेत्रों में वित?त वर्ष 2024-25 में क्रमशः 6.3 फीसदी और 7.3 फीसदी की वृद्धि का अनुमान जताया है। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुधार, त्योहारी मांग और मानसून के बाद औद्योगिक गतिविधि के सामान्य होने से चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एक फरवरी, 2025 को पेश होने वाला 2025-26 का केंद्रीय बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और धीमी होती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। इसे देखते हुए आगामी केंद्रीय बजट में सरकार की नीति को आकार दे सकती हैं। दरअसल, फिक्की का ताजा अनुमान वित?त वर्ष 2023-24 में दर्ज वृद्धि दर की तुलना में काफी कम है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी के अपने पहले अग्रिम अनुमान में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है, जो आरबीआई के 6.6 के अनुमान से कम है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी।

निर्मला सीतारमण ने सिंगापुर के राष्ट्रपति से की मुलाकात, कई मुद्दों पर बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं में अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। इस अवसर पर सिंगापुर के परिवहन और वित्त मंत्री ची. होंग टाट भी मौजूद रहे। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की, जिसमें फिनटेक, डिजिटल प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया। दोनों पक्षों ने आने वाले दशकों में व्यापार और निवेश संबंधों के विस्तार में विश्वास व्यक्त किया।

इस मुलाकात के बाद निर्मला सीतारमण ने कहा सिंगापुर गणराज्य

के महामहिम राष्ट्रपति राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम से मिलकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत, सिंगापुर के साथ अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को महत्व देता है। राष्ट्रपति की ये यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी, जो इसकी 60वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। राष्ट्रपति के साथ वित्त मंत्री और परिवहन मंत्री ची. होंग टाट भी मौजूद रहे।

चार्ली डीन डब्ल्यूपीएल 2025 में आरसीबी टीम के लिए खेलेंगी

नई दिल्ली। जनवरी (वार्ता) रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए चोटिल सोफी मोलिनक्स की जगह इंग्लैंड की ऑलराउंडर चार्ली डीन को टीम में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट से परेशान है। उनके घुटने की सर्जरी होने के कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज से भी बाहर हो गई हैं। डीन को पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर में डब्ल्यूबीबीएल के दौरान घुटने में चोट लग गयी थी। जिसके कारण मोलिनक्स लगातार परेशानी से जूझ रही थी। वह मेलबर्न रेनेगेड्स की कप्तान होने के बावजूद 11 में से चार मैच नहीं खेली पायी। डीन ने इंग्लैंड के लिए खेले 36 टी-20 में 18.19 की शानदार औसत से 46 विकेट चटकाये हैं। आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मोलिनक्स के न खेल पाने की वजह से उनका डब्ल्यूपीएल में पर्दापण होगा। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूपीएल आगामी सात फरवरी से शुरु होगा।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 4.54 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। राहत की बात यह रही कि बिकवाली का दबाव बनने पर भी सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसई, एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, हेल्थ केयर और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी, एफएमसीजी, टेक और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 428.85 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 424.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.54 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,778 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,188 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 101 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,511 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,891 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 620 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 595.42 अंक उछल कर 77,319.50 के अंक के स्तर पर खुला। कारोबार शुरू होने के बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा।

बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 76,895.51 अंक तक गिर गया। राहत की बात यह रही कि बिकवाली के दबाव के बावजूद बाजार में खरीदारी भी लगातार होती रही, जिसके कारण ये सूचकांक लगातार हरे निशान में बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 318.74 अंक की बढ़त के साथ 77,042.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 164.05 अंक की तेजी के साथ 23,377.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

तौलिए को कितने दिनों पर साफ करना चाहिए या नहीं करना चाहिए, इसे कहां सुखाना चाहिए, जानिए विज्ञान की बात

नहाने के बाद हर कोई तौलिया का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन अधिकांश लोग इसे साफ नहीं करते. यदि आप भी इनमें से एक हैं तो सतर्क हो जाएं. क्योंकि इससे भयंकर बीमारी हो सकती है.

आप हर रोज नहाते हैं और नहाने के बाद तौलिए का भी इस्तेमाल करते हैं. लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आप खुद तो साफ हो जाते हैं लेकिन तोलिया आपका गंदा ही रह जाता है. ऐसे में आपके मन में यह सवाल भी जरूर होगी कि तौलिया कब और कैसे धोने चाहिए और इन्हें कितनी बार धूप में सुखाना चाहिए या कहां सुखाना चाहिए. चूंकि तौलिए को अक्सर हम घर के अंदर ही सुखाते हैं, खासकर शहरी घरों में, ऐसे में लगता है कि तौलिया तो साफ ही रहता है. लेकिन आपको जानना चाहिए कि तौलिया वह चीज है जो करोड़ों सूक्ष्मजीवों के लिए प्रजनन स्थल बन जाती हैं. तौलिया के फुल-फुलाए फाइबर बहुत साफ़ लग सकते हैं और इन पर गंदगी के कोई संकेत नहीं दिखते, लेकिन इन तौलियों में करोड़ों बैक्टीरिया होते हैं जो स्किन से लेकर आंतों तक को घायल कर देते हैं. ऐसे में आपको जानना चाहिए कि तौलिए को कितनी बार साफ करना चाहिए या कहां सुखाना चाहिए.

तौलिया कितनी बार धोना चाहिए

टीओआई ने रिसर्च के हवाले से बताया है कि तौलिए को 3 से 4 यूज करने के बाद अवश्य धोना चाहिए. इसका मतलब है कि एक सप्ताह में आपको 2 या 3 बार धोना चाहिए. दरअसल, जब आप तौलिए से शरीर को साफ करते हैं तो तौलिए में आपके स्किन से मृत कोशिकाओं भी आ जाती है. जब आप तौलिए को साफ नहीं करेंगे ये कोशिकाएं समय के साथ एलर्जी संक्रमण का कारण बन सकती हैं. इसलिए सुनिश्चित करें कि इन्हें सूरज में या हवा में कुछ घंटे सुखाया जाए, इससे पहले कि आप इन्हें पुनः उपयोग करें. वहीं हाथ तौलिया को रोज़ धोना आवश्यक होता है क्योंकि आप इसे दिन में कई बार इस्तेमाल करते हैं. इस कारण इसमें बार-बार सूक्ष्मजीव चिपक जाएंगे जो कई तरह के इंफेक्शन का कारण बनेंगे. जिस तौलिए से आप चेहरा साफ करते हैं, उस तौलिए को और भी अधिक बार साफ करना चाहिए. इन सबका मतलब यह हुआ कि तौलिए में अंसख्य बैक्टीरिया या फंगस चिपकते रहते हैं, इसलिए यह जितनी ज्यादा गंदी हो रही, उसी हिसाब से इसे साफ करना चाहिए.

तौलिए को कहां सुखाए

आमतौर पर तौलिए को हम घर के किसी कोने में सुखाते हैं. खासकर शहरी क्षेत्रों में ऐसा बहुत होता है क्योंकि यहां बाहर लोगों के पास जगह नहीं होती. लेकिन यह तरीका गलत है क्योंकि अगर तौलिए में धूप नहीं लगेगी तो इसमें मौजूद बैक्टीरिया नहीं मरेंगे. घर के अंदर तौलिए में हमेशा नमी बनी रहेगी. इसलिए हर हाल में तौलिए को धूप में सुखाएं.

तौलिया कैसे साफ करें

तौलिए को साफ करने के लिए गुनगुने या गर्म पानी के साथ अच्छे डिटर्जेंट का उपयोग करें. फैब्रिक सॉफ़्टनर्स से बचें क्योंकि ये समय के साथ तौलिये की अवशोषण क्षमता को कम कर सकते हैं. यदि तौलिये में फफूंदी की बदबू आ जाए, तो उन्हें सफेद सिरका या बेकिंग सोडा से धोएं. तौलियों को साफ रखना स्वच्छता बनाए रखने और उनकी उम्र बढ़ाने में मदद करता है. तौलिए को बाथरूम में कभी भी न सुखाएं. बाथरूम के टॉयलेट से इसमें बैक्टीरिया चले जाएंगे. जापान के टोकुशिमा विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि जिस बाल्टी के पानी से आप नहाते हैं .

अब क्या चुनाव ही खतरे में है

इसका असर निश्चित रूप से हमारे शेयर बाजारों के साथ रुपए का मोल गिरने पर पड़ा है और दुनिया भर में पेट्रोलियम की कीमतों में अचानक और अकारण से उछल पड़ा है। अमेरिकी डालर का मूल्य अमेरिका में भी बढ़ा है क्योंकि उसमें निवेश में कमाई के नतीजे बेहतर होने की रिपोर्ट आई है। वहां भी लगभग एक फीसदी गिरा है और इसका असर वैश्विक है।हैरानी की बात नहीं है कि दिल्ली चुनाव के सिलसिले में कम से कम एक बात पर सभी सहमत होंगे। वह यह कि भाजपा, इस चुनाव को जीतने के लिए सचमुच कोई कसर नहीं छोड़ने वाली है। मोदी-शाह की भाजपा के संबंध में यह कथन एक तरह से रूढ़ हो चुका है। अक्सर इससे अर्थ यह लगाया जाता है कि वर्तमान सत्ताधारी पार्टी हरेक चुनाव, छोटे से छोटा चुनाव भी, अपनी पूरी ताकत झोंक कर लड़ती है। इसे मोदी-शाह की भाजपा की एक महत्वपूर्ण विशेषता ही माना जाने लगा है, जो उसे अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर जबर्दस्त बढ़त दिला देती है। इस सिलसिले में, जाहिर है कि उसके घनघोर साधनों तथा मुख्यधारा के मीडिया पर लगभग पूर्ण नियंत्रण की मदद से, इस %%कोई कसर नहीं छोड़ने%% के हिस्से के तौर पर कई ऐसी चीजों को सामान्य बनाकर स्वीकार्य बना दिया जाता है, जिन पर मोदी-पूर्व भारत में किसी न किसी हद तक सवाल जरूर उठते थे।

इनमें एक है चुनाव में संसाधनों का इस तरह झोंका जाना, जिसके सामने चुनाव कानून के अंतर्गत देश में लगी चुनाव खर्च की सीमाएं और उससे संबंधित चुनाव आयोग की सारी कसरतें, एक मजाक ही नजर आने लगी हैं बल्कि मजाक कहलाने भी लगी हैं। चुनावी बांड की व्यवस्था ने, जिसे अब सुप्रीम कोर्ट ने अवैध करार देकर बंद करा दिया है, चुनावी चंदे के प्रवाह को पूरी तरह से इकतरफा सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में मोड़ने के जरिए, इस मजाक को और बहुत ऊपर उठा दिया। अब शायद ही कोई इसकी याद दिलाने की जेहमत उठाता होगा कि खर्च की इन सीमाओं का मकसद, चुनाव में धनबल के खेल पर अंकुश लगाना तो था ही, चुनाव के लिए मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के लिए एक हद तक बराबरी का मैदान मुहैया कराना भी था।एक और चीज जिसे नये-नये चाणक्यों को अधिष्ठित करने के जरिए सामान्य और इस तरह स्वीकार्य बना दिया गया है, चुनाव का राजनीति और विचारधारा से ऊपर उठा दिया जाना है, जहां जीत के लिए कोई भी पैंतरा, कोई भी तिकड़म जायज है। चुनाव से ऐन पहले दल-बदल से लेकर, निहायत नंगई से जातिवादी गोटियां बैठाए जाने तक, सभी कुछ इसमें आ जाता है। कहने की जरूरत नहीं होनी चाहिए, हालांकि इसकी याद दिलाने की आज बहुत जरूरत है कि इस सब को सामान्य बनाए जाने, जनता की इच्छा की अभिव्यक्ति के रूप में हमारे चुनाव के जनतांत्रिक सार को, पहले ही काफी खोखला कर दिया था।बहरहाल, मोदी-शाह की भाजपा इतने पर भी नहीं रुकी है। चुनाव आयोग को अपनी मुट्ठी में करने के बाद, पिछले अनेक वर्षों में उसने चुनावी नियम-कायदों के हिसाब से जो कुछ अवैध था, उसका भी सहारा लेने का सामान्य बनाना शुरू कर दिया। बेशक, इसकी शुरूआत अपेक्षाकृत छोटी चीजों से हुई। जैसे चरणवार चुनाव में चुनाव प्रचार की खामोशी के दिनों में, संबंधित क्षेत्र के ऐन बगल के क्षेत्र में जाकर, प्रचार करना और उसका मीडिया के जरिए, खामोशी के इलाकों समेत हर जगह प्रचार कराना; मतदान करने के लिए जाने को रैली में बदल देना; मतदान केंद्र के निषेध के दायरे में चुनाव चिन्ह का प्रदर्शन करना आदि, आदि। यह सब धीरे-धीरे चुनावी विधि-निषेधों में बढ़ती सुरंग बनाए जाने का मामला था।बहरहाल, इस तरह चुनावी पाबंदियों को भीतर से पर्याप्त रूप से खोखला करने के बाद, 2017 के उत्तर प्रदेश के चुनाव से कब्रिस्तान-श्मशान, दीवाली-रमजान करने के सांप्रदायिक इशारों के जरिए, चुनाव में धार्मिक अपील तथा साप्रंदायिकता का सहारा लेने पर लगी कानूनी रोक को लांघने की ओर तेजी से कदम बढ़ाए गए। इसके साथ ही सर्जिकल स्ट्राइक के चुनावी इस्तेमाल के जरिए, चुनावी कानूनों के उल्लंघन का एक और मोर्चा ही खोल दिया गया। इसके बाद, 2019 के आम चुनाव में तो, चुनाव प्रचार में सेना तथा उसकी कार्रवाइयों के इस्तेमाल पर लगी पाबंदियों की सरासर धज्जियां ही उड़ायी गयीं। कागजों में लिखी तमाम पाबंदियों के बावजूद, 2019 का पूरा का पूरा चुनाव, पुलवामा-बालाकोट की पिच पर ही लड़ा गया और जोरदार तरीके से जीता भी गया। इस दौरान, शीर्ष स्तर पर चुनाव आयोग को पूरी तरह से सत्ता पक्ष के साथ किया जा चुका था और अशोक लवासा रूप में आयोग में असहमति की इकलौती आवाज को बाहर किया जा चुका था।इसी यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, 2024 के आम चुनाव में सत्ताधारी पार्टी ने विपक्ष के खिलाफ सांप्रदायिक दुहाई को अपना मुख्य हथियार बना लिया। और यह सिलसिला, पिछले ही महीने हुए महाराष्ट्र तथा झारखंड के चुनाव तक भी जारी था। इसके लिए मैदान तैयार किया गया था, चुनाव से ऐन पहले, चुनाव आयोग में दो सत्तापक्ष के लिए मनमाफिक सदस्यों की भर्ती के जरिए। इसी तरह की भर्ती सुनिश्चित करने के लिए, सत्ताधारी पार्टी ने संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल कर, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में एक नया कानून सिर्फ इसलिए बनाया था, ताकि चुनाव आयोग की नियुक्तियों में निष्पक्षता लाने के पक्ष में चुनाव आयोग के हस्तक्षेप के बाद, तीन सदस्यीय नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री के साथ, विपक्ष के नेता तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को रखे जाने की जो व्यवस्था बनी थी, उसे फिर से सरकार के पक्ष में झुकाया जा सके। इस कमेटी में मुख्य न्यायाधीश को हटाकर, प्रधानमंत्री के अलावा, उनके द्वारा नामजद उनके ही एक मंत्री को शामिल कर लिया गया था। हैरानी की बात नहीं है कि उसके बाद से चुनाव आयोग ने खुद प्रधानमंत्री के स्तर तक से खुल्लमखुल्ला धर्म की दुहाइयों तथा सांप्रदायिक अपीलों का सहारा लिए जाने पर चूं तक नहीं की।जाहिर है कि इस सब ने जनता की जानकारीपूर्ण इच्छा की अभिव्यक्ति के रूप में चुनाव के रहे-सहे सार को भी नष्ट कर दिया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मुकाम पर पहुंचकर चुनाव, जनतंत्र का खोल भर रह जाता है, जो भीतर से खोखला है। लेकिन, चुनाव जीतने के लिए कुछ भी करने की मोदी-शाह की भाजपा की तत्परता, जैसे अब जनतंत्र के इस खोल को भी नष्ट करने की ओर बढ़ रही है। चुनाव में धांधली की आम शिकायतों और ईवीएम के जरिए गड़बड़ी की आम शिकायतों को, उनमें काफी वजन होने के बावजूद, बहस के लिए यहां हम अगर छोड़ भी दें तो भी, चुनाव मात्र पर दुतरफा हमले की शिकायतों से उठे गंभीर सवालों को, जनतंत्र की परवाह करने वाला कोई भी व्यक्ति अनदेखा नहीं कर सकता है।इस हमले का एक बढ़ता हुआ पहलू, जो खासतौर पर उत्तर प्रदेश में आम चुनाव में और अभी पिछले महीने हुए उपचुनाव में और भी खुलेआम सामने आया था, छांटकर तबके विशेष, मुस्लिम अल्पसंख्यकों को वोट ही देने से रोकने का था। उत्तर प्रदेश में इसके विशेष रूप से सामने आने की वजह यही थी कि इसके लिए पुलिस-प्रशासन की गैर-कानूनी काम करने की जिस तरह की तत्परता की जरूरत होती है, वह लंबे समय से तथा बिल्कुल तानाशाहीपूर्ण तरीके से, सत्ताधारी भाजपा द्वारा प्रशासित राज्यों में ही संभव है। चुनाव को ही गैर-चुनाव बनाने वाले इसी हमले का दूसरा पहलू, पुन- शासन पर नियंत्रण का ही इस्तेमाल कर, टार्गेटेड तरीके से संभावित रूप से विरोधी वोटों को, जाहिर है कि सबसे बढ़कर अल्पसंख्यकों के वोटों को काटना और बाहर से अपने समर्थकों के नाम मतदाता सूचियों में जुड़वाना है। यह चुनाव के नतीजों को अपने पक्ष में बदलने के लिए, चुनाव करने वाली जनता का ही बदला जाना है। विपक्षी पार्टियों और खासतौर पर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी द्वारा मतदाता सूचियों में टार्गेटेड हेराफेरी की आम तौर पर शिकायतें किए जाने के अलावा अब कम से कम तीन लोकसभा क्षेत्रों में, जहां बहुत कम अंतर से हार-जीत का फैसला हुआ था, ऐसी टार्गेटेड मतदाता सूची धांधली के साक्ष्य मीडिया रिपोर्टों में सामने आ चुके हैं। इनमें मेरठ और फर्रुखाबाद और पुरानी दिल्ली की सीटें शामिल हैं।

बहरहाल, अब दिल्ली के चुनाव तक आते-आते, इस खेल को देश की सत्ताधारी पार्टी ने बहुत ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिया लगता है। नई दिल्ली की विधानसभाई सीट, जहां से अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ रहे हैं, इस खेल में खासतौर पर निशाने पर है। यह दूसरी बात है कि दिल्ली में सीमित ही सही, आम आदमी पार्टी के पास प्रशासनिक ताकत होने और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के जमीनी स्तर पर पर्याप्त रूप से सक्रिय होने के चलते, इस खेल का किसी हद तक भंडाफोड़ भी हो गया है, फिर भी जो सचाई सामने आयी है वह डरावनी है। इस एक विधानसभाई क्षेत्र में, सैकड़ों लक्षित वोट कटवाने के साथ-साथ, हजारों की संख्या में वोटर रातों-रात भर्ती कराने का खेल खेला गया है और इनमें से कई हजार वोट तो केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा सांसदों तथा पूर्व-सांसदों के सरकारी आवासों के पते पर ही दर्ज कराने का खेल खेला गया है।कहने की जरूरत नहीं है कि यह सब बहुत ही व्यवस्थित तरीके से गड़बड़ी किए जाने का ही इशारा करता है। और यह गड़बड़ी कितने व्यापक स्तर पर की गयी है और कहां तक कामयाबी से की जा चुकी है, यह जानने का कोई उपाय नहीं है। इन दुश्चिंताओं का बढ़ाने वाला एक आंकड़ा जरूर सामने आया है। छ- महीने पहले ही हुए लोकसभा चुनाव और अब होने जा रहे विधानसभा चुनाव के बीच ही, दिल्ली में मतदाताओं की संख्या में पूरे 5 फीसद की बढ़ोतरी हो चुकी है!

संपादकीय

कांग्रेस-आप की जंग में 'इंडिया' को नुकसान

ऐसे समय में जब प्रमुख विपक्षी गठबन्धन %इंडिया% को मजबूत करने के लिये उसका नेतृत्व कर रहे कांग्रेस पर दबाव है, दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसके और सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी के बीच जंग इतनी तेज़ हो गयी है कि शक है कि गठबन्धन में आप रहेगी या नहीं। चुनाव प्रचार के दौरान एक-दूसरे को नीचा दिखाने पर आमादा कांग्रेस व आप के बीच जो घट रहा है, उससे गठबन्धन की एकजुटता और भविष्य पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। सम्भव है कि इसके बाद आप इंडिया से कांग्रेस को निकालने या उसके हाथों से नेतृत्व छीनने की मुहिम छेड़ दे या स्वयं अलग हो जाये। आप के ताल्लुकात कांग्रेस से हाल के दिनों में काफी बिगड़े हैं। देखना होगा कि यह अदावत क्या गुल खिलाती है।आप का व्यवहार वैसे भी इस मायने में संदिग्ध रहा है कि उसके सभी सियासी कदमों का लाभ केन्द्र की सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी को मिलता रहा है। विस्तार की महत्वाकांक्षा के चलते पूर्व मुख्यमंत्री एवं पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने अनेक राज्यों के विधानसभा चुनावों में उम्मीदवार उतारने का सिलसिला बनाये रखा था। जहां तक इंडिया गठबन्धन का हिस्सा बनने के पहले की बात थी, तब तक तो ठीक था क्योंकि यह हर पार्टी का अधिकार है कि वह चाहे जहां से अपने प्रत्याशी उतारे व कहीं से चुनाव लड़े। देश का शायद ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण राज्य होगा जहां से उसने पिछले दस वर्षों में अपने उम्मीदवार खड़े न किये हों। यह तो सही है कि इसके चलते उसने दिल्ली के बाहर पंजाब में अपनी सरकार बनाई है तथा उसे इसका श्रेय जाता है कि कांग्रेस व भाजपा के अतिरिक्त वही ऐसा दल है जिसकी दो राज्यों में सरकारें हैं। जहां तक इंडिया गठबन्धन में शामिल होने के बाद की बात है, दिल्ली विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही उसने तत्काल अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी- सहयोगी दलों से बात किये या तालमेल की गुंजाइशों पर विचार किये बगैर ही।इंडिया गठबन्धन का सबसे बड़ा अंतर्विरोध यह है कि अनेक राज्यों में कांग्रेस जिन दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है, विधानसभा चुनावों में उनके सामने होती है। इस बाबत तर्क दिया जाता है कि गठबन्धन लोकसभा के लिये है, विधानसभाओं के लिये नहीं। कई मुद्दों को लेकर सहयोगी दल राज्यों में आमने-सामने होते हैं। ऐसी स्थिति में जब वे लोकसभा का चुनाव मिलकर लड़ते हैं तो लोगों को शक होना स्वाभाविक है। इससे कांग्रेस व जिन दलों के साथ उनका राज्यों में मुकाबला होता है, दोनों के पक्के वोटरों को छोड़कर स्वतंत्र मत अक्सर भाजपा की ओर चले जाते हैं।

राहुल गांधी की दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान कई दलों को साथ देखा गया परन्तु चुनाव में वे अलग-अलग थे या जो दल इन यात्राओं के पहले हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खिलाफ थे, वे इसमें शामिल हुए और अंतत- इंडिया के गठबन्धन का हिस्सा बने। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी के साथ गठबन्धन नहीं हो सका क्योंकि ममता बनर्जी तैयार नहीं हुईं। ऐसे ही, इंडिया में शामिल पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने राज्य में मिलकर नहीं वरन अलग चुनाव लड़ा। उसने ऐसा यहां नेशनल कांफ्रेंस के साथ स्थानीय मुद्दों पर अपने मतभेदों एवं मुकाबले के कारण किया जबकि एनसी भी इंडिया में शरीक है। आप ने पंजाब में कांग्रेस को हराकर सत्ता पाई है, जबकि उसके बाद आप इंडिया में शामिल हो गयी। यह भी पाया गया कि अनेक स्थानों पर आप के चुनाव लड़ने से अंतत- भाजपा को ही फायदा हुआ जिसके कारण उसे भाजपा की बी टीम तक कहा जाता है।हालांकि कई राज्यों में कांग्रेस व सहयोगियों के सम्बन्ध मजबूत बने हुए हैं। तमिलनाडु (द्रविड मुनेत्र कषगम), महाराष्ट्र (उद्धव ठाकरे की शिवसेना व शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी), झारखंड (झारखंड मुक्ति मोर्चा), बिहार (राष्ट्रीय जनता दल) और कमोबेश उत्तर प्रदेश (समाजवादी पार्टी) के बारे में ऐसा कहा जा सकता है। इसमें भी कई स्थानों पर कोई न कोई घालमेल देखने को मिल ही जायेगा। अब दिल्ली के चुनाव में समाजवादी पार्टी ने आप को समर्थन देकर खुद को कांग्रेस के खिलाफ खड़ा कर दिया है। यह विभाजन दिल्ली विधानसभा के चुनाव में बढ़ता नज़र आ रहा है।

कनाडा और ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की बात महज इच्छा नहीं

कनाडा की अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर है। औपनिवेशिक युग के बाद भी देशों पर जबरन कब्ज़ा करना कोई नई बात नहीं है। अमेरिका, 1867 के ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम के तहत इसके निर्माण के बाद से ही कनाडा के विशाल क्षेत्र को हड़पने में रुचि रखता है। कनाडा एक द्विधार्मिक देश है। कानूनी अवधारणाएं अंग्रेजी और फ्रेंच दोनों में व्यक्त की जाती हैं। ब्रिटिश सम्राट, किंग चार्ल्स - तृतीय, कनाडा के संवैधानिक प्रमुख हैं।

ऐसा लगता है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कनाडा और ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने और मैक्सिको खाड़ी का नाम बदलने की बात महज उनकी सामान्य इच्छा नहीं है बल्कि इसके पीछे कोई राज की बात है। कनाडा पर अमेरिका का कब्ज़ा तो ब्रिटिश सम्राट की भागीदारी वाली दोनों देशों के बीच एक संधि या कनाडा के नागरिकों द्वारा अमेरिका में शामिल होने के पक्ष में जनमत संग्रह या बल प्रयोग के माध्यम से ही संभव है।कनाडा की अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर है। औपनिवेशिक युग के बाद भी देशों पर जबरन कब्ज़ा करना कोई नई बात नहीं है। अमेरिका, 1867 के ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम के तहत इसके निर्माण के बाद से ही कनाडा के विशाल क्षेत्र को हड़पने में रुचि रखता है। कनाडा एक द्विधार्मिक देश है। कानूनी अवधारणाएं अंग्रेजी और फ्रेंच दोनों में व्यक्त की जाती हैं। ब्रिटिश सम्राट, किंग चार्ल्स - तृतीय, कनाडा के संवैधानिक प्रमुख हैं। यद्यपि वह देश पर शासन नहीं करते हैं, ब्रिटिश राजा कनाडा की सरकार और पहचान का एक मूलभूत हिस्सा हैं।हालांकि, अमेरिका ने अभी तक 9.98 मिलियन वर्ग किलोमीटर से अधिक के भौगोलिक क्षेत्र के हिसाब से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश कनाडा पर कब्जा करने का गंभीर प्रयास नहीं किया है। कनाडा पर अमेरिका का कब्जा इसे रूस से आगे दुनिया का सबसे बड़ा देश बना देगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 17,098,242 वर्ग किलोमीटर है। अमेरिका का क्षेत्रीय विस्तार कोई नई बात नहीं है। यह अमेरिकी संविधान द्वारा प्रदान किया गया है। ट्रम्प इसे जानते हैं। ट्रम्प के सुझाव पर अमेरिका में कोई गंभीर राजनीतिक बहस नहीं है कि कनाडा को अपने में मिला लिया जाये और डेनमार्क के साथ संधि के माध्यम से ग्रीनलैंड को हासिल कर लिया जाये।

निरंतर क्षेत्रीय विस्तार और अधिग्रहण अमेरिका के भू-राजनीतिक इतिहास का एक हिस्सा है। विश्व इतिहासकार जानते हैं कि अमेरिका ने कैलिफोर्निया, नेवादा, यूटा, न्यू मैक्सिको, एरिजोना, कोलोराडो, ओक्लाहोमा, कंसास और व्योमिंग के वर्तमान राज्यों को कैसे अपने में मिला लिया। कनाडा और ग्रीनलैंड अगले निशाने हो सकते हैं। ऐसा करने के लिए अमेरिका में एक संवैधानिक वास्तुकला मौजूद है। अमेरिका के लिए अधिग्रहण या अधीनता के माध्यम से क्षेत्र हासिल करने की संभावना और मिसाल दोनों हैं। यहां तक कि कनाडा के जबरन विलय का किसी अन्य शक्ति द्वारा सैन्य रूप से विरोध किये जाने की संभावना बहुत कम है। अतीत में, अमेरिका, रूस, चीन, भारत, यूके, फ्रांस और इजरायल सहित कई सैन्य रूप से मजबूत देशों ने कई क्षेत्रों पर जबरन कब्जा किया या उन्हें अपने साथ बनाये रखा तथा इस क्रम में उन्हें किसी तीसरे पक्ष के बहुत कम विरोध का सामना करना पड़ा।

1950 में तिब्बत पर चीन का आक्रमण सभी विदेशी क्षेत्रीय विलयों में सबसे शांत था। तिब्बत पर चीनी सैन्य कब्जे की खबर, जिसे %दुनिया की छत% के रूप में जाना जाता है, इतनी धीमी गति से फैली कि 1952 तक अधिकांश तिब्बती इसके बारे में अनभिज्ञ थे। चीन ने झिंजियांग, हैनान और झोउशान सहित कई क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। तिब्बत चीन के कुल भूभाग का लगभग आठवां हिस्सा है। तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर)झिंजियांग के बाद क्षेत्रफल के हिसाब से चीन का दूसरा सबसे बड़ा प्रांत-स्तरीय विभाजन है। गैर-अनुरूपतावादी कम्युनिस्ट चीन ने झिंजियांग के इस्लामिक राज्य और तिब्बत के बौद्ध क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और रूस और कनाडा के बाद कुल भूमि क्षेत्र के हिसाब से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया। चीन, जो और अधिक चाहता है, का भारत, जापान, वियतनाम, भूटान और फिलीपींस सहित कई देशों के साथ क्षेत्रीय विवाद है। यह ताइवान और दक्षिण चीन सागर के क्षेत्र पर दावा करता है। चीन अक्साई-चीन पर शासन करता है, जिसे भारतीय क्षेत्र माना जाता है।कोई यह कह सकता है कि भारत ने खुद ही हैदराबाद, गोवा, दमन और दीव और सिक्किम पर कब्जा कर लिया। ब्रिटिश शासन से अपनी स्वतंत्रता के समय भारत के भीतर सभी राज्य स्वतंत्र क्षेत्र थे। भारत ने 1961 में गोवा पर कब्ज़ा करने के बाद उसे पुर्तगाली नियंत्रण से अलग कर लिया। इंडोनेशिया ने 1963 में पश्चिमी न्यू गिनी पर कब्ज़ा कर लिया। उत्तरी वियतनाम ने अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ लंबे युद्ध के बाद दक्षिण वियतनाम पर कब्ज़ा कर लिया। इज़राइल ने 1967 में पश्चिमी गोलनहाइट्स पर कब्ज़ा कर लिया। उत्तरी साइप्रस 1974 से तुर्की के कब्ज़े में है।ब्रिटेन द्वारा नियंत्रित 14 विदेशी क्षेत्रों में से ये हैं- एंगुइला; बरमूडा; ब्रिटिश अंटार्कटिक क्षेत्र (बीएटी); ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (बीआईओटी); ब्रिटिश वर्जिन द्वीप; केमैन द्वीप; फ़ॉकलैंड द्वीप; जिब्राल्टर; मोंटसेराट; पिटकेर्न, हेंडरसन, ड्यूसी और ओनो द्वीप; सेंट हेलेना, असेंशन और ट्रिस्टनदाकुन्हा; और दक्षिण जॉर्जिया। विदेशी फ्रांस में यूरोप के बाहर 13 विदेशी क्षेत्र शामिल हैं। रूस खार्किव और मायकोलाइव के डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहान्स्क और ज़ापोरिज्जिया ओब्लास्ट के कुछ हिस्सों को नियंत्रित करता है। यूक्रेन कुर्स्क ओब्लास्ट के कुछ हिस्सों को नियंत्रित करता है।

इस प्रकार, ट्रम्प द्वारा कनाडा और ग्रीनलैंड को अधिग्रहित करने के विचार का खुलेआम प्रचार करना कोई नयी या असामान्य बात नहीं लगती। इससे पहले, कनाडा ब्रिटिश कब्जे में था। ग्रीनलैंड डेनमार्क साम्राज्य का एक स्वायत्त क्षेत्र है। कनाडा में अमेरिकी हित के विपरीत, अमेरिकी सरकार लंबे समय से ग्रीनलैंड को अपने अधीन करने की कोशिश कर रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, अमेरिका ने सैन्य रूप से कब्जा करने के लिए अपने मोनरो सिद्धांत का इस्तेमाल किया था।डेनमार्क के जर्मन सेना के सामने आत्मसमर्पण करने के बाद संभावित हिटलरी हमले से खुद को बचाने के लिए ग्रीनलैंड को 1951 में डेनमार्क सरकार के साथ एक संधि ने अमेरिका को ग्रीनलैंड की रक्षा पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी, जिसमें सैन्य रूप से संवेदनशील क्षेत्रों पर %अनन्य अधिकार क्षेत्र% भी शामिल है।

कनाडा और ग्रीनलैंड को हासिल करने के अपने उद्देश्य को अमेरिका किस हद तक समझता है, यह आने वाले वर्षों में देखा जायेगा। अंतरराष्ट्रीय कानून सैन्य बल के माध्यम से किसी देश पर जबरन कब्ज़ा करने की अनुमति नहीं देता है। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, विलय धमकी भरे बल का उपयोग करने के निषेध का उल्लंघन करता है और इसे अवैध माना जाना चाहिए। वास्तव में, कुछ देशों ने क्षेत्रों के विलय से पहले कानून का सम्मान करने की परवाह की है। दिलचस्प बात यह है कि विदेशी क्षेत्रों को अपने में मिलाने की अमेरिकी सरकार की क्षमता देश के संविधान में निहित है। अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद- 2, खंड 2 में कहा गया है- %उसे (राष्ट्रपति को) सीनेट की सलाह और सहमति से संधि करने की शक्ति होगी, बशर्ते कि उपस्थित सीनेटरों में से दो तिहाई सहमत हों....% अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के अंत के बाद से, देश का छोटा सा हिस्सा अधिग्रहण, अधिग्रहण और खरीद के मिश्रण के माध्यम से 50 राज्यों और 14 विदेशी क्षेत्रों तक फैल गया। ग्रीनलैंड और कनाडा अगले निशाने हो सकते हैं।

पूजा पाठ करने वालों को 'आध्यात्मिक' कह दिया जाता है, लेकिन अध्यात्म का मूल अर्थ ईश्वरीय चर्चा या ईश्वर ज्ञान कतई नहीं है।

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्मं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरूषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व '

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमाएं विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमाएं टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रसः सारः'

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रसः सारः ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

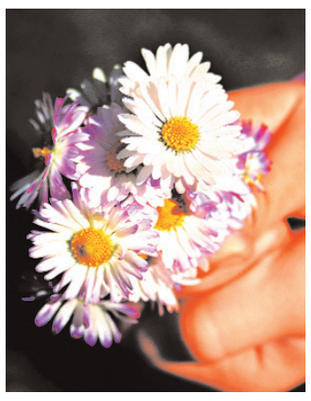

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावतः भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंतःप्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

महर्षि अरविन्द के सत्य विचार हमें सतही बौद्धिकता से परे चेतना के दिव्य आध्यात्मिक लोक में ले जाते हैं। उनके विचार उपनिषद के सूत्रों की तरह सघन अर्थों से भरे होते हैं। प्रत्यक्ष और गहन अनुभूति से उत्पन्न होने के कारण उनके कथन अमूल्य रहे हैं।
आइए जानते हैं ऑरोविला के नायक इस महान दार्शनिक के सुविचार ...

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंतः प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशतः अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्रायः आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंतःप्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से निःस्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंतःप्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंतःप्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णतः अंतःप्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुनः जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक असंतोषजनक कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं – मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

हेल्थ प्लस

व्यायाम से लौट सकती है चेहरे की कोमलता

हर किसी केजीवन में एक समय ऐसा जरूर आता है जब त्वचा की कुदरती चमक और लचीलापन धीरे-धीरे खत्म होने लगता है। इसके कई कारण हो सकते हैं- अचानक वजन घटाना, आपकी जीवन शैली, आपकी उम्र, आहार में पोषक तत्वों की कमी आदि। इन सभी कारणों में से अपने कारण को जानकर आप अपनी त्वचा की उचित देखभाल कर सकती हैं। दरअसल त्वचा के कोश उम्र बढने के साथ-साथ निस्तेज और निष्क्रिय होते जाते हैं, लेकिन उचित देखभाल और व्यायाम से ये कोश दोबारा सक्रिय और जीवित हो उठते हैं।

चेहरे और गले की झुर्रियां उचित और नियमित व्यायाम से दूर हो सकती हैं, लेकिन उचित देखभाल के लिए जरूरी है त्वचा को सही पोषण देना और उसकी कुदरती नमी लौटाना। इसके लिए दिन में दो बार त्वचा पर मॉयस्चराइजिंग क्रीम लगाना जरूरी होता है। इसके अलावा कुछ आवश्यक व्यायाम भी त्वचा की कोमलता और कसाव बनाए रखने में मदद करते हैं।

एक्सरसाइज करें

यहां बताई जा रहीं एक्सरसाइज डबल चिन, गले की ढीली त्वचा और झुर्रियों को दूर करने में मददगार साबित होंगी। इतना ही नहीं, ये त्वचा की मांसपेशियों की टोनिंग भी करेंगी।

- जमीन या कुर्सी पर सीधी बैठ जाएं। अपना सिर पीछे ले जाकर आसमान की ओर देखें। अपने होंठ बंद रखें और अपने मुंह को इस प्रकार चलाएं जैसे च्विंगम चबा रही हों। आप महसूस करेंगी कि आपके गले की और उसके आसपास की मांसपेशियां काम कर रहीं हैं। इस क्रिया को बीस बार दोहराएं। ऐसा करने से आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे।
- जमीन या कुर्सी पर सीधी बैठ जाएं। अपना सिर पीछे की ओर ले जाएं और आसमान की ओर देखें। अपने होंठों को बंद रखें और आराम की मुद्रा में रहें। बहुत ज्यादा खिंचाव या कसाव न महसूस करें। अब अपने होंठों को इस प्रकार सिकोडें और फिर खींचें जैसे आप छत या आसमान को चूमना चाहती हैं। अपने होंठों को सिकोड कर मन में दस तक गिनें, फिर आराम की मुद्रा में आएं और अपना सिर वापस सीधा करें। ऐसा पांच बार करें।
- बेड पर सीधी लेट जाएं। अपना सिर बेड के किनारे पर जमीन की ओर लटकाएं। अब धीरे-धीरे अपना सिर ऊपर उठाएं और दस तक गिनते हुए अपने पंजों को देखने की कोशिश करें। फिर आराम की मुद्रा में आएं और अपना सिर फिर उसी अवस्था में लाएं। इस प्रक्रिया को पांच बार दोहराएं।
- सीधी बैठ जाएं अपना चेहरा सामने रखें। अपने होंठ खोलते हुए अपने दांतों को एक-दूसरे से सटाकर रखें और अपने जबडों को फैलाएं, ताकि आपके दांत जबडों से अलग होते हुए महसूस हो। एक बार जबडों को फैलाएं और एक बार उन्हें सिकोडने की कोशिश करें।

अपने रूप और लावण्य को अधिक समय तक कायम रखने के लिए शारीरिक व्यायाम की भांति नियमित रूप से फेशियल एक्सरसाइज की भी जरूरत होती है। इन्हें करने के लिए बहुत ज्यादा समय या मशक्कत की जरूरत भी नहीं पडती और ये आपकी त्वचा को टोन करने में मदद करते हैं। इनसे शरीर को जरूरी पोषण देने के लिए रक्त संचार भी बढता है और शरीर के हानिकारक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। एक माह के लिए यह फेशियल नियमित रूप से करने पर बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और चेहरे पर चमक और त्वचा का लचीलापन बरकरार रखने के लिए आप बाद में यह एक्सरसाइज हफ्ते में तीन बार भी कर सकती हैं। ये व्यायाम सिर्फ प्रौढ स्त्री के लिए ही नहीं हैं, इन्हें युवतियां भी कर सकती हैं ताकि उनके चेहरे पर उम्र का असर काफी समय बाद हो।

फल-सब्जियां खाएं मोटापा घटाएं

मोटापे से परेशान लोगों को सब्जियां और फल ज्यादा खाना चाहिए, क्योंकि इनमें प्रचुर मात्रा में पानी और फाइबर पाया जाता है। इससे पेट भी जल्दी भर जाता है और शरीर में कैलॉरी भी ज्यादा नहीं जा पाती। जबकि चीज, फ्रेंच फ्राइज, छोले-भटूरे, बर्गर, सैंडविच, समोसा, कचौरी और लती-भुनी चीजों की थोड़ी सी भी मात्रा लेने से शरीर को बहुत ज्यादा कैलॉरी मिलती है। डॉ. बारबरा रोल्स ने 20 बर्षों तक मेयोक्लिनिक (अमरीका) में भोजन की मात्रा और मोटापे पर अध्ययन किया। अध्ययन में शामिल लोग जब उनकी 'वाल्यूमैट्रिक्स लैब' में भोजन कर रहे होते हैं तब वे चुपके से उनकी फिल्म उतार लेती है। बाद में अध्ययन कर निष्कर्ष निकालती है कि खान-पान में शामिल किन वस्तुओं का भूख और वेट लॉस पर क्या प्रभाव पड़ता है।

बारबरा के अनुसार साग-सब्जियां और फल ज्यादा खाने वालों का वजन घटता है। अत: अपना वजन घटाना है, तो फल-सब्जियां ज्यादा खाइए और तली-भुनी चीजों पर कंट्रोल करिए।

गुणों से भरपूर अंगूर

अंगूर पौष्टिक, स्वादिष्ट और रक्तशोधक फल होता है। शारीरिक रूप से निर्बल लोगों के लिए अंगूर वरदान है। स्वस्थ स्त्री-पुरूष भी अगर अंगूर खाते हैं, तो उनमें शक्ति का विकास होता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अंगूर अनेक रोगों को नष्ट करता है। संस्कृत में अंगूर को 'द्राक्षा' कहा जाता है।

महर्षि चरक के मतानुसार अंगूर मे तृष्णा, ज्वर, श्वास, रक्तपित्त, क्षय, उदावर्त, स्वरभंग, उल्टी, सूजन, पीलिया, वातरक्त तथा वायु को नष्ट करने की क्षमता होती है। अंगूर के खाने से सभी स्त्री-पुरूष और बच्चों को भरपूर शक्ति मिलती है। किसी रोग से निर्बल हुए व्यक्ति के लिए तो अंगूर अत्यंत गुणकारी है, क्योंकि इसका पाचन भी शीघ्र ही हो जाता है। शारीरिक रूप से निर्बल स्त्री-पुरूष को थोड़े-थोड़े अंगूर खाने चाहिए, क्योंकि अधिक खा लेने से अतिसार (दस्त) होने का भय रहता है।

अंगूर अधिक विरेचक फल होता है। गर्भावस्था में युवतियां अंगूर का खूब उपयोग कर सकती है। इससे काफी शक्ति मिलती है। अंगूरों के सेवन से रक्ताल्पता (एनीमिया) में बहुत लाभ होता है। अंगूर गाढ़े रक्त को पतला करके शरीर के सभी अंगों में पहुंचाता है। इससे सभी मांसपेशियों को पर्याप्त रक्त मिलता है।

द्राक्ष में लौह की मात्रा कम होने पर भी पाण्डु रोग में यह बहुत ही उपयोगी है। इसमें अवस्थित मैलिक एसिड, साइट्रिक एसिड और टार्टारिक एसिड जैसे तत्त्व रक्त शुद्धि करते हैं। रक्त शोधक गुण के कारण अंगूर त्वचा के अनेक रोगों को दूर करके त्वचा को कोमल एवं सुंदर बनाता है। इसके सेवन से फोड़े-फुंसियों से मुक्ति मिलती है।

अंगूर के सेवन से वक्षस्थल के अनेक रोग नष्ट होते हैं। अंगूर सुपाच्य और रक्तवर्द्धक होने के साथ ही शीतवीर्य भी होता है। इस गुण के कारण अंगूर पित्त को भी शांत करता है। अंगूर मस्तिष्क को शीतलता प्रदान करता है तथा स्मरण शक्ति भी तेज बनाता है। अंगूर से नेत्रों को भी लाभ मिलता है। अंगूर के सेवन से स्त्रियों के सौंदर्य एवं आकर्षण में वृद्धि होती है।

विशेष रूप से दुबली-पतली व शारीरिक रूप से निर्बल लड़कियां अगर अंगूर का सेवन करती हैं तो उनके शरीर में रक्त के विकास से चेहरे पर लालिमा आ जाती है। प्रसव के बाद अंगूर का सेवन करने से गर्भावस्था की निर्बलता और रक्त की कमी नष्ट होती है। अजीर्ण, अग्निमाद्य और भोजन में अरूचि होने के स्थिति में अंगूरों के सेवन से पाचन किया तीव्र होकर भूख लगती है। अंगूरों (द्राक्षा) को सुखाकर बनाए गए मुनक्का को हल्का गर्म करके काला नमक और मिर्च लगाकर खाने से भूख बढ़ती है।

अमरीका की सुप्रसिद्ध चिकित्सक जोहाना ब्राण्ट ने अपनी पुस्तक 'दि ग्रेप क्योर' में लिखा है कि अंगूर के रस से मात्र डेढ़ माह में ही 'द्राक्षाकल्प' के माध्यम से आमाशय कैंसर के रोगी को रोगमुक्त करने में सफलता प्राप्त हुई। ५० ग्राम मुनक्का को जल में डालकर रात में रख दें। सुबह उठकर उन्हें थोड़ा-सा मसलकर नमक डालकर खाने से उदर संबंधी अनेक विकार दूर होते हैं। पुरूषों में वीर्य शक्ति के साथ ही स्तम्भन शक्ति भी बढ़ती है।

दस ग्राम मुनक्का को दूध में उबालकर पीने से कब्ज नष्ट होता है। बार-बार चक्कर आने पर २० ग्राम मुनक्का को घी में भूनकर हल्का-सा सेंधा नमक मिलाकर खाने से लाभ होता है।

मधुमेह रोगियों को अंगूर नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इसमें शर्करा की मात्रा अधिक होती है। ज्वर की अवस्था में भी अंगूर नहीं रोगी को अतिसार का रोगी भी बना सकता है। अंगूर के बेल की मोटी लकड़ी को जलाकर इस्तेमाल करने से वायु विकार नष्ट होते हैं। मूत्राशय की जलन और अवरोध भी नष्ट होता है। संधिशूल और अंडकोश की सूजन भी नष्ट होती है। स्त्रियों में ऋतुस्त्राव की अनेक विकृतियां भी इससे दूर हो जाती है। अंगूर के पत्ते, बेल, छाल आदि सभी गुणकारी होते हैं। बेल के पत्ते से अर्श (बवासीर) में बहुत लाभ मिलता है। बसंत के मौसम में बेल को काटने से जो रस निकलता है, उसे त्वचा पर लगाने से बहुत लाभ मिलता है।

कैसे बढ़ता है कैंसर

कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पादन के लिए ग्लूकोज का उपयोग करने के दो तरीके हैं। एक में ऑक्सीजन का उपयोग होता है और भरपूर ऊर्जा पैदा होती है। दूसरे तरीके में ऑक्सीजन का उपयोग नहीं होता और ऊर्जा भी कम पैदा होती है। हाल के अनुसंधान से पता चला है कि कैंसर कोशिकाएं इस दूसरे अकार्यक्षम तरीके का उपयोग करती हैं। इसके लिए वे एक ऐसे एंजाइम को पुन: जागृत कर लेती हैं, जो आम तौर पर भ्रूणावस्था में सक्रिय होता है तथा बाद में निष्क्रिय पड़ा रहता है।

आमतौर पर हमारे शरीर की कोशिकाओं में ग्लूकोज के दहन का यह काम कोशिका के एक विशेष उपांग माइटोकॉण्ड्रिया में किया जाता है। सामान्य कोशिकाएं ग्लूकोज का उपयोग नई कोशिका के निर्माण के लिए पदार्थ (जैसे वसा या डीएनए) बनाने में नहीं करती। मगर कैंसर कोशिकाएं उल्टा काम करती है। वे ग्लूकोज प्राप्त होने पर ऊर्जा तो प्राप्त करती है मगर उसका ज्यादा उपयोग नई कोशिकाओं के लिए जरूरी है कि इसके लिए कोई एंजाइम मौजूद हो। अब हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के लुइम कैटली और उनके सहयोगियों ने इस एंजाइम का पता लगा लिया है-इसका नाम है पीकेएम-2 और यह वयस्क एंजाइम पीएमके-1 का भ्रूण रूप है।

कैंसर कोशिकाओं में यह पीएमके-2 पदार्थों के विघटन को रोक देता है। इस प्रकार से नई कोशिकाओं के निर्माण के लिए पदार्थ उपलाब्ध हो जाते हैं। कैंसर कोशिकाओं की यही तो विशेषता होती है- वे लगातार अनियंत्रित ढंग से नई कोशिकाएं बनाती चली जाती है। दरअसल कैंसर कोशिकाओं की इस विचित्रता को आज से करीब 80 साल पहले एक रसायन शास्त्री ओटो वार्बर्ग ने पहचाना था।

उन्होंने देखा था कि सामान्य कोशिकाओं के विपरीत कैंसर कोशिकाएं ऊर्जा उत्पादन का काम एक अकार्यक्षम तरीके ग्लायकोलिसिस के जरिए करती हैं। इस प्रक्रिया में ऑक्सीजन का उपयोग नहीं होता (आम कोशिकाएं ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में कभी-कभार ग्लायकोलिसिस का उपयोग करती हैं मगर कैंसर कोशिकाएं पर्याप्त ऑक्सीजन होने पर भी इसी तरीके का उपयोग करती हैं)। वार्बर्ग का मत था कि यही फेरबदल कैंसर की शुरूआत करता है। अलबत्ता, इस वार्बर्ग प्रभाव को उस समय अनदेखा कर दिया गया था। अधिकांश लोगों का मत था कि वार्बर्ग प्रभाव कैंसर का कारण नहीं हैं बल्कि कैंसर का परिणाम है, मगर पिछले साल एक दवा विकसित की गई थी- डाईक्लोरोएसिटेट। यह दवा देने पर कोशिका का ऊर्जा उत्पादन वापिस सामान्य रूपसे माइटोकॉण्ड्रिया में होने लगता है। इससे चूहों में कैंसर को पलटने में मदद मिली है। अब डाईक्लोरोएसिटेट के इंसानी परीक्षण चल रहे हैं।

सिरदर्द

आपने कभी अपने सुबह अपने माथे को रगड़ते हुए बिताई है? जी हां, हम सिरदर्द की ही बात कर रहें है। डाक्टरों का मानना है। कि इस के पीछे चाहे जो भी कारण हो पर सब से बड़ी वजह है। शरीर में पानी की कमी से मस्तिष्क में पानी की कमी। हमारे मस्तिष्क का 3/4 हिस्सा पानी है। डिहाइड्रेशन की वजह से शरीर में साडियम व पोटाशियम का संतुलन गड़बड़ा जाता है।जिस से शरीर के दूसरे अंगों पर दबाव बढ़ता है और फिर सारा मैसेज मस्तिष्क तक पहुंचता है। मगर जब मस्तिष्क में पानी की कमी की वजह से सारी क्रि याएं ठीक ढंग से नहीं हो पातीं तो मस्तिष्क पर दबाव बढ़ जाता है। और आप सिरदर्द के शिकार हो जाते है। इस से बचने का एक तरीका है। कि ज्यादा से ज्यादा पानी पीया जाए। चायकौफी वगैरह कुछ देर तो सिरदर्द से आराम देंगे मगर ये शरीर में पानी की और कमी कर देंगे। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना एकाग्रता भी बढ़ाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1954

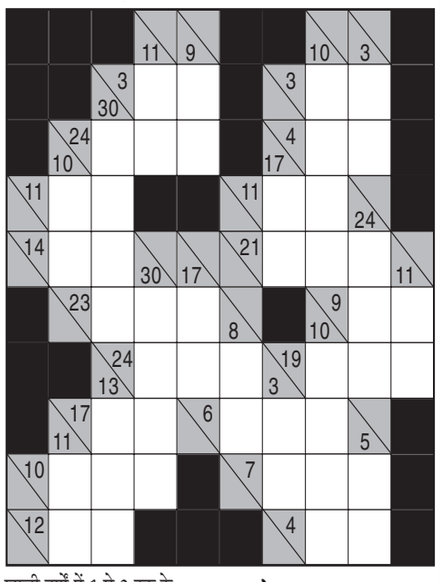

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

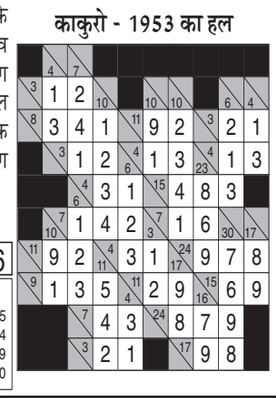

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1953 का हल

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

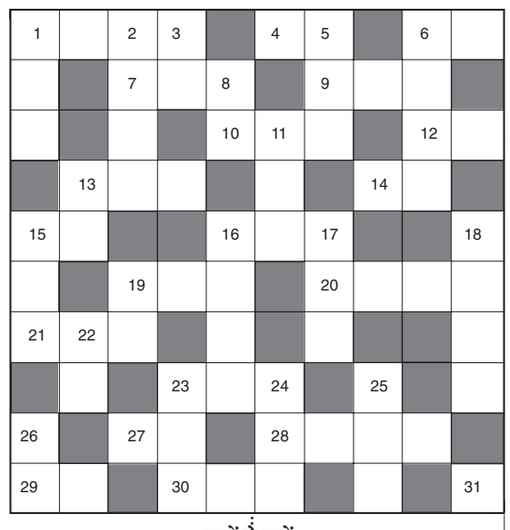

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1954

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुध्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1953

सूडोकु -1954

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1953 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 1954

बाएँ से दाएँ

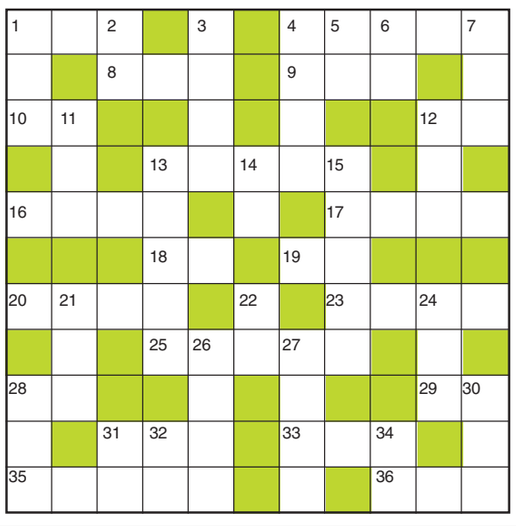

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली - 1953 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झो			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

शरद पवार ने सैफ अली खान पर हमले की निंदा की

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस टीं (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने यहां अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले की घटना की निंदा की। हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए, पवार ने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि मुंबई में कानून व्यवस्था कितनी खराब हो गई है। इसी बीच उसी इलाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और आज दूसरे पर हमला हुआ, जो बहुत चिंताजनक है। पवार ने कहा कि राज्य सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री जो राज्य गृह मंत्री भी हैं, को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने ब्रिटेन के रक्षा राज्य सचिव के साथ टेलीकॉल की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने ब्रिटेन के रक्षा राज्य सचिव श्री जॉन हीली के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा सहयोग मुद्दों पर संक्षेप में चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों में तेजी बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्री और ब्रिटेन के रक्षा राज्य सचिव ने इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन और जेट इंजन जैसे विशिष्ट रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच हुई उत्कृष्ट प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने हाल ही में इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन पर आशय वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए जाने पर संतोष व्यक्त किया । दोनों मंत्रियों ने एक-दूसरे के प्रशिक्षण संस्थानों में सैन्य प्रशिक्षकों के आदान-प्रदान पर चल रहे कार्यक्रम की भी समीक्षा की। इंडो-पैसिफिक पर ब्रिटेन के बढ़ते फोकस के साथ दोनों पक्ष 2025 में संयुक्त कार्य और बढ़ी हुई समुद्री गतिविधियों की संभावनाएं तलाशेंगे।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को ढेर किया

बीजापुर/रायपुर। सुरक्षा बलों के जवानों और नक्सलियों के बीच बीजापुर जिले के पुजारी कांकेर और मारूर बाका के बीच मुठभेड़ जारी है। सूत्रों के मुताबिक मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के जवानों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। बीजापुर एएसपी चंद्रकांत गोवर्ना ने जानकारी दी है कि मुठभेड़ में बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के

कर्मी, सीआरपीएफ की विशिष्ट जंगल युद्ध इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) की पांच बटालियन और सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) की 229वीं बटालियन शामिल हैं। जवानों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है। मुठभेड़ सुबह नौ बजे से जारी है। जिस जगह पर मुठभेड़ हो रही है, वह तेलंगाना और छत्तीसगढ़ का सीमावर्ती इलाका है। मुठभेड़ वाली जगह से जवानों ने कई हथियार भी बरामद किए हैं।

अभाविप की केंद्रीय कार्यसमिति बैठक 18-19 जनवरी को जोधपुर में

जोधपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की दो दिवसीय केंद्रीय कार्यसमिति बैठक 18-19 जनवरी को जोधपुर में आयोजित होगी। इस बैठक में संगठनात्मक, शैक्षणिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक विषयों पर गहन चर्चा होगी तथा आगामी कार्यक्रमों की दिशा तय की जाएगी। देशभर से आए प्रतिनिधि बैठक में भाग लेंगे और विभिन्न अभियानों की समीक्षा के साथ भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सोलंकी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि बैठक में देशभर से आने वाले प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे अभियानों और गतिविधियों की समीक्षा प्रस्तुत करेंगे, जिससे संगठन के कार्यों में समन्वय स्थापित होगा। बैठक में सत्र 2024-25 के कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी और सत्र 2025-26 के लिए नई योजनाओं पर चर्चा होगी। परिसर चलो अभियान, भारतीय संविधान निर्माण के 75 वर्ष, स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती, रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर भावी योजना बनाई जाएगी। डॉ. सोलंकी ने बताया कि बैठक में आगामी दिनों में द्वारका में आयोजित होने वाली 'विचार बैठक' के विषयों पर भी मंथन किया जाएगा। इसमें छात्र आंदोलन की दिशा और युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा होगी। कार्यकर्ताओं की क्षमता विकास के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे संगठन की कार्यप्रणाली को सशक्त बनाया जा सके।

इधर कांग्रेस का मुख्यालय खुला, उधर, हिंडनबर्ग की दुकान बंद हुयी : रविशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुये कहा है कि कांग्रेस ने जिस दिन अपने नये कार्यालय का उद्घाटन किया, उसी दिन हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी कंपनी को बंद कर दिया। गौरतलब है कि अमेरिकी इन्वेस्टमेंट रिसर्च फर्म और शॉर्ट सेलिंग ग्रुप हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी कंपनी बंद करने की घोषणा की है। इस फैसले की पुष्टि कंपनी के संस्थापक नाथन एंडरसन ने की है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस और श्री गांधी पर प्रहार करते हुये कहा कि जिस दिन कांग्रेस ने अपना नये कार्यालय का उद्घाटन किया, उसी दिन हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी कंपनी को बंद कर दिया। उन्होंने चुटकी लेते हुए श्री

गांधी से पूछा, क्या श्री गांधी इस जिम्मेदारी को अपने ऊपर ले रहे हैं? उन्होंने हिंडनबर्ग का जिक्र करते हुये कहा कि कांग्रेस पार्टी इसे लेकर अक्सर सरकार पर निशाना साधती रही है, लेकिन यह एक संयोग है कि कांग्रेस का नया कार्यालय शुरू होने के दिन हिंडनबर्ग ने अपनी दुकान बंद कर दी। उन्होंने श्री गांधी पर कटाक्ष करते हुये कहा कि श्री गांधी अर्बन नक्सल के चंगुल में फंसे हुये हैं और उनकी सोच माओवादियों वाली है। उन्होंने कहा, आप (श्री गांधी) भारत के नेता प्रतिपक्ष है। क्या कांग्रेस के अच्छे लोगों ने उन्हें समझना बंद कर दिया है। कुछ जिम्मेदार बनिये। उन्होंने कहा, 'श्री गांधी कल बोले कि 'आवर फाइट इज अगेंस्ट द इंडियन स्टेट'। राहुल गांधी जी आप संसद में विपक्ष के नेता हैं और आप इंडियन स्टेट से लड़ने की बात कर रहे हैं! इंडियन स्टेट भारत के संवैधानिक व्यक्तित्व का परिचय है। उन्होंने कहा कि श्री गांधी को बोलने से पहले समझना चाहिये कि वह क्या बोल रहे हैं।

इस दौरान उन्होंने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट को लेकर आम आदमी पार्टी पर हमला बोला और कहा, 'कैग की रिपोर्ट को इन्होंने (आप) विधानसभा में नहीं आने दिया। 2,026 करोड़ रुपये के घोटाले को ये लोग (आप वाले) छिपा गये। उन्होंने कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल जेल गये, आप नेता मनीष सिसोदिया जेल गए, बाकी लोग भी जेल गये, आरोप पत्र दाखिल हो चुका है।

बारिश के कारण प्रदूषण के स्तर में हुआ सुधार, हटाई गई ग्रैप 4 की पाबंदियां

एजेंसी

नई दिल्ली। बारिश के चलते दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 302 दर्ज किया गया। इसके कारण लागू ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) 4 की पाबंदियां हटा ली गई हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार गुरुवार शाम एक्यूआई 302 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब श्रेणी में है। साथ ही, अधिकतर इलाकों में हवा बेहद खराब रही। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बैठक कर एनसीआर में ग्रैप-4 की पाबंदियों को हटाने का निर्णय लिया। इससे पहले हवा की गुणवत्ता खराब होने पर ही ग्रैप चार की पाबंदियां लगाने का फैसला किया गया था। इसके साथ ही निर्माण कार्यों पर लगी रोक भी हट गई है। हालांकि ग्रैप तीन की पाबंदियां जारी रहेंगी। ग्रैप-4 की पाबंदियों के तहत दिल्ली के बाहर से आने वाले सभी ट्रकों के प्रवेश पर पाबंदी, दिल्ली में पंजीकृत मध्यम व भारी डीजल संचालित माल वाहनों पर प्रतिबंध, दिल्ली व एनसीआर में डीजल चलित चार पहिया वाहनों पर थी रोक। हालांकि, आपातकालीन वाहनों को छूट दी गई थी। इस श्रेणी में केवल बीएस-6 वाहन चल सकते थे। इसके साथ दिल्ली एनसीआर में उद्योगों पर पाबंदी थी। जहां पीएनजी ईंधन की सुविधा नहीं थी और सरकार द्वारा अधिकृत सूची से बाहर के ईंधन के उपयोग पर थी रोक। हालांकि, दूध व डेयरी उत्पादों और मेडिकल उपकरणों से जुड़े उद्योगों को छूट दी गई थी।

राहुल ने भारत के खिलाफ लड़ने वालों के साथ गठबंधन किया: विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस बयान की कड़ी आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई भारतीय की संस्थाओं के खिलाफ भी है। उन्होने कहा कि ऐसा लगता है कि जिन अंग्रेजों ने हमें इतने वर्षों तक गुलाम बनाए रखा और जिनके खिलाफ हमने लड़ाई लड़ी और आजादी हासिल की, वे राहुल गांधी के भीतर अभी भी जीवित हैं। कांग्रेस पार्टी की स्थापना स्वयं एक ब्रिटिश व्यक्ति एओ ह्यूम ने की थी। कहीं न कहीं उनके (राहुल गांधी) भीतर जॉर्ज सोरोस भी भारत के खिलाफ बोल रहे हैं। ये वही ताकतें हैं जो देश के खिलाफ लड़ रही हैं और राहुल गांधी उनका नेतृत्व कर रहे हैं।

दिल्ली में नए कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, गांधी ने कहा था कि कांग्रेस की लड़ाई न केवल भाजपा और आरएसएस के खिलाफ है, बल्कि

देश की उन संस्थाओं के खिलाफ भी है, जिन्हें भाजपा ने हड़प लिया है और अब छीन रही हैं और सरकार द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि राज्य सरकार किसानों को मुआवजे और एमएसपी से वंचित कर रही है, उन्होंने कहा कि सरकार सभी वर्गों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए अनेक कदम उठा रही है और लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को इन पहलों से लाभ हुआ है, यही कारण है कि उन्होंने सरकार को फिर से चुना है। हुडा द्वारा सरकारी आवास खाली करने के बाद दंडात्मक किराया लगाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह नियमों के अनुसार है और उसी के मुताबिक कार्रवाई की जाती है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले पर विज ने कहा कि जांच से सारी बातें सामने आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह पार्टी (आप), जिन वादों के साथ सत्ता में आई थी, उसने इसके विपरीत काम किया। उन्होंने लोगों को साफ पीने का पानी मिल सके इसलिए यमुना को साफ नहीं किया, लेकिन उन्होंने हर गली में लोगों को शराब परोस दी।

राष्ट्र जागरण के लिए विश्व हिंदू परिषद की स्थापना हुई : विनायक राव देशपांडे

एजेंसी

महाकुंभ नगर। मातृ शक्ति-दुर्गा वाहिनी के अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग का उद्घाटन विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री विनायक राव देशपांडे ने सेक्टर-7 18 में महाकुम्भ शिविर में स्थित सांदिपनी सभागार में दीप जलाकर किया।

विनायक राव देशपाण्डे ने अपने सम्बोधन में कहा कि कार्यकर्ता के विकास के लिए बीच-बीच में प्रशिक्षण वर्ग की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि भारत में संतों की अखंड परम्परा है, लड़ने वाले वीरों की भी परम्परा है। विजयनगर साम्राज्य के कारण दक्षिण भारत अजेय रहा। महाराणा प्रताप के समय में उत्तर भारत अजेय रहा। शिवाजी के नेतृत्व में महाराष्ट्र अजेय रहा। पंजाब में गुरु गोविन्द सिंह के नेतृत्व में विजय अभियान चलाया गया। महापुरुषों ने अपने शौर्य और पराक्रम से भारत को सुरक्षित किया। एकत्रित अभियान नहीं चला। एक ही समय में सम्पूर्ण भारत में जागरण की प्रक्रिया नहीं हुई, अन्यथा देश तभी सुरक्षित हो जाता। नसारे देश में एक

ही समय में, एक ही पद्धति से जागरण की प्रक्रिया चले, इसीलिए विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना हुई है। संविधान का पालन करते हुए, संविधान के दायरे में रहते हुए, देश के सभी कोने में राष्ट्र जागरण हो सके, इसीलिए विश्व हिन्दू परिषद काम करता है। विनायक राव ने कहा कि हिन्दूओं पर अन्याय करना और ईसाई, मुसलमानों को प्रश्रय देना ही आज सेक्युलरिज्म है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद मिशनरीज वाले भारत से जाने वाले थे, लेकिन सेक्युलर नेताओं ने उन्हें रोक लिया। मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल के समय में नियोगी कमीशन आया मध्य भारत प्रांत में। उससे धर्मांतरण की विभीषिका का पता पूरे देश को हुआ। उन्होंने कहा कि संगठन, सेवा, संस्कार, सुरक्षा-चार प्रकार के काम हमलोग करते हैं। 32 हजार सत्संग, 2 हजार बाल संस्कार केन्द्र, 500 से अधिक मन्दिरों का निर्माण हुए हैं। यह अभ्यास वर्ग अभी 17, 18 जनवरी तक चलेगा।

पिछले नौ वर्षों में स्टार्टअप इंडिया की परिवर्तनकारी योजना ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है, उनके अभिनव विचारों को सफल स्टार्टअप में बदला है: प्रधानमंत्री

एजेंसी

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्टार्टअप इंडिया के नौ वर्ष पूरे होने पर इसकी सफलता को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में इस परिवर्तनकारी योजना ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है और उनके अभिनव विचारों को सफल स्टार्टअप में बदल दिया है। प्रधानमंत्री ने दोहराया- जहां तक सरकार का सवाल है, हमने स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप इंडिया की सफलता दर्शाती है कि आज का भारत गतिशील, विश्वास से भरा और भविष्य के लिए तैयार है। श्री मोदी ने कहा, मैं स्टार्टअप जगत के हर युवा को बधाई देता हूं और अधिक से अधिक युवाओं को इसे अपनाने का आग्रह करता हूं। मैं आश्वस्त कराता हूं कि आप निराश नहीं होंगे!

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया

एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि- 'आज, हम #~YearsOfStartupIndia मना रहे हैं, जो एक अहम पहल है जिसने नवाचार, उद्यमशीलता और विकास को पुनर्परिभाषित किया है। यह कार्यक्रम है मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि यह युवा सशक्तिकरण का शक्तिशाली उपाय बनकर उभरा है। पिछले नौ वर्षों में इस परिवर्तनकारी योजना ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है और उनके अभिनव विचारों को सफल स्टार्टअप में बदल दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज स्टार्टअप इंडिया के नौ वर्ष पूरे होने पर इसकी सफलता को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में इस परिवर्तनकारी योजना ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है और उनके अभिनव विचारों को सफल स्टार्टअप में बदल दिया है। प्रधानमंत्री ने दोहराया- जहां तक सरकार का सवाल है, हमने स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।÷। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप इंडिया की सफलता दर्शाती है कि आज का भारत गतिशील, विश्वास से भरा और भविष्य के लिए तैयार है। श्री मोदी ने कहा, मैं स्टार्टअप जगत के हर युवा को बधाई देता हूं और अधिक से अधिक युवाओं को इसे अपनाने का आग्रह करता हूं। मैं आश्वस्त कराता हूं कि आप निराश नहीं होंगे!

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सिंगापुर के राष्ट्रपति से दोनों देशों के संबंधों पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शानमुगरत्नम से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-सिंगापुर संबंधों और भविष्य में सहयोग के अवसरों की तलाश पर विचार-विमर्श किया। सिंगापुर के राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद जेपी नड्डा ने ट्वीट कर बताया कि भाजपा को जानो पहल के तहत उन्होंने सिंगापुर गणराज्य के राष्ट्रपति थर्मन शानमुगरत्नम से मुलाकात की है। उन्होंने बताया कि हमने पार्टी-टू-पार्टी संबंधों को मजबूत करने और बच्चों और महिलाओं के लिए प्रमुख स्वास्थ्य सेवा पहलों पर एक व्यावहारिक चर्चा की। हमारी बातचीत भारत-सिंगापुर संबंधों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी। निरंतर सहयोग और आपसी प्रगति की आशा है।

शाह ने वडनगर में अत्याधुनिक पुरातत्व संग्रहालय का किया उद्घाटन

एजेंसी

मेहसाणा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात मेहसाणा जिले के वडनगर में अत्याधुनिक पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय, प्रेरणा काम्प्लेक्स एवं वडनगर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स का उद्घाटन किया।

श्री शाह ने वडनगर में विरासत परिसर विकास योजना और शहरी सड़क विकास और सौन्दर्यीकरण कार्यक्रम की भी अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा पर एक फिल्म का भी विमोचन किया गया। इस मौके पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के पदचिन्हों पर चल रही है और यह कार्यक्रम मोदी जी की ही जन्मभूमि पर हो रहा है। यह कार्यक्रम कई मायनों में वडनगर को देश और दुनिया के नक्शे पर प्रमुखता से रखने वाला है। उन्होंने कहा कि वडनगर दुनिया के सबसे पुरातन शहरों में से एक है जिसने अपनी अक्षुण्णता और जीवंतता के कारण हर काल की संस्कृति और संस्कारों को प्रभावित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वडनगर की यात्रा हज़ारों साल से अनथक रूप से चली आ रही है और हमारे पास इसके 2500 साल से अधिक पुराने प्रमाण भी उपलब्ध हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि लोगों को इस पुरातात्विक अनुभवात्मक संग्रहालय और उत्खनन परिसर का भ्रमण ज़रूर करना चाहिए क्योंकि पूरी दुनिया में ऐसा कोई संग्रहालय नहीं है जहां इतिहास और उत्खनन दोनों एक साथ मौजूद हैं। उन्होंने कहा

कि प्रधानमंत्री की परिकल्पना वाले लगभग 300 करोड़ की लागत से बने इस संग्रहालय ने न सिर्फ वडनगर बल्कि गुजरात और पूरे देश की संस्कृति को दुनिया के नक्शे पर रखने का काम किया है। संग्रहालय बनाने वालों ने संग्रहालय भवन और उत्खनन स्थल में 2500 साल से अधिक पुरानी वडनगर की यात्रा को जीवंत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ये म्यूज़ियम न सिर्फ वडनगर के पुरातन होने का बोध देता है बल्कि वडनगर के हर कालखंड के दौरान प्रचलित संस्कृति, व्यापार, नगर रचना, शिक्षा और शासन के योगदान को भी दिखाता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज यहां प्रेरण संकुल परिसार का भी औपचारिक उद्घाटन हुआ है और जिस स्कूल में प्रधानमंत्री मोदी जी ने प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की थी, वहां आज देशभर के बच्चे उनके दिखाए रास्ते पर चलने की शिक्षा प्राप्त करने के लिए आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रेरणा संकुल भविष्य में कई ऐसे बड़े व्यक्तियों के निर्माण का योगदान देने का काम करेगा। आज यहां खेल परिसर का भी उद्घाटन हुआ है। उन्होंने 2036 के ओलिंपिक खेल अहमदाबाद में आयोजित करने का लक्ष्य रखा है और उस वक्त वडनगर के उसमें हिस्सा लेने के लिए तैयार हो सकेंगे।

जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने मिजोरम के राज्यपाल पद की शपथ ली

एजेंसी

आइजोल। पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) ने मिजोरम के 25वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय विश्नोई ने राजभवन के सर्कुलर लॉन में उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री लालदुहोमा, उनके कैबिनेट सहयोगी, विधानसभा अध्यक्ष लालबिआकजामा, उपाध्यक्ष लालफमकीमा और प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। मिजोरम के पूर्व मुख्यमंत्री जोरामथांगा और लाल थनहवला भी इस अवसर पर मौजूद रहे। सेवानिवृत्त जनरल सिंह ने आइजोल आने से पहले गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पूर्व सेना प्रमुख जनरल विजय कुमार सिंह

(सेवानिवृत्त) का जन्म 10 मई, 1951 में हुआ था। जनरल विजय कुमार सिंह वर्ष 2010 से 2012 तक भारतीय सेना के 24वें सेना प्रमुख रहे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा और गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव जीता था। वे मोदी सरकार में विदेश मामलों, सड़क परिवहन, नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार संभाल चुके हैं।

विनीत जोशी ने शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग में सचिव का पदभार ग्रहण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी विनीत जोशी ने नई दिल्ली में स्थित शास्त्री भवन में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव का पदभार ग्रहण किया। शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि जोशी ने पदभार ग्रहण करने के बाद मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की। मणिपुर कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी जोशी इससे पहले शिक्षा क्षेत्र में कई अहम पदों पर रह चुके हैं। इस नियुक्ति से पहले जोशी मणिपुर के मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र के अध्यक्ष और शिक्षा मंत्रालय में अपर सचिव पद सम्मिलित हैं।जोशी

में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है, जिनमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने आईआईटी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है।

अयोध्या में 10 व काशी विश्वनाथ में 7.41 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया दर्शन

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में पहुंचे देश-विदेश के श्रद्धालु अब उत्तर प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी पहुंचने लगे हैं। स्नान के उपरांत श्रद्धालु 13, 14 व श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, वाराणसी, मां विंध्यवासिनी धाम, नैमिषारण्य व अयोध्या में दर्शन-पूजन करने पहुंचे। अब तक तकरीबन सात करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकुम्भ में स्नान-पूजन किया। अयोध्या में तीन दिन में तकरीबन 10 लाख, काशी विश्वनाथ मंदिर में 7.41 लाख, विंध्यवासिनी धाम में 5 लाख व नैमिषारण्य धाम सीतापुर में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन

किया। प्रयागराज से श्रद्धालु श्रृंगेवरपुर, चित्रकूट, वाराणसी, मां विंध्यवासिनी धाम, नैमिषारण्य, अयोध्या भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इन क्षेत्रों में पहुंचने से स्थानीय रोजगार को भी काफी बढ़ावा मिल रहा है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में तीन दिन में 7.41 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। यहां 13 जनवरी को 2.19 लाख, 14 जनवरी को 2.31 लाख और 15 जनवरी को 2.90 लाख से अधिक दर्शन करने पहुंचे। विंध्यवासिनी धाम में 5 लाख व नैमिषारण्य धाम में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। रामनगरी में निरंतर श्रद्धालुओं का सैलाब पहुंच रहा है। जय श्रीराम के जयकारे संग अयोध्या पहुंचे श्रद्धालुओं की आस्था से पूरी नगरी राममय हो गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिला प्रशासन दर्शनार्थियों के लिए सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध करा रहा है। तकरीबन 10 लाख से अधिक श्रद्धालु तीन दिन में अयोध्या पहुंचे हैं। रामलला के 500 वर्ष बाद विराजमान होने के उपरांत यहां सर्वाधिक श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। यहां रामलला व हनुमानगढ़ी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी लाइन उमड़ी है। सीएम के निर्देश पर आयुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राजकरण नैयर, नगर आयुक्त संतोष शर्मा व अन्य आलाधिकारी धर्मपथ, रामपथ व भक्तिपथ पर भ्रमण करते रहे। यहां जरूरतमंदों को आश्रय स्थल भी भेजा गया है। 26 फरवरी तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अयोध्या धाम को 5 जोन व 12 सेक्टर में विभाजित कर दो पालियों में पुलिस बल की ड्यूटी लगायी गयी है। मुख्य स्नान पर्व पर राजपत्रित अधिकारी/थाना प्रभारी की ड्यूटी अलग से लगायी जायेगी। इसके अतिरिक्त पीएसी बल, बाढ़ राहत दल पीएसी की ड्यूटी लगायी गयी है। यलो जोन यूटी प्वाइंट पर तीन पालियों में पुलिस, पीएसी की ड्यूटी लगाकर यातायात को सुव्यवस्थित कराया जा रहा है। सीसीटीवी कंट्रोल रूम द्वारा निरन्तर निगरानी भी की जा रही है।

बहुत से लोग इस बात का रोना रोते रहते हैं कि उनका भाग्य ही खराब है। नसीब नहीं साथ दे रहा है इसलिए किसी काम में सफलता नहीं मिलती है। जबकि सच यह है कि भाग्य तो कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने की बजाय अगर हम हाथों को कर्म करने के लिए प्रेरित करें तो भाग्य रेखा खुद ही मजबूत हो जाएगी और हम वह पा सकेंगे जिसकी हम चाहत रखते हैं।

कर्म कीजिए भाग्य आपका गुलाम बन जाएगा

कर्म के अनुसार बदलती हैं रेखा

हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार कुछ रेखाओं को छोड़ दें तो बाकी सभी रेखाएं कर्म के अनुसार बदलती रहती है। अपनी हथेली को गौर से देखिए कुछ समय बाद रेखाओं में कुछ न कुछ बदलाव जरूर दिखेगा इसलिए कहा गया है कि रेखाओं से किस्मत नहीं कर्म से रेखाएं बदलती हैं।

सकल पदारथ एहि जग माहि

गोस्वामी तुलसीदास जी कर्म के मर्म को बखूबी जानते थे तभी उन्होंने कहा है सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।। तुलसीदास जी ने अपनी दोहा में स्पष्ट किया है कि इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं लेकिन जो कर्महीन अर्थात प्रयास नहीं करते इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं।

सिंह को भी आलस्य त्यागना होगा

नीतिशास्त्र में कहा गया है कि न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ इसका तात्पर्य यह है कि सिंह अगर शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। यानी सिंह को अपनी भूख मिटानी है तो उसे आलस त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार हम सभी को जिस चीज की, जिस मंजिल की तलाश है उसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रयास का फल देर से मिल सकता है लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होगा यह मानकर सही दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए।

पृथ्वी यानी कर्म की भूमि

शास्त्रों में पृथ्वी को कर्म भूमि कहा गया है। यहां आप जैसे कर्म करते हैं उसी के अनुरूप आपको फल मिलता है। भगवान श्री कृष्ण ने ही गीता में कर्म को ही प्रधान बताया है और कहा है कि हम मनुष्य के हाथों में मात्र कर्म है अतः हमें यही करना चाहिए। फल क्या होगा वह हमें भगवान पर छोड़ देना चाहिए। भगवान अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं इसलिए जो जैसा कर्म करता है उसे उसका उसे वैसा ही फल देते हैं। सीधी बात यह है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा। अर्थात जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता हैं।

जैसा सोचेंगे वैसा ही परिणाम मिलेगा आपको

अगर आप दुःखी हैं तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप खुद हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई लेना देना नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्र में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और क्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढकर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं।

अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढकर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

दूसरों के अवगुण नहीं गुण भी देखिए

मनुष्यों की सामान्य प्रवृति है कि वह अपने भीतर सिर्फ गुण देखता है और दूसरों के गुणों को पहचान नहीं पाता है। यही कारण है कि मनुष्य खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानने की भूल कर बैठता है। जबकि गौर से देखें तो जिसे आप अयोग्य व्यक्ति मानते हैं उसमें भी कुछ न कुछ गुण अवश्य पाएंगे। अगर उन गुणों को अपने अंदर ग्रहण करने की कोशिश करें तो जिस व्यक्ति को अयोग्य मान रहे थे वह भी आपको गुणों का खजाना नज़र आने लगेगा। इससे आप कई चीजें एक साथ प्राप्त कर लेंगे। एक तो उस व्यक्ति की नज़र में आपका सम्मान बढ़ेगा। मन से निरादर की भावना दूर होगी और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र यहां प्रस्तुत है जो बताता है कि किस प्रकार हमें बुराईयों में से अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। महात्मा गांधी इंग्लैंड की यात्रा पर थे। उस समय उन्हें एक अंग्रेज ने एक कागज पर बुरा-भला लिखकर दिया। गांधी जी ने उस व्यक्ति से कुछ नहीं कहा बल्कि कागज में लगा हुआ पिन निकालकर अपने पास रख लिया और कागज फेंक दिया। गांधी जी के साथ जो लोग थे उन्होंने गांधी जी से कहा कि अंग्रेज आपको बुरा-भला कह रहा है और आप उसे कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। गांधी जी ने कहा कि कागज पर लिखे हुए शब्द मेरे लिए उपयोगी नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें फेंक दिया। जबकि कागज में लगा हुआ पिन उपयोगी है इसलिए मैंने उसे अपने पास रख लिया है। गांधी जी ने ऐसा कह कर यह संदेश दिया कि बुराईयों को छोड़ दो और जहां कहीं कुछ भी अच्छाई दिखे उसे तुरंत ग्रहण कर लो।

फुटसल एशियाई कप में भारतीय टीम हांगकांग से हारी

एजेंसी

योग्यकार्ता (इंडोनेशिया)। अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही भारतीय महिला फुटसल टीम का एएफसी महिला फुटसल एशिया कप 2025 के लिए ग्रुप बी क्वालीफायर मुकाबले में हांगकांग से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। आज यहां योग्यकार्ता के अमंग रोगो स्पोर्ट्स हॉल में खेले गये मुकाबले में हांगकांग के लिए च्युंग वाइ की ने (13वें, 23वें, 40वें) मिनट में गोल दागकर हैट्रिक बनायी और वाइ यूएन टिंग ने (27वें) मिनट तथा कुंग यूएट चारिस ने (35वें) मिनट में किये गोल की बदौलत हांगकांग ने भारतीय टीम के खिलाफ जीत दर्ज की। मैच के दौरान भारतीय गोलकीपर तन्वी विजयकुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग के शुरुआती हमलों को विफल किया। भारतीय टीम अपना अगला मैच मेजबान इंडोनेशिया के खिलाफ खेलेगी।

साकिब महमूद को इंग्लैंड के भारत दौरे के लिए मिला वीजा

नई दिल्ली। साकिब महमूद को आखिरकार भारत में इंग्लैंड की आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए अपना वीजा मिल गया है, जिसका अर्थ है कि वह बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच से पहले टीम के साथ कोलकाता जा सकेंगे। पाकिस्तानी मूल के महमूद को यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने में देरी का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वे संयुक्त अरब अमीरात में इंग्लैंड के प्रशिक्षण शिविर में भाग नहीं ले सके। हालांकि आदिल राशिद और रेहान अहमद को पहले ही अपना वीजा मिल गया था। लंकाशायर के इस तेज गेंदबाज को पहले भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा था, जब 2019 में इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आई थी। 2024 में, वीजा की धीमी प्रक्रिया के कारण इंग्लैंड के ऑफ स्पिनर शोएब बशीर भी हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहला टेस्ट मैच चूक गए थे। महमूद को भारत दौरे से पहले अबू धाबी में तेज गेंदबाजी सलाहकार जेम्स एंडरसन के नेतृत्व में एक तेज गेंदबाजी शिविर में भाग लेना था, जिसमें जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी शामिल थे। 27 वर्षीय महमूद ने नवंबर में कैरिबियन में इंग्लैंड की टी20आई सीरीज के दौरान 10.55 की औसत से नौ विकेट लिया था, जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

निक पोथास ने बांग्लादेश के सहायक कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। बांग्लादेश के सहायक कोच निक पोथास ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। 2023 में बांग्लादेश के कोचिंग स्टाफ़ में शामिल होने वाले पोथास को शुरू में मार्च 2026 तक काम करने के लिए अनुबंधित किया गया था। हालाँकि, पूर्व दक्षिण अफ़्रीकी बल्लेबाज ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पद छोड़ने का फैसला किया। पोथास ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट कर अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, सभी अच्छी चीजों की तरह, यह भी खत्म होना चाहिए। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ रहते हुए मैंने कुछ बेहतरीन लोगों के साथ शानदार समय बिताया है। हमने इस दौरान कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इतिहास रचा है और अद्भुत यादें बनाई हैं। अब घर पर कुछ बेहतरीन समय बिताने और यह देखने का समय है कि अगला अध्याय क्या लेकर आता है। मैं बांग्लादेश क्रिकेट के सभी लोगों को आने वाले रोमांचक वर्ष के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मैं आपको मिस करूंगा। एक दशक से ज़्यादा लंबे कोचिंग करियर में पोथास वेस्टइंडीज़ (2018-2019) और श्रीलंका (2017-2018) दोनों के लिए मुख्य कोच के तौर पर काम कर चुके हैं।

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने विश्व चैंपियन गुकेश और रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी को किया सम्मानित

नई दिल्ली। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने एक भव्य समारोह में विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश डोमराजू और विश्व रैपिड शतरंज चैंपियन कोनेरू हम्पी को सम्मानित किया। 18 वर्षीय गुकेश ने दिसंबर 2024 में सिंगापुर में आयोजित विश्व शतरंज चैंपियनशिप के फाइनल में चीन के डिंग लिरेन को हराकर इतिहास रच दिया था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय और सबसे युवा विश्व चैंपियन हैं।गुकेश को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए 1 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया गया, जबकि उनकी सपोर्ट टीम के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा की गई। महिला वर्ग में, कोनेरू हम्पी ने 2024 फिडे महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में इरेन सुकंदर को हराकर खिताब अपने नाम किया। 37 वर्षीय हम्पी को उनकी इस उपलब्धि के लिए 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा, फिडे विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज चैंपियनशिप 2024 में कांस्य पदक विजेता आर. वैशाली रमेशबाबू को भी 20 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतीय महिलाओं ने मलेशिया को तथा पुरुष टीम ने भूटान को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। खो खो विश्वकप में भारतीय महिलाओं ने मलेशिया को 80 अंको तथा पुरुष टीम ने भूटान को 37 अंक से हराया। इसी के साथ दोनों भारतीय टीमों ने क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली हैं। आज यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय पुरुष टीम ने भूटान को 71-34 से हराया। इस जीत से भारत का ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। मेजबान टीम ने पहले टर्न में ही शानदार आक्रमण करते हुए 32 अंक अर्जित किए। भारतीय टीम के स्काई डाइविंग कौशल विशेष रूप से उल्लेखनीय थे, जिसमें खिलाड़ियों ने पूरे मैच के दौरान उल्लेखनीय चपलता का प्रदर्शन किया दूसरे टर्न में, भारत ने अपनी रक्षात्मक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया और भूटान के हमलों को प्रभावी ढंग से रोका। भूटान की टीम गति के बावजूद, भारत के रणनीतिक खेल और चतुर प्रबंधन की बदौलत तीन बैचों में केवल 18 अंक ही हासिल कर पाई। तीसरे टर्न में भारत ने नए जोश के साथ आक्रमण मोड में वापसी की। निखिल अपनी असाधारण स्काई डाइविंग क्षमताओं के साथ एक बेहतरीन प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरे, जिससे टीम को 36 अंक हासिल करने में मदद मिली। भारतीयों ने अपने खोस में बेहतरीन समन्वय का प्रदर्शन किया, रनिंग टच और स्काई डाइव को प्रभावी ढंग से संयोजित किया। भूटान ने अपने अंतिम आक्रमणकारी मोड़ में संघर्ष किया और आधे से अधिक समय में केवल 9 अंक ही प्राप्त किए। भारत के समग्र प्रदर्शन में उनके आक्रमणकारी मोड़ों में 18 स्काई डाइव, 2 पोस्ट-डाइव पॉइंट और 8 रनिंग टच पॉइंट का प्रभावशाली टैली शामिल था। वही महिला वर्ग के मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने रणनीति और कौशल के मास्टरक्लास में मलेशिया को एक शानदार जीत के साथ कुचल दिया। डिफेंडर भीलर ओपिनबेन और मोनिका के शानदार ड्रीम रन से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम ने सभी चार टर्न पर अपना दबदबा बनाए रखा और 80 अंकों की शानदार जीत हासिल की। इस जीत ने भारत को ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंचा दिया और अब क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला बंगलादेश से होगा। खेल की शुरुआत ड्रीम रन के साथ हुई, जिसमें पहले टर्न के बाद दोनों टीमें 6-6 से बराबरी पर थीं। भारत ने दूसरे टर्न में नियंत्रण हासिल किया और मलेशिया के पहले बैच को जल्दी से खत्म कर दिया और मोनिका और निर्मला भाटी के दमदार प्रदर्शन के जरिए 44-6 की बढ़त बना ली। सुभाश्री सिंह ने टर्न 3 में एक और ड्रीम रन का नेतृत्व किया और बढ़त को 48-20 तक पहुंचा दिया। अंतिम टर्न में भारत ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए लगातार तीसरी जीत हासिल की। इससे पहले रणनीति और कौशल के बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारतीय महिला खो-खो टीम ने गुरुवार रात इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में जारी खो-खो विश्व कप 2025 में मलेशिया के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपना अपराजित क्रम जारी रखा है। डिफेंडर भीलर ओपिनबेन और मोनिका के शानदार ड्रीम रन से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम ने चारों टर्न पर अपनी ताकत दिखाई और आखिरकार 80 अंकों की शानदार जीत हासिल की।

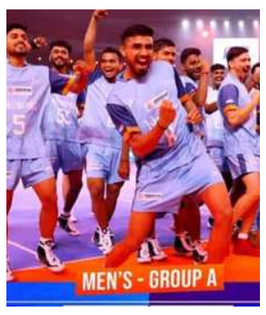

स्कूलकेट को हराकर सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में

एजेंसी

मेलबर्न। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर और जैस्मीन पाओलिनी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में गत चैंपियन और विश्व नंबर वन खिलाड़ी सिनर ने 23 वर्षीय स्कूलकेट के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरते हुए 4-6, 6-4, 6-1, 6-3 से जीत दर्ज की। मैच के बाद के साक्षात्कार में सिनर ने कहा, मुझे लगा कि वह वास्तव में अच्छी सर्विस कर रहा था और शुरुआत में मुझसे कहीं बेहतर खेल रहा था।यह एक बहुत ही खास जगह है, विशेषकर जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहा हो। इस बीच महिला वर्ग के एकल मुकाबले में इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने गति, कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए मेक्सिको की रेनाटा जराजुआ को 6-2, 6-3 से हराया। मैच के बाद पाओलिनी ने कहा, मैं इस कोर्ट पर खेलने के लिए स्वयं को बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं। रोशनी की वजह से यहाँ बहुत गर्मी है। मैं यहाँ अपनी पहली जीत वाकई बहुत खुश हूँ।

उत्तम प्रदर्शन करने वाले 25 क्रिकेट खिलाड़ियों का सम्मान

एजेंसी

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर में भरतपुर जिला क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में अंडर 16 एवं अंडर 19 टीमों के 25 खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। क्रिकेट संघ के प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर दीपक चाहर और रवि विश्नोई के साथ गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेडम भी उपस्थित रहे।

प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम में दीपक चाहर ने भरतपुर के क्रिकेट खिलाडियों के रणजी ट्राफी साथ राष्ट्रीय स्तर पर अंडर-19 में खेलने पर प्रसन्नता जाहिर की। क्रिकेटर रवि विश्नोई ने भरतपुर के क्रिकेट खिलाड़ियों के सभी स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने का जिक्र करते कहा कि इसमें जिला क्रिकेट संघ की महती भूमिका रही है। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव शत्रुघन तिवारी सहित संघ के पदाधिकारियों ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया।

डब्ल्यूपीएल के मैच चार शहरों में खेले जायेंगे: बीसीसीआई

एजेंसी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) 2025 के सभी 22 मुकाबले बड़ौदा, बेंगलुरू, लखनऊ और मुंबई में खेलें जायेंगे। बीसीसीआई ने कहा कि 14 फरवरी से 15 मार्च के बीच होने वाले सभी मुकाबलों का आयोजन बड़ौदा, बेंगलुरू, लखनऊ और मुंबई में होगा। यह पहली बार होगा जब यह टूर्नामेंट चार शहरों में खेला जायेगा।

डब्लयूपीएल तीसरे सीजन का का पहला मैच 14 फरवरी से बड़ौदा के बीसीए स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) और मेजबान गुजरात जायंट्स (जीजी) के बीच होगा। बड़ौदा में कुल छह मैच खेले जाएंगे और सभी पांच टीमें दो-दो मैच खेलेंगी। इसके बाद बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 21 फरवरी को आरसीबी और मुंबई इंडियंस (एमआई) का मैच होगा। बेंगुलुरू में सर्वाधिक आठ मैच खेले जाएंगे और एक मार्च को वहां अंतिम मैच दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और मेजबान आरसीबी के बीच आयोजित होगा। टूर्नामेंट के तीसरे चरण में लखनऊ में मेजबान यूपी वॉरियर्स की टीम तीन मार्च को जीजी से मुकाबीला करेगी। लखनऊ में चार मैच होंगे और आठ मार्च को वहां यूपी और आरसीबी के बीच मैच होगा। इसके बाद अंतिम दौर के मैच मुंबई के ब्रेब्रोन स्टेडियम में एलिमिनेटर और फाइनल सहित कुल चार मैच खेले जाएंगे। एलिमिनेटर 13 मार्च और फाइनल 15 मार्च को होगा।

पीटी उषा ने रखा प्रस्ताव, बोलीं- 'ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों की स्पर्धा को ही राष्ट्रीय खेलों में शामिल किए जाए'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने प्रस्ताव रखा कि केवल ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शामिल खेलों को ही भविष्य के राष्ट्रीय खेलों में शामिल करने पर विचार किया जाए। इस कदम का उद्देश्य 'कई क्षेत्रीय खेलों' को पदक स्पर्धाओं में शामिल होने से रोकना है। उषा ने कहा कि वह आईओए की अगली आम सभा में इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का इरादा रखती हैं। आईओए अध्यक्ष ने अपने प्रस्ताव में यह भी कहा कि केवल उन्हीं खेलों को कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए जिनकी संचालन संस्था राष्ट्रीय खेलों के शुरू होने से एक साल पहले आईओए के साथ राष्ट्रीय महासंघ के रूप में 'अच्छी स्थिति' में हो। इसका मतलब यह हो सकता है कि जिस राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) का खेल राष्ट्रीय खेलों में पदक सूची में शामिल होगा उसे आईओए से मान्यता प्राप्त होना चाहिए और उसके चुनाव भी होने चाहिए। इसके अलावा उसकी स्थिति में कोई कानूनी विवाद नहीं होना चाहिए और संबद्धता शुल्क जमा करना होगा। उषा ने आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''हाल के खेलों में प्रदर्शनी खेलों के रूप में स्वदेशी क्षेत्रीय खेलों को शामिल करना एक उल्लेखनीय विशेषता रही है जिसका उद्देश्य स्थानीय दर्शकों को आकर्षित करना और क्षेत्रीय खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि पिछले खेलों के दौरान कई क्षेत्रीय खेलों को खेल तकनीकी संचालन समिति (जीटीसीसी) द्वारा पदक कार्यक्रम में शामिल किया गया था। आईओए इन खेलों के महत्व को पहचानता है लेकिन प्रदर्शनी और पदक स्पर्धाओं के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देता है।'' आईओए अध्यक्ष ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेता राज्य और केंद्र सरकार की नौकरियों में आरक्षण, मूल वेतन में वृद्धि और पुरस्कार राशि जैसे लाभ के हकदार हैं जिससे पदक स्पर्धाओं को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में मान्यता प्राप्त खेलों के साथ जोड़ना और भी आवश्यक हो जाता है। उन्होंने बयान में कहा, ''प्रस्ताव में सिफारिश की गई है कि आगामी ओलंपिक खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में शामिल किए गए खेलों को ही राष्ट्रीय खेलों में शामिल करने पर विचार किया जाए, बशर्ते कि आईओए से मान्यता प्राप्त संबंधित राष्ट्रीय महासंघ खेलों के शुरू होने से कम से कम एक वर्ष पहले आईओए के साथ अच्छी स्थिति में हो।''

चार्ली डीन डब्ल्यूपीएल 2025 में आरसीबी के लिए खेलेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए चोटिल सोफी मोलिनक्स की जगह इंग्लैंड की ऑलराउंडर चार्ली डीन को टीम में शामिल किया है।

ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट को लेकर सर्जरी के कारण इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज से बाहर हो गई हैं। डीन को पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर में डब्ल्यूबीबीएल के दौरान उन्होंने घुटने की समस्या सामना करना पड़ा था। उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स की कप्तानी होने के बावजूद वह 11 में से चार मैच नहीं खेली। डीन ने इंग्लैंड के लिए खेले 36 टी-20 में 18.19 की शानदार औसत से 46 विकेट लिए हैं। उनका डब्ल्यूपीएल में पर्दापण होना है। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूपीएल की शुरुआत सात फरवरी से शुरु होंगे।

धीमी ओवर गति के लिए आयरलैंड महिला टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी

राजकोट। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत के खिलाफ खेले गये तीसरे एकदिवसीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए आयरलैंड की टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।एमिरेट्स आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी जी एस लक्ष्मी ने तय समय से दो ओवर कम डालने पर आयरलैंड पर यह जुर्माना लगाया।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय के भीतर गेंदबाजी पूरी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। जो न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित है। आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस ने प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं रही।गौरतलब है कि बुधवार को खेले गए मैच में भारत ने तीसरा वनडे रिकॉर्ड 304 रन से जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। यह महिला वनडे में मेजबान टीम की सबसे बड़ी जीत भी थी। भारत की शानदार जीत की आधारशिला प्रतिका रावल (154) और स्मृति मंधाना (135) दोनों के शतकों से रखी गयी। भारत ने पांच विकेट गंवाकर 435 का विशाल स्कोर बनाया, जो महिला वनडे में उनका अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी आयरलैंड टीम को भारतीय गेंदबाजों ने 31.4 ओवर में 131 रन पर ढेर कर दिया।

इंग्लैंड सीरीज के लिए सितांशु कोटक होंगे भारतीय टीम के बल्लेबाज कोच

एजेंसी

मुम्बई। सितांशु कोटक को सीमित ओवरों की सीरीज और चैंपियंस से पहले आगामी 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए टीम का बल्लेबाजी कोच बनाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सौराष्ट्र के पूर्व बल्लेबाज सितांशु कोटक भारत के बल्लेबाजी कोच बनने को तैयार हैं। वह मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ के पांचवें सहायक सदस्य होंगे। 52 वर्षीय कोटक को 20 साल के प्रथम श्रेणी क्रिकेट का अनुभव है। उन्होंने 2013 में संन्यास लिया था। वह 2019 से ही एनसीए में एक बल्लेबाजी कोच के तौर पर जुड़े हैं।

उन्होंने इंडिया ए के कई दौरों पर प्रमुख कोच की भी भूमिका निभाई है। वह 2023 में आयरलैंड दौरे पर भारत की सीनियर टीम के भी कोच थे। उल्लेखनीय है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली करारी हार के बाद पिछले सप्ताह भातीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक समीक्षा बैठक बुलाई थी। बैठक में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी कोच रखने का सुझाव दिया था।

खो-खो के खेल ने मेरा पूरा जीवन बदल दिया :रामजी कश्यप

एजेंसी

नई दिल्ली। खो-खो विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भूटान के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय ऑलराउंडर रामजी कश्यप ने संवाददाता सुनील दुबे से विशेष बातचीत की। रामजी ने अपने जीवन की संघर्षपूर्ण यात्रा और खो-खो के खेल से जुड़े अनुभव साझा किए।

मैं महाराष्ट्र के छोटे से गांव बेलापुर से हूं। जब मैं पांचवीं कक्षा में था, तो मेरी दौड़ने की गति बहुत तेज थी। मेरे एक शिक्षक ने मुझसे कहा, तू बहुत तेज भागता है, खो-खो खेलेगा क्या? मैंने तुरंत हां कहा और वहीं से मेरी खो-खो की यात्रा शुरू हुई। इसके बाद मैंने मेहनत जारी रखी और अब तक 11 राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में खेल चुका हूं।शुरुआती दिनों में यह सफर बेहद मुश्किल था। क्लब स्तर पर खेलते समय मेरे माता-पिता ने मेरा समर्थन नहीं किया। वे चाहते थे कि मैं पढ़ाई करूं और नौकरी तलाशूं, क्योंकि हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। मेरे पिताजी बिस्किट के बॉक्स बनाते थे। हालांकि, मेरी बहन और बड़े भाई ने मेरा पूरा साथ दिया। उन्होंने कहा कि घर की जिम्मेदारी वे संभालेंगे और मुझे खेल पर ध्यान देना चाहिए। जब 2017 में भारतीय टीम में मेरा चयन हुआ, तब मेरे पास इतने पैसे भी नहीं थे कि मैं खेल के लिए जूते खरीद सकूं। मेरे कोच सोमा सर ने मेरी काफी मदद की। उन्होंने यात्रा का किराया दिया और जूते भी दिलवाए। उनके सहयोग के बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच पाता। जब मेरा चयन नेशनल टीम में हुआ, तब सुविधाएं बहुत कम थीं। लेकिन फिर अल्टीमेट खो-खो लीग आई, जिसमें मैं दो साल तक बेस्ट प्लेयर रहा। इस खेल ने मुझे न केवल पहचान दिलाई, बल्कि रेलवे में नौकरी भी दी। आज मैं भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं और यह सब खो-खो की वजह से ही संभव हो पाया है। इस खेल ने सचमुच मेरा पूरा जीवन बदल दिया है। मेरी प्राथमिकता यही है कि मैं देश के लिए और बेहतर प्रदर्शन करूं और खो-खो को दुनिया में और ऊंचाई तक पहुंचाने में योगदान दूं। मैं चाहता हूं कि युवा खिलाड़ी इस खेल को अपनाएं और इसे अपनी पहचान बनाएं।

फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025: भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

कोलंबो। फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत का अपराजेय क्रम चौथे दिन पाकिस्तान पर 5 विकेट की जीत के साथ जारी रहा। यह मैच एफटीजेड क्रिकेट ग्राउंड, कटुनायके में आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय टीम ने एक और उल्लेखनीय जीत दर्ज की। मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में 138/5 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जीतेंद्र वी.एन. ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि नरेंद्र मंगोर और सनी ने एक-एक विकेट लेकर टीम का बहुमूल्य साथ दिया। सैफ उल्लाह ने 51 गेंदों पर 58 रनों की ठोस पारी खेलकर पाकिस्तान की पारी को संभाला। भारत की ओर से राजेश कन्नूर ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 52 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्के की मदद से 74 रनों की शानदार नाबाद पारी खेली और भारत को 18 ओवर में 141/5 का स्कोर बनाने में मदद की। नियमित अंतराल पर विकेट खोने के बावजूद, कन्नूर के संयमित रवैये ने सुनिश्चित किया कि टीम आसानी से लक्ष्य तक पहुँच जाए। उनके असाधारण प्रदर्शन ने उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब दिलाया। स्वयम की संस्थापक-अध्यक्ष स्मिनू जिंदल ने कहा, इस टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन असाधारण रहा है। प्रत्येक मैच उन क्रिकेटरों की क्षमता को दर्शाता है जो चुनौतियों से ऊपर उठते हैं और जुनून के साथ प्रदर्शन करते हैं। डीसीसीआई के साथ हमारी साझेदारी खेलों में समावेशिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, और टीम की सफलता दर्शाती है कि जब अवसर सुलभ हों तो क्या संभव है। उनकी उपलब्धियाँ देश भर में अनगिनत व्यक्तियों को प्रेरित करेंगी। मैन ऑफ़ द मैच राजेश कन्नूर ने कहा, मैं जीत में अहम भूमिका निभाकर रोमांचित हूँ। इस टूर्नामेंट में टीम की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे गेंदबाजों ने पाकिस्तान को रोकने का शानदार काम किया, जिससे हमें लक्ष्य का पीछा करने के लिए ध्यान केंद्रित करने का आत्मविश्वास मिला। मैं बस शांत रहना चाहता था, अपने शॉट्स चुनना चाहता था और टीम को जीत दिलाना चाहता था। हर खेल आगे बढ़ने और अपनी स्थिति को मजबूत करने का एक अवसर है, और मैं इस फॉर्म को जारी रखने के लिए उत्सुक हूँ। भारतीय कप्तान विक्रांत केनी ने कहा, हमारा प्रदर्शन इस टीम की ताकत और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। पाकिस्तान को नियंत्रण में रखने में जीतेंद्र की गेंदबाजी अहम रही और राजेश की बल्लेबाजी बेहतरीन रही। उनकी पारी ने न केवल लक्ष्य का पीछा करने में हमारी मदद की बल्कि हमें आत्मविश्वास के साथ खेल खत्म करने की गति भी दी। टीम इस जीत की लय को बनाए रखने के अपने लक्ष्य को लेकर एकजुट है और हम आगे की चुनौतियों को लेकर उत्साहित हैं। लगातार चार जीत के साथ भारत ने खुद को चैंपियनशिप के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित कर लिया है। टीम का अगला मुकाबला 18 जनवरी को इंग्लैंड से होगा।

प्रियंका चोपड़ा

का हंसना किसे लगा था बुरा? सरेआम खींचकर मारा था थप्पड़

कहते हैं कि हंसना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है. हर इंसान को खुश रहना चाहिए और हंसते रहना चाहिए. इससे दिल की सेहत भी अच्छी रहती है और तनाव कम होता है. साथ ही मांसपेशियां भी अच्छी रहती हैं. लेकिन कई बार बेवजह हंसना बुरा हो जाता है और सामने वाले को इसके लिए बुरा भी लग सकता है. कुछ ऐसा ही हुआ था प्रियंका चोपड़ा के साथ. एक बार उनका सरेआम हंसना किसी को इतना बुरा लगा कि उसने उनको खींचकर थप्पड़ मार दिया था. चलिए बताते हैं कि वो कौन था.प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी अपना नाम कमाया है. वो हॉलीवुड में भी अपनी अदाकारी का बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं. इस रिपोर्ट में आज हम आपको बताते हैं वो किस्सा जब प्रियंका चोपड़ा को जोरदार तमाचा पड़ा था.

बंदरिया से प्रियंका चोपड़ा को पड़ा थप्पड़

दरअसल इस किस्से का खुलासा प्रियंका चोपड़ा ने खुद कपिल शर्मा के शो में किया था. प्रियंका ने बताया था, एकबार जब मैं तीसरी क्लास में थी तो हम लखनऊ में रहते थे. मैं स्कूल जाती थी, तो हमारे स्कूल के पास एक बड़ा सा पेड़ हुआ करता था, जिसपर खूब सारे बंदर बैठते थे. एक दिन जब हम वहां पेड़ के पास से गुजर रहे थे तो उसी पेड़ पर खड़े होकर एक बंदरिया अपने आप को साफ कर रही थी. मुझे ये सब देखने में बड़ा मजेदार लगा और मैं वहीं पर जोर-जोर से हंसने लगी. फिर अचानक पता नहीं क्या हुआ कि वो बंदरिया नीचे आई, उसने मुझे देखा और एक थप्पड़ मारा फिर ऊपर चली गई. मैं सच बोल रही हूं मुझे एक बंदरिया से थप्पड़ पड़ा था.

लॉस एंजेलिस में हैं प्रियंका

उस वक्त प्रियंका चोपड़ा अपनी आने वाली फिल्म 'द स्काई इज पिंक' का प्रमोशन करने के लिए कपिल शर्मा के शो में पहुंची थीं. प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने पति निक जोनस के साथ अमेरिका के लॉस एंजेलिस में हैं. लॉस एंजेलिस इस वक्त सुर्खियों में बना हुआ है क्योंकि वहां के जंगलों में आग भड़की हुई है और आम लोगों समेत तमाम हॉलीवुड सेलिब्रिटीज का घर इसमें तबाह हो चुका है. कुछ वक्त पहले प्रियंका चोपड़ा ने अपने घर से जंगल में आग के खौफनाक मंजर को दिखाया था और यहां फंसे लोगों के लिए चिंता व्यक्त की थी.

श्रद्धा कपूर

'नागिन' बनकर खेलेंगी नया खेल, फिल्म की कब शुरू होगी शूटिंग? आया बड़ा अपडेट

Shraddha Kapoor के लिए साल 2024 बेहतरीन रहा. उनकी फिल्म Stree 2 की मदद से ही बॉलीवुड बॉक्स ऑफिस पर कुछ वक्त के लिए राज कर पाया. क्योंकि उनकी फिल्म को हटा दिया जाए, तो किसी भी बॉलीवुड फिल्म ने कुछ खास कमाई नहीं की है. खैर, यह रही पुरानी बात. इस वक्त वो जिस फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, उसका नाम है- NAGIN. इस फिल्म में श्रद्धा कपूर लीड रोल में हैं. फिल्म कब फ्लोर पर आएगी, इसकी जानकारी भी मिल गई है.हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी ने एक स्पेशल तस्वीर शेयर की है. मकर संक्रांति के मौके पर उन्होंने 'नागिन' की स्क्रिप्ट फैन्स को दिखा दी है. यह एक बड़ा अपडेट है. फिल्म की कहानी लॉक हो चुकी है, यानी पिक्चर का काम भी जल्द शुरू कर दिया जाएगा.

नागिन बनकर असली खेल खेलेंगी श्रद्धा कपूर ?

निखिल द्विवेदी ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है. उन्होंने तस्वीर पर लिखा- नागिन एंड फाइनली. स्क्रिप्ट के पहले पेज पर लिखा है- एपिक टेल ऑफ लव एंड सैक्रिफाइस. इस स्क्रिप्ट के ऊपर फूल रखे हुए हैं. इस तस्वीर के साथ प्रोड्यूसर ने हिंट दिया है कि जल्द ही पिक्चर की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी. हालांकि, उन्होंने कोई डेट नहीं बताई है. बीते साल इस प्रोजेक्ट को लेकर निखिल द्विवेदी ने बताया था कि श्रद्धा कपूर इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. साथ ही 2025 में फिल्म का काम शुरू भी कर दिया जाएगा, जो कि अब होने भी वाला है.

वहीं दूसरी ओर साल 2020 में श्रद्धा कपूर ने भी एक ट्वीट शेयर किया था. वो लिखती हैं कि- यह मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं स्क्रीन में नागिन का रोल प्ले करूंगी. मैं श्रीदेवी मैम की 'नागिन' और 'निगाहें' को देखकर बड़ी हुई हूं. दरअसल एक्ट्रेस हमेशा से ही ऐसा किरदार निभाना चाहती थीं, जो इंडियन ट्रेडिशन से जुड़ा हुआ हो. वहीं निखिल ने भी खुलासा किया था कि इस रोल के लिए उनकी हमेशा से पहली पसंद श्रद्धा कपूर ही थीं. उन्होंने कभी किसी दूसरे नाम पर विचार नहीं किया था.

'स्त्री 2' ने कितने करोड़ रुपये छापे ?

श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 को जनता ने काफी प्यार दिया है. फिल्म ने दुनियाभर से 884.45 करोड़ रुपये की कमाई की थी. अब उनकी स्त्री 3 को लेकर भी अपडेट सामने आ गया है. वहीं स्त्री बनकर वो दूसरी फिल्मों में भी कैमियो करती दिखेंगी.

तुषार कपूर ने सिंगल फादर बनने की बात घर पर छिपाए रखी, IVF सक्सेसफुल होने के बाद किया था खुलासा

तुषार कपूर ने बॉलीवुड में कई सारी फिल्मेंकी हैं, लेकिन बतौर एक्टर वो अपने पिता जितेंद्र जैसा नाम नहीं कमा पाए. बाद में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ पर ज्यादा ध्यान देना शुरू कर दिया. बीच में तुषार हर जगह से गायब थे, लेकिन वो एक दिन उनको लेकर चर्चा काफी तेज हो गई, वजह थी उनके सिंगल फादर बनने की. साल 2016 में वो इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और सरोगेसी के माध्यम से पैदा हुए बच्चे के पिता बने थे. हाल ही में उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की है.

48 साल के तुषार ने कई बार इस बात का जिक्र किया है कि वो शादी नहीं करना चाहते, लेकिन खुद को एक पिता के तौर पर देखना चाहते थे. उन्होंने अपने बेटे का नाम लक्ष्य रखा है. हाल ही में उन्होंने सिंगल पेरेन्ट होने के बारे में बात की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वो कैसे इस बात को लेकर काफी डरे हुए थे. हालांकि, इसके साथ ही एक्टर ने ये भी खुलासा किया कि अपनी जिंदगी के सबसे बड़े फैसले के लिए उन्होंने किसी से भी नहीं पूछा था.

किसी को भी नहीं थी जानकारी

हाल ही में कर्ली टेल्स से हुई बातचीत के दौरान तुषार ने बताया कि उन्होंने इसके बारे में किसी को भी नहीं बताया था. उन्होंने कहा कि जब आईवीएफ सक्सेसफुल हो गया, तो उसके बाद उन्होंने अपने माता-पिता को इसके बारे में बताया था. उन्होंने कहा कि ये पूरी मेरी जर्नी थी, जिसको मुझे ही देखना था. हालांकि, उन्होंने इसके साथ ये भी बताया कि सरोगेसी के इतने सारे नियम होते हैं, तो आप खुलकर इसके बारे में बिना डॉक्टर के सलाह के बात नहीं कर सकते. जब डॉक्टर ने मुझसे कहा कि अब आप उन्हें बता सकते हैं, तो मैंने बताया.

शुरुआत में लगा था काफी डर

तुषार ने 40 की उम्र से पहले ही बच्चे के लिए प्लान कर लिया था, इसके बारे में उन्होंने कहा कि अगर मुझे शादी करनी होगी, तो मैं कभी भी कर लूंगा या फिर न भी करूं. लेकिन अगर पिता बनना है तो मुझे जल्द ही सब कुछ सोचना था, उसके लिए मैं लेट नहीं कर सकता था. उन्होंने सिंगल पेरेन्ट बनने से पहले होने वाले अपने डर को बताते हुए कहा कि मुझे डर था कि लोगों का क्या रिएक्शन होगा, क्या मैं अच्छा पिता बन पाऊंगा, क्या मेरी खुद की कोई लाइफ होगी. हालांकि, बाद में सब ठीक होता गया. तुषार कपूर ने बताया कि उन्होंने अपनी जर्नी को लेकर एक किताब भी लिखी है, जिसका नाम बैचलर फादर है.

इन पन्नों को देखकर लगता है... 'कहो न प्यार है' के 25 साल पूरे होने पर ऋतिक ने शेयर किए नोट्स

ऋतिक रोशन का फिल्मी सफर शुरू हुए 25 साल हो गए हैं, आज वो इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं. एक्टर ने 'कहो न प्यार है' से डेब्यू किया था, इस फिल्म के लिए उन्होंने काफी मेहनत की थी, जिसके बारे में अब एक्टर ने बताया है. हाल ही में 'कहो न प्यार है' के 25 साल पूरे होने के पर उन्होंने अपने कुछ नोट्स शेयर किया है. इस फिल्म से केवल ऋतिक ने ही नहीं बल्कि अमीषा पटेल ने भी अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी.

'कहो न प्यार है' 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई थी, इस मौके पर ऋतिक ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की है. इसमें फिल्म की तैयारी के दौरान लिखे गए सारे नोट्स हैं. इन नोट्स में फिल्म के सीन, एक्टिंग और गानों के बारे में लिखा हुआ है. इस फिल्म के बाद से ऋतिक की एक्टिंग के साथ ही साथ उनके डांस मूव्स को भी काफी पसंद किया गया. फिल्म को लोगों ने इतना पसंद किया था कि वो बॉक्स ऑफिस पर सुपर हिट हुई थी. फिल्म के अवॉर्ड की बात की जाए, तो इस मामले में इस फिल्म ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था.

27 साल पहले के नोट्स किए शेयर

ऋतिक रोशन की इस फिल्म को उनके पिता राकेश रोशन ने डायरेक्ट किया था. एक्टर ने अपने शेयर किए हुए पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 27 साल पहले के मेरे नोट्स, अपनी पहली फिल्म 'कहो न प्यार है' के लिए बतौर एक्टर तैयारी करते हुए.

मुझे याद है कि मैं कितना नर्वस था, आज भी फिल्म शुरू करते समय नर्वस होता हूं. मुझे ये शेयर करते हुए शर्म आएगी, लेकिन इंडस्ट्री में 25 साल बिताने के बाद मुझे लगता है कि मैं इसे हैंडल कर सकता हूं.

'कहो न प्यार है' को 25 साल हो गए

इसके साथ ही आगे एक्टर ने लिखा कि तब से अब तक, क्या बदला है ? मैं इन पन्नों को देखता हूं और महसूस करता हूं ङ्क बिल्कुल कुछ नहीं. अच्छी बात ? बुरी बात ? यह बस ऐसा ही है, बस बचा है तो वो इस बीच का प्रोसेस है. 'कहो न प्यार है' को 25 साल पूरे हो गए हैं और इनके बीच अगर मुझे अगर किसी चीज को सेलिब्रेट करना चाहता हूं तो वो रफ कॉपी के पीछे ऐसे ही बनाई गई कुछ चीजें हैं.

इससे मुझे सुकून मिलता है. पहले पेज पर लिखा है एक दिन ऐसा कोई दिन नहीं हुआ, यह कभी नहीं आया या हो सकता है कि यह आया हो, लेकिन मैं इसे मिस कर गया क्योंकि मैं तैयारी में था.